जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 12 प्रभात चूरू, शुक्रवार 10 मई, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

‘हमारी सरकार में मुझ पर देशद्रोह का केस हुआ, सहन करना मुश्किल, मैं खुलकर बोला कि, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता’

सचिन पायलट ने ए.एन.आई. को दिये इन्टरव्यू में खुलकर प्रदेश की राजनीति पर अपना पक्ष भी रखा

- “विधायक दल की बैठक नहीं हो पाई, पता नहीं क्या रिज़ल्ट निकलकर आता? अच्छा होता कि, मीटिंग हो जाती।”
- पायलट ने कहा कि, राजस्थान में जनता के भ्रष्टाचार के मुद्दे थे, जिन पर पार्टी ने एक्शन लिया। मंत्रिपरिषद में कोई दलित मंत्री नहीं था। मैंने कहा था कि, यह गलत है, इसके बाद बदलाव हुए।
- कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि, डिप्टी सी.एम. और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए हमारी ही सरकार में मुझ पर देशद्रोह का केस हुआ, इसे सहन करना मुश्किल होता है। इस पर मैं खुलकर बोला कि, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता, बाद में सब चीजों का समाधान हुआ। हमने चुनाव के लिए मिलकर मेहनत की।

जयपुर, 9 मई (का.प्र.)। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने राजस्थान कांग्रेस की राजनीति को लेकर कहा कि, “2018 में सी.एम. का फैसला मुझसे बात करके ही किया था”। सन् 2018 में अशोक गहलोत को मु.मंत्री बनाए जाने और उन्हें यह पद नहीं मिलने के सवाल पर पायलट ने कहा कि, यह पार्टी का फैसला था। वर्ष 2018 का फैसला मुझसे बात करके किया था। साथ ही पायलट ने यह भी कहा कि, किस्मत में जो लिखा है, उसे कोई छीन नहीं सकता है। जो नहीं है, उसे कोई दे नहीं सकता।

न्यूज़ एजेंसी ए.एन.आई. को दिए इंटरव्यू में पायलट ने कहा-अब हम विपक्ष में हैं, सब भुलाकर काम करने की जरूरत है, किसने क्या छोटा -मोटा बोला इसे भूलकर आगे बढ़कर काम करने की जरूरत है।

इसी के साथ, 2022 में विधायक दल की बैठक नहीं होने के मुद्दे पर पायलट ने कहा कि, जो हुआ, सबके सामने हुआ। पार्टी ने कमेटी बनाई, जो मुद्दे थे, उन्हें कमेटी ने लिया, मंत्रिमंडल में फेरबदल किया। हाईकमान ने हमारी बातों को सुना। विधायकों की राय जानने के लिए ऑब्ज़र्वर भेजे, 25 सितंबर 2022 को दुर्भाग्य से विधायक दल की बैठक नहीं हो पाई। कांग्रेस विधायक दल की बैठक के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन जयपुर आए थे। उस बैठक का पता नहीं क्या रिज़ल्ट निकलकर आता? पर अच्छा होता कि एक बार मीटिंग हो जाती।

पायलट ने कहा कि, राजस्थान में जनता के भ्रष्टाचार के मुद्दे थे, जिन पर पार्टी ने एक्शन लिया। मंत्रिपरिषद में कोई दलित मंत्री नहीं था। मैंने कहा था कि यह गलत है, इसके बाद बदलाव हुए।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि, डिप्टी सी.एम. और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए हमारी ही सरकार में मुझ पर देशद्रोह का केस हुआ, इसे सहन करना मुश्किल होता है। इस पर मैं खुलकर बोला कि इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता, बाद में सब चीजों का समाधान हुआ। हमने चुनाव के लिए मिलकर मेहनत की।

अशोक गहलोत के साथ कड़वाहट, खींचतान और सियासी उठापटक का कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में नुकसान होने के सवाल पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस नेताओं ने प्र.मंत्री मोदी को चुनौती दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- बुधवार को एक सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया था कि, कांग्रेस को अंबानी-अडाणी से टैम्पो में भर कई बोरे काला धन मिला है। इसके जवाब में आज कांग्रेस के नेताओं ने मोदी को अंबानी-अडाणी पर कार्यवाही करने की चुनौती दी।

नई दिल्ली, 9 मई। कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा एक दिन पहले किए गए दावे को चुनौती दी है। जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के शीर्ष दो उद्योगपति अडाणी व अंबानी कांग्रेस को काले धन के बोरे टैम्पो में भरकर भेज रहे हैं। पार्टी की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह कहने का साहस तो किया कि उनके खुद के मित्र भ्रष्टाचार में शामिल है और वो कांग्रेस को भारतीय रुपयों के बंडल टैम्पों में भरकर भेज रहे हैं। श्रीनेत ने एक प्रेस कार्यक्रम में जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री के अधीन सभी जांच एजेन्सियां हैं जिन्हें वे मामले की जांच करने का आदेश दे सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘देश की जनसंख्या में 1950 व 2015 के बीच मुसलमानों की आबादी में 41.5 प्रतिशत वृद्धि हुई’

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति ने एक रिपोर्ट जारी कर यह दावा किया

- समिति ने देश की जनसंख्या के बारे में कई और महत्वपूर्ण निष्कर्ष भी पेश किये।
- पर, सबसे ज्यादा यह सवाल उठाया जा रहा है कि, लोकसभा चुनाव के बीच यह रिपोर्ट जारी करना, हिन्दू-मुस्लिम दुराव को और बढ़ावा देने का प्रयास तो नहीं?

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। लोकसभा चुनावों के शेष चार चरणों के दौरान साम्प्रदायिक उन्माद बनाए रखने की एक हताशापूर्ण कोशिश के तहत प्रधानमंत्री की इकोनॉमिक काउन्सिल ने मीडिया में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें दावा किया गया है कि भारत में वर्ष 1950 से वर्ष 2015 के बीच हिन्दुओं की आबादी 7.82 प्रतिशत घटी, जबकि मुस्लिमों की आबादी में 41.15 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

हालिया रिपोर्ट (पेपर) को जारी करने का समय इस कदम के इरादों और उद्देश्यों पर कई सवाल खड़े करता है। पेपर में सुझाया गया है कि देश में विविधता के पोषित का कोई सकारात्मक माहौल नहीं है।

वर्तमान में जारी लोकसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया के बीच इस पेपर को सार्वजनिक किए जाने से स्पष्ट हो गया है कि इसका वास्तविक उद्देश्य सार्वजनिक चर्चाओं में हिन्दू-मुस्लिम विषय को जीवंत बनाए रखना है।

“शेयर ऑफ रिलीज़ंस माइनॉरिटीज़ : ए क्रॉस कंट्री एनालैसिस (1950-2015)” शीर्षक वाले इस पेपर में आगे कहा गया है कि “वर्ष 1950 से 2015 के बीच बहुसंख्यक हिन्दुओं की आबादी 7.82 प्रतिशत घटी (84.68 प्रतिशत से 78.06 प्रतिशत।)। वर्ष 1950 में मुस्लिम आबादी का शेयर 9.84 प्रतिशत था जो वर्ष 2015 में 14.09 प्रतिशत तक बढ़ गया।” यह उनकी आबादी के शेयर में 43.15 प्रतिशत बढ़ोतरी थी।

पेपर के अनुसार, इस दौरान ईसाईयों की आबादी 2.24 से 2.36 प्रतिशत तक बढ़ी, यानि कि वर्ष 1950 और वर्ष 2015 के बीच उनकी आबादी का शेयर 5.38 प्रतिशत बढ़ा।

सिखों की आबादी इस दौरान 1.24 प्रतिशत से 1.85 प्रतिशत बढ़ी जो कुल आबादी में उनके शेयर की 6.58 वृद्धि थी। भारत की पारसी आबादी में 85 प्रतिशत की भारी कमी आई। वर्ष 1950 में आबादी में उनका शेयर 0.03 प्रतिशत था जा वर्ष 2015 में 0.004 हो गया।

पेपर में कहा गया कि उसके डेटा संकेत देते हैं कि समाज में विविधता को पोषित करने के लिए सकारात्मक वातावरण है, लेकिन यह भी कहा गया है कि समाज के वंचित वर्गों को किसी ऊर्ध्वगामी सहारे के बिना बेहतर जीवन देना संभव नहीं है।

पेपर में ध्यान दिलाया गया कि बहुसंख्यक आबादी के शेयर में कमी और अल्पसंख्यकों की आबादी के शेयर में हुई बढ़ोतरी से यह पता चलता है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी का चुनावी फोकस बिहार व महाराष्ट्र पर है

- पर, उल्लेखनीय बात यह है कि, दोनों राज्यों में प्र.मंत्री का फोकस रैली व आम सभा कि दृष्टि से गठबंधन की साथी पार्टियों की सीटों पर है।
- बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जद (यू), चिराग पासवान की पार्टी एल.जे.पी. तथा जीतन राम मांझी की पार्टी एच.ए.एम. की सीटों पर मोदी सघन प्रचार करेंगे।
- इसी प्रकार महाराष्ट्र में प्र.मंत्री गठबंधन की घटक पार्टियों की छः सीटों पर रैली व आम सभाएं करेंगे। पर, अजीत पवार की पार्टी और शिव सेना (शिंदे) की सीटें अभी तक मोदी जी के अभियान से अछूती रही हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। महाराष्ट्र और बिहार जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में, जिन सीटों से भाजपा खुद चुनाव लड़ रही है, वह उन सीटों पर जीतने के प्रति आश्वस्त नज़र आ रही है लेकिन, इन दोनों राज्यों में अपने गठबंधन साथियों की जीत पर उसको उतना विश्वास नहीं है। दोनों राज्यों में कुल मिलाकर 98 लोकसभा सीटे हैं।

वर्ष 2019 के चुनावों में नेशनल डैमोक्रेटिक एलायंस (एन.डी.ए.) ने, महाराष्ट्र में 48 में से 41 सीटें और बिहार में 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। सत्तारुढ़ गठबंधन शायद इस संख्या को कायम न रख सके, इस चिंता के कारण, इन दोनों राज्यों में, अगले कुछ दिनों के लिए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक आक्रामक प्रचार अभियान को अंतिम रुप दे दिया गया है। यह दिलचस्प है कि, इन राज्यों में, प्रधानमंत्री अपना ध्यान उन चुनाव क्षेत्रों पर केन्द्रित करेंगे जहां से गठबंधन साथियों के प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अभी तक महाराष्ट्र में 14 और बिहार में 6 रैलियां की हैं। यह संख्या अब बढ़ेगी क्योंकि वे अब महाराष्ट्र में 4 और बिहार में तीन और रैलियां करेंगे।

बिहार में अगले सोमवार तक उनकी कुल 9 जनसभाएं होंगी इनमें से पांच जनसभाएं उन सीटों पर होंगी जहां से भाजपा के गठबंधन सहयोगी, नीतीश कुमार की जदयू, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (एल.जे.पी.) और जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (एच.ए.एम.) चुनाव लड़ रही हैं।

महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री ने अभी तक चार सभाओं को संबोधित किया है, जहां से गठबंधन प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। अभी उनको दो और सीटें, नासिक और कल्याण, जहां से भाजपा के सहयोगी चुनाव लड़ रहे हैं, में सभाओं को संबोधित करना है। अजीत पवार की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) प्रधानमंत्री के “ऑरबिट” से किसी कारणवश बाहर रह गई है क्योंकि, मोदी ने अभी तक किसी एन.सी.पी. प्रत्याशी के लिए प्रचार नहीं किया है।

भाजपा, अपने दम पर, महाराष्ट्र में 27 सीटों पर और बिहार में 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भाजपा के लिए जदयू, बिहार की कमज़ोर कड़ी लगती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी और राहुल गांधी सार्वजनिक बहस के लिए आमंत्रित

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- यह आमंत्रण सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस मदन बी. लोकुर, ए.पी. शाह और पत्रकार एन. राम ने भेजा है।

नई दिल्ली, 9 मई। जनता को जागरूक रखने को लेकर एक गंभीर पहल के तहत सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मदन बी. लोकुर, ए.पी. शाह और पत्रकार एन. राम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव 2024 पर एक सार्वजनिक बहस के लिए आमंत्रित किया है। अपने आमंत्रण में इन लोगों ने कहा है कि जनता ने सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष के सिर्फ आरोपों और चुनौतियों के बारे में सुना है, लेकिन उसने इन दोनों की कोई “अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया” नहीं सुनी है।

जस्टिस लोकुर, जस्टिस शाह और पत्रकार एन. राम द्वारा लिखे गए पत्र में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी मतदान के बावजूद बंगाल में वोटर मुखरित नहीं है, अपनी राय बताने के बारे में

- पर, तृणमूल कांग्रेस का, संदेशखाली में “मास रेप” व महिलाओं की पिटाई की बात को पूर्णतया झूठा व कपोत कल्पित साबित करने का प्रयास जनता के गले नहीं उतर रहा है।
- इसी प्रकार राजभवन की एक महिला कर्मचारी द्वारा गवर्नर पर बलात्कार का आरोप भी मुसीबत पैदा कर रहा है, तृणमूल पार्टी के लिये।
- राज्यपाल ने अपनी केरल यात्रा से लौटकर, राजभवन के सी.सी.टी.वी. के कवरेज का रिकॉर्ड अपने कब्जे में किया तथा शहर के सभ्रांत व प्रभावशाली लोगों को दिखाया और अपनी जिंदादिली साबित की।
- राज्यपाल ने राज्य की पुलिस की ही नहीं, मंत्रियों की एंट्री भी बंद कर दी राजभवन में।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। ममता बनर्जी एक शक्तिशाली नेता हैं, लेकिन वह वर्तमान में अपने पूरे दमखम के साथ तृणमूल कांग्रेस की खराब छवि को उज्ज्वल बनाने में लगी हैं।

ममता बनर्जी के बंगाल में उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) स्कूल की नौकरियों के घोटाले, राशन वितरण घोटाले और संदेशखाली की घटना पर आए कोर्ट के विपरीत फैसलों के बाद अपनी छवि बदलने की कोशिश कर रही है। कोर्ट के फैसलों ने बड़े पैमाने पर भूमि कब्जों, धन ऐंठने और बलात्कार के आरोपों को उजागर किया है।

तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की पत्नी ने स्थानीय पुलिस से शिकायत की है कि उसे एक खाली कागज पर अपने हस्ताक्षर करने के लिए दिया गया जिसके बाद उस पेपर पर रेप की शिकायत लिखकर स्थानीय पुलिस में दर्ज करायी गई। तृणमूल कांग्रेस इस कथित झूठे आरोप को लेकर हल्ला कर रही है।

भाजपा नेता अब यह कह रहे हैं कि घटनाएं एक लम्बे अर्से पहले हुई, जब भाजपा के कार्यकता या नेता संदेशखाली के दूरस्थ एवं पृथक इलाके में घुस भी नहीं पाते थे। वे एक स्थानीय महिला पर शिकायत लिखने का दबाव कैसे बना सकते हैं। एक अकेली महिला भ्रामक शिकायत दर्ज करा सकती है, लेकिन उन हजारों महिलाओं के लिए आप क्या कहेंगे जिन्होंने लगातार हो रहे उत्पीड़न और निरंतर दी जा रही धमकियों के विरोध में जुलूस निकाला था। उन्होंने तृणमूल के गुण्डों के खिलाफ मारपीट और हत्याओं की शिकायत की थी।

एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) अधिकारी जब तृणमूल नेता शेख शाहजहाँ से बात करने संदेशखाली में उसके घर गए थे, तब उन्हें अपनी जान बचाने के लिए वहां से तुरन्त ही भागना पड़ा था। उसके बाद शेख शाहजहाँ और उसके साथी गिरफ्तार किए गए तथा अब वे हवालात में हैं।

संदेशखाली में किसी भी राजनीतिक पार्टी के नेता के लिए प्रवेश संभव नहीं था। इस पर कई सच व झूठ हैं। संदेशखाली में हुई घटनाओं से ममता बनर्जी इन्कार कर रही हैं और उन घटनाओं के प्रमाण मांग रही है जिन्होंने लोगों को आंदोलन के लिए उकसाया। ममता की यह बात शायद जनता के गले नहीं उतरेगी।

दूसरी तरफ कुछ समय पहले की बात है बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनन्द बोस के राजभवन में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी ने स्थानीय पुलिस को एक शिकायत दर्ज कराई थी उस पर यौन हमला किया गया था। उस महिला से प्राप्त रिपोर्ट के बाद तत्काल कार्यवाही करते हुए राज्य की पुलिस हरकत में आ गई थी और राजभवन मे मामले की जाँच करने पहुँच गई थी।

शिकायत दर्ज कराने के बाद अगले दिन राज्यपाल बोस को केरल उनके गृह प्रदेश में जाना था, जो कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गए थे।

अपनी संक्षिप्त यात्रा से वापस लौटने के बाद राज्यपाल ने कुछ सी.सी.टी.वी. फुटेज जारी करने की धमकी दी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राम मंदिर के दर्शन किये

- राज्यपाल आरिफ मोहम्मद की शुक्रवार को कुछ तस्वीरें सामने आईं हैं, जिनमें वो रामलला के समक्ष शीश झुकाकर प्रार्थना कर रहे हैं।

अयोध्या, 9 मई। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को अयोध्या के राम मंदिर में गए और वहां भगवान राम के समक्ष शीश नवाया और प्रार्थना की। 22 जनवरी को उत्तर प्रदेश स्थित मंदिर में रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ था।

उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत देश-दुनिया के हजारों गणमान्य मौजूद रहे थे। बुधवार दोपहर अयोध्या पहुंचे खान ने राम जन्मभूमि पर बने राम मंदिर में गए और विशेष प्रार्थना की तथा भगवान राम के सामने शीश नवाया।

“इशु लैस” चुनाव ने सभी को डरा रखा है, चाहे वो राजनीतिज्ञ हों, या पत्रकार, या अफसर!

सभी को डर है कि, अब तक प्रचलित कई राजनैतिक धारणाएं व किंवदंतियां नेस्ताबूद हो सकती हैं, लोकसभा चुनाव के नतीजों से

- इस चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी के लिए भी वो उन्माद व उत्साह नहीं दिखा जो 2014 व 2019 के चुनावों में दिखा था। यही नहीं, राम मंदिर के मुद्दे पर भी कोई उन्माद नहीं दिखा।
- पर, सबसे बड़ी बात यह रही कि, एंटी मोदी या एंटी भाजपा लहर भी नज़र नहीं आई। राहुल गांधी के तमाम प्रयासों के बाद भी इंडिया गठबंधन वैसा “नैरेटिव” तैयार नहीं कर सका जो जनता में लहर पैदा कर देता।
- यही वजह है कि, मतदान के प्रति भारी उदासीनता देखी गई। यही नहीं, विधानसभा चुनावों में गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस के प्रति जो भारी नाराज़गी थी वह भी हल्की पड़ती दिखी।
- फिर भी गहलोत को एक बात का डर है कि, अगर भाजपा को सभी 25 सीटें मिली तो कभी गहलोत समर्थक रहे नेता भाजपा के समक्ष अपने नम्बर बढ़वाने के लिए मुंह खोलने लगेंगे और फिर भ्रष्टाचार के कई कांड उजागर होंगे। फोन टैपिंग, पेपर लीक, किडनी ट्रांसप्लांट जैसे कई प्रकरण हैं, जिन पर गहलोत को लपेटा जा सकता है।

-विशेष प्रतिनिधि द्वारा-

जयपुर, 9 मई। पिछले विधानसभा चुनाव में “इशू” स्पष्ट था, ऊपर से शुरु होकर ज़मीनी स्तर पर फैला सरकारी “करप्शन” (भ्रष्टाचार)। इस भ्रष्टाचार को स्वीकार करने को कोई तैयार नहीं था, चाहे मु.मंत्री हो या विधायक, या फिर तहसीलदार, पटवारी या मुख्य सचिव स्तर के उच्चतम अधिकारी। बड़ा भ्रष्टाचार, एक सामान्य आदमी की ज़िंदगी को शायद सीधा प्रभावित नहीं करता, जैसे बोफोर्स तोपों की खरीद। परंतु पटवारी, थानेदार आदि, तहसील व उनसे भी छोटे स्तर के प्रशासनिक अधिकारी का भ्रष्टाचार एक आदमी को ज़िंदगी को रोज छूता है व अपने घाव छोड़ता है। धीमी आँच की तरह सामान्य आदमी को अन्दर ही अन्दर झुलसाता रहता है और चुनाव के समय लावा की तरह फूटकर निकलता है। आम आदमी का यह आक्रोश गहलोत सरकार को ले बैठेगा, यह साफ दिख रहा था। चाहे तत्कालीन मु.मंत्री ने बेइन्तहा पैसा खर्च किया, उस चुनाव में अपनी “इमेज” बनाने के लिये तथा, “इमेज” बनाने वाले विशेषज्ञों, जैसे डिज़ाइन बॉक्स आदि को खुली छूट दी, उनके छवि सुधार अभियान की रणनीति बनाने में और उसे क्रियान्वित करवाने में।

पर, वर्तमान लोकसभा चुनाव में न प्र.मंत्री मोदी के लिये वो उन्माद भरा उत्साह है, जो 2013 व 2019 में साफ दिखता था, ना ही ऐसा उन्माद राम मंदिर के बारे में है। पर, दूसरी ओर यह भी सही है कि, “एन्टी मोदी”, या “एन्टी भाजपा” उन्माद या “सेन्टीमैंट” भी नज़र नहीं आ रहे हैं। क्योंकि, राहुल गांधी के अथक प्रयासों के बावजूद “इंडिया गठबंधन” कोई ऐसा “नैरेटिव” (कथानक) तैयार नहीं कर सका, जो जनता को झकझोर देता। एक ऐसा अतिरेक पैदा कर देता जो जनता को पोलिंग बूथ तक आने के लिये उत्साहित करता या मजबूर करता। उदासीनता के कारण, वोट डालने कुछ जनता आयी भी, कुछ नहीं भी आई।

यह गहलोत की खुशनसीबी है कि, जनता की स्मृति बहुत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिवकाशी की पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 8 की मौत

- मृतकों में पांच महिला श्रमिक भी शामिल हैं, हादसे में 12 अन्य घायल हुए।

चेन्नई, 9 मई। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में गुरुवार को एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट में पांच महिलाओं सहित आठ श्रमिकों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए।

हादसा शिवकाशी के पास सेंगामालापट्टी गांव में श्री सुदर्शन फायरवर्क्स में हुआ। सरवनन के स्वामित्व वाली इकाई में 40 से अधिक वर्किंग शेड हैं।

गुरुवार दोपहर जब कर्मचारी वर्किंग शेड में फैंसी किस्म के पटाखे बना रहे थे, तभी घर्षण के कारण विस्फोट हो गया। आग आसपास के शेडों में फैल गई। सूचना मिलने पर अग्निशमन और बचाव सेवा कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

घायलों को शिवकाशी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

अल्पसंख्यक कौन? आरक्षण किसके लिये? और भारतीय संविधान क्या कहता है?

वर्तमान में भारत की संसद (लोक सभा) के चुनाव सात चरणों में प्रारम्भ हो चुके हैं। दिनांक 04.06.2024 के परिणाम आवेंगे। भारत के संविधान और उसके तहत् बनाये गये कानूनों के अनुसार चुनाव होंगे। जिस राजनीतिक पार्टी व उसके घटक दलों के संसद सदस्य बहुमत में होंगे वे देश की सरकार को संविधान के अनुसार संचालित करेंगे। लोकतंत्र के इस महामेले में मुख्य कलाकार हैं भाजपा व उसके घटक दल बनाम कांग्रेस व उसके घटक दल आदि। सभी मुख्य राजनीतिक पार्टियों ने अपने-अपने चुनाव मैनिफेस्टो (घोषणा पत्र) जारी कर दिये हैं और दिल खोलकर धन व सुविधायें मतदाताओं पर न्यौछावर कर दी हैं। बिना सोचे-समझे कि यह राशि कहां से आयेगी। चुनाव मुख्यत: बेरोजगारी, नौकरी, गरीबी हटाओ, आरक्षण आदि विषयों पर लडे जा रहे हैं। राजनीति मुख्यत: इन्हीं मुद्दों पर केन्द्रित हो गई है। कांग्रेस का विशेषकर नेता राहुल जी का आरोप है कि भाजपा संविधान ही बदलना चाहती है यानी समाप्त कर नया संविधान बनाना चाहती है। कांग्रेस का दूसरा आरोप है भाजपा आरक्षण समाप्त करना चाहती है। इसके सहारे कांग्रेस, एससी, एसटी व ओबीसी के मतों को अपनी ओर करना चाहती है।

देश का दुर्भाग्य है कि केन्द्र में जो भी सरकार आई चाहे वह कांग्रेस की हो अथवा भाजपा की उसने खुले रूप में अपनी मेजोरिटी का बेजा फायदा उठाया और संविधान का अपमान किया। संविधान में संशोधन किये गये हैं उनमें कई ऐसे संशोधन हैं जो संविधान के Basic Structure (मूल ढाँचे) के विपरीत है। अनुच्छेद 45 व अनुच्छेद 334 इसके उदाहरण हैं।

कांग्रेस व भाजपा दोनों ही किसी न किसी रूप में जाति व धर्म के नाम पर मतदान चाह रहे हैं। यह एक-दूसरे के विरूद्ध उनका आरोप है। भाजपा ने कांग्रेस को चेतावनी दी है कि वे धर्म के नाम पर मुस्लिम मतों का आरक्षण न करें। उन्हें वोट बैंक न समझें। संविधान दोनों को समान अधिकार देता है वस्तुत: भाजपा कहती है कि उसका कथन मुस्लिम विरोधी नहीं है, अपितु कांग्रेस के तुष्टीकरण के व्यवहार के प्रति है। पीएम मोदी ने राहुल के बयान पर पलटवार करते हुये कहा, 'कांग्रेस आरक्षण से छेडछाड इसलिये कर रही है, क्योंकि वह धर्म के नाम पर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। आरक्षण क्या है, संविधान निर्माताओं ने इसकी आवश्यकता क्यों कर समझी? संविधान का अध्ययन करने पर स्पष्ट होगा कि सामाजिक विषमता के कारण दलितों को आरक्षण दिया गया, इससे जाति व धर्म का कोई संबंध नहीं है। यों भी अनुच्छेद 15 में धर्म, जाति के आधार पर विभेद का प्रतिषेध है। देश धर्म निरपेक्ष है और धर्म के मामलों में प्रत्येक नागरिक को मूल अधिकार की स्वतंत्रता है। दलितों और पिछडों के लिये शिक्षा व नौकरियों के अवसर ही समता होगा, इसका विशद विवेचन अनुच्छेद 16 में दिया है।

अल्पसंख्यक कौन हैं इसका उत्तर सरल है। बहुसंख्यक के विपरीत जो हैं वे अल्पसंख्यक हैं। अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थान चलाने का अधिकार है और अपनी संस्कृति के संरक्षण का मूल अधिकार भी है। संविधान के भाग 16 में लोकसभा में तथा विधान सभा में अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जन जातियों के विशेष आरक्षण के प्रावधान है। इस प्रकार के आरक्षण को राजनीतिक आरक्षण का नाम दिया जा सकता है। इस संबंध में अनुच्छेद 334 में स्पष्ट आदेशात्मक निर्देश दिये थे कि ये प्रावधान संविधान के लागू होने के दस वर्ष की अवधि के पश्चात् स्वत: ही प्रभावी नहीं रहेंगे। अनुच्छेद 334 में विधान सभा व संसद के लिये एसटी व एससी का आरक्षण है। यह केवल 10 साल के लिये था, किन्तु इसे प्रत्येक 10 के बाद बढ़ा दिया जाता है। जबकि 10 साल के बाद यह स्वत: ही समाप्त हो चुका था उसे 80 वर्ष तक कैसे माना जा सकता है।

टीएमपाई फाउण्डेशन के केस में 11 जजों की बडी पीठ ने यह निश्चित कर दिया कि अल्पसंख्यक की घोषणा का अधिकार राज्य सरकार का है। इस निर्णय में यह भी स्पष्ट कर दिया कि पंजाब में जहां सिख बहुसंख्यक हैं वहां हिन्दू अल्पसंख्यक है। उत्तर पूर्वी राज्यों में ईसाइयों की अपेक्षा हिन्दू अल्पसंख्यक है। सोचिये, क्या इस नियम के अनुसार कश्मीर में हिन्दू अल्पसंख्यक हैं?

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 में धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की बात कही है। अुनच्छेद 29 में अल्पसंख्यकों को भाषा, लिपि व संस्कृति के संरक्षण का अधिकार दिया है। जाति धर्म के आधार पर मण्डल कमीशन ने हिन्दू और अहिन्दू धार्मिक लोगों को दो वर्गों में बांट दिया। अहिन्दुओं में इन्द्रा साहनी के केस में मुस्लिम, बौद्ध, इसाई, जैन आदि को रखा गया। इसके विपरीत भारत सरकार सन् 1992 में माइनोरिटी कमीशन एक्ट लेकर आई, इसमें अल्पसंख्यक को यह कहकर परिभाषित किया कि अल्पसंख्यक वे हैं, जिन्हें भारत सरकार विज्ञप्ति जारी कर गजट में प्रकाशित करे। मुसलमानों को इस अधिनियम के तहत् अल्पसंख्यक घोषित किया। यह परिभाषा निरंकुश है और अवैध है। मुसलमानों तथा सिख, बौद्ध, ईसाईयों आदि को अल्पसंख्यक मानकर कई प्रकार की सौगातें उन्हें दी जा रही हैं। यहां इतना ही लिखना उचित होगा कि जैनों को 2003 में धार्मिक अल्पसंख्यक माना है।

देश की राजनीति में 1992 के उक्त एक्ट की अल्पसंख्यक की परिभाषा ने भूचाल पैदा कर दिया। हिन्दुओं और मुसलमानों को दो समूहों में बांट दिया। देश के लोगों में कटुता का बीज यहीं से बोया गया है। संविधान के अनुसार नागरिकों में कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता।

उपरोक्त विवेचन से यह स्पष्ट है कि आरक्षण का विषय सरकारी नौकरी व शिक्षण संस्थानों में सीटों से है। इस आरक्षण का आधार एदर्म्ट व्लूम (सामाजिक न्याय) है। अनुच्छेद 334 में जो आरक्षण है वह राजनीतिक आरक्षण है। इसके अतिरिक्त एक अन्य आरक्षण नेशनल माइनोरिटी एक्ट 1992 के तहत् है जिसे मुस्लिम बन्धु अपने को अल्पसंख्यक मानकर प्राप्त कर रहे हैं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 में धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की बात कही है। अुनच्छेद 29 में अल्पसंख्यकों को भाषा, लिपि व संस्कृति के संरक्षण का अधिकार दिया है। जाति धर्म के आधार पर मण्डल कमीशन ने हिन्दू और अहिन्दू धार्मिक लोगों को दो वर्गो में बांट दिया। अहिन्दुओं में इन्द्रा साहनी के केस में मुस्लिम, बौद्ध, इसाई, जैन आदि को रखा गया।

वर्तमान चुनावों में दो नारे कांग्रेस व संगठन INDIA के हैं। राहुल जी प्रत्येक चुनाव सभा में, जो देश के किसी भी कोने में हो ये दो नारों की गूंज सुनाई देती है। पहला नारा है मोदी सरकार आरक्षण समाप्त करना चाहती है तथा दूसरा है मोदी सरकार संविधान ही समाप्त करना चाहती है।

राहुल जी कहते हैं, 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा समाप्त की जावे। जातियों की गणना होनी चाहिये। मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी सरकार धर्म के नाम पर आरक्षण के विरूद्ध है। उन्होंने तेलंगाना में जनसभा में कहा कि वे 'धर्म के आधार पर मुसलमानों को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व ओबीसी और अन्य समूहों को आरक्षण नहीं देने देंगे'। इसी बात को गृहमंत्री ने दोहराया और फेक वीडियो की निन्दा की। मोहन भागवत ने भी कहा कि संघ कभी भी आरक्षण का विरोधी नहीं रहा। जो सुविधा दलितों व वंचितों को संविधान ने दी हैं वे उन्हें मिलनी चाहिये। शाह ने असम में एक जनसभा में कहा कि यह कांग्रेस है जिसने एसी, एसटी, ओबीसी को उनके अधिकारों से वंचित किया है। शाह ने कहा कर्नाटक में ओबीसी की श्रेणी में मुसलमानों को डाला है। देश के न्यायालयों ने इसे अवैध माना है।

इन्द्रा साहनी के केस में स्पष्ट रूप से निर्णय हुआ है कि आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। ऊपर लिखा गया है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं किया गया है। एनडीए ने जो विभिन्न योजनायें जनहित में बनाई हैं उनके फलस्वरूप दलितों व पिछड़ों का Upliftment हुआ हैं। देश के लोग चाहते हैं कि जिन्हें आरक्षण मिला है, वे क्रिमीलेयर में आ चुके हैं। उन्हें आरक्षण का लाभ न मिले और यह लाभ बचे हुये दलित व अति दलित पिछडों को दिया जावे।

मोदी सरकार संविधान को खत्म नहीं कर सकते, क्योंकि यह संभव नहीं है। संविधान में संशोधन हो सकता है, किन्तु संविधान की मूल संरचना में कोई संशोधन नहीं हो सकता। संविधान की सात बुनियादी संरचना है, उनमें कोई संशोधन नहीं हो सकता। संविधान संशोधन की प्रक्रिया ही बहुत कठिन है।

उपरोक्त विवेचन से यह स्पष्ट हो जाता है कि झगडे की जड़ The National Minority Act, 1992 है, जिसमें अल्पसंख्यक को यह कहकर परिभाषित किया है कि अल्पसंख्यक वे हैं जिसे भारत सरकार गजट में विज्ञप्ति जारी कर बता दे। यह परिभाषा विवेकहीन है। देश धर्म निरपेक्ष है। अपने धर्म को मानने की सभी को पूर्ण स्वतंत्रता है। धर्म के नाम पर विभेद नहीं हो सकता।

देश के विभाजन के बाद, जो लोग भारत के नागरिक हुये वे सब समान है। हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, आदि सभी धर्म के लोगों को समान अधिकार हैं। हिन्दुओं में सामाजिक दृष्टि से पिछडे व दलित थे और कट्टर हिन्दू पंथियों के अहम् का शिकार रहे थे। उन्हें सामाजिक न्याय दिलाने के हेतु संविधान में प्रावधान रखे गये। आरक्षण की यही फिलोसफी थी। इन्द्रा साहनी केस में संविधान की वृहत पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जैसे-जैसे इन पिछडों का पिछडापन खत्म होगा। ये लोग क्रिमीलेयर में आने के कारण पिछडे नहीं रहेंगे। पिछडों में अब मंत्री भी हैं, पुलिस उच्च अधिकारी हैं, शिक्षक हैं, एडवोकेट हैं। सोचो, क्या उनका परिवार अभी भी आरक्षण प्राप्त करता रहेगा? आजादी के 75 साल बाद भी देश में दलित व पिछडे हैं यह शर्म की बात है। समय आ गया है जब देश की संसद को निर्णय लेना होगा कि वे कितने वर्ष और लेंगे इस पिछडेपन को समाप्त करने में?

देश का दुर्भाग्य है कि देश में किसी की भी सरकार रही हो, उसके संविधान की पालना कटिबद्धता के साथ नहीं की। निम्नलिखित कुछ प्रसंग इस लेख में दिये जा रहे हैं :-

(अ) देश में पिछड़ापन तो समाप्त हो रहा है, किन्तु इन्द्रा साहनी व एम नागराज के केस में निर्धारित क्रिमीलेयर के सिद्धान्त की पालना नहीं हो रही है।

(ब) अनुच्छेद 334 के अनुसार लोक सभा व विधान सभाओं के लिये कुछ सीटें एसटी व एससी के लिये आरक्षित की गई थीं। यह आरक्षण 10 वर्ष का था। समय की अवधि आदेशात्मक थी अर्थात् 10 वर्ष के पश्चात् यह प्रावधान प्रभावी नहीं रहेगा। जो भी सरकार आई उसने आंख बंद कर समय की सीमा को प्रत्येक 10 वर्ष बाद बढ़ाया और आज संविधान में 80 वर्ष की अवधि पढ़ने को मिलती है।

(स) संविधान के चेप्टर-IV में नीति निदेशन तत्व दिये हैं जो यह दर्शाते हैं कि हमें शीघ्र से शीघ्र देश को एक महान गणतंत्र बनाना था और यह कार्य तभी पूरा होता जब शिक्षा की अच्छी व्यवस्था होती, अत: संविधान के अनुच्छेद 45 में यह निर्देश दिया कि संविधान के लागू होने के 10 वर्ष की अवधि में प्रत्येक 14 वर्ष का बालक को अनिवार्य व नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करेंगे। इसका अर्थ था देश का प्रत्येक बालक 8वीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त 1960 तक प्राप्त करेगा; किन्तु जिस रूप में अनुच्छेद 45 व अनुच्छेद 21ए का संशोधन हुआ है, उसके परिणास्वरूप 6 वर्ष के बालक को आज नि:शुल्क व अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार नहीं है। फलस्वरूप आज भी संसद व विधान सभाओं में बिना पढ़े-लिखे व कम पढ़े लोग देश के लिये कानून बना रहे हैं। चुनावों में खड़ा होने के लिये शिक्षा की अनिवार्यता होनी चाहिये।

(द) संविधान में अनुच्छेद 35ए जोड़ा गया; किन्तु उसे राष्ट्रपति की आज्ञा से ही जोड़ दिया। जबकि संविधान में संशोधन की अलग से प्रक्रिया दी हुई है।

(य) संविधान में अनुच्छेद 51क के रूप में हमने नागरिकों के मूल कर्त्तव्यों की घोषणा की, किन्तु इस प्रावधान को प्रवर्तनीय नहीं बनाया।

उपरोक्त विषयों पर हमें चिन्तन व मनन करना होगा।

–अतिथि सम्पादक
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

भगवान परशुराम

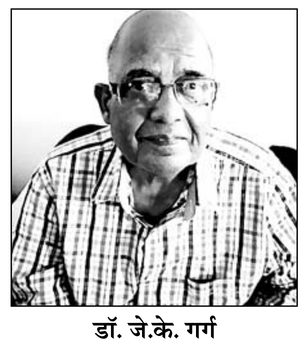

डॉ. जे.के. गर्ग

महर्षि जमदग्नि आध्यात्मिक उपलब्धियों के स्वामी थे जिन्हें आग पर नियंत्रण पाने व उनकी पत्नी रेणुका को पानी पर नियंत्रण पाने का वरदान था। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महर्षि भृगु के पुत्र महर्षि जमदग्नि ने पुत्र प्राप्ति हेतु देवराज इन्द्र को प्रसन्न करने के लिये पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। देवराज इन्द्र के वरदान के फलस्वरूप महर्षि जमदग्नि की पत्नी रेणुका के गर्भ से वैशाख शुक्ल तृतीया को मध्यप्रदेश ग्राम मानपुर (इंदौर जिला) में एक अद्भुत प्रतिभाशाली पुत्र का जन्म हुआ जो कालांतर में भगवान परशुराम के नाम से विख्यात हुए। भगवान परशुराम को अमर रहने का वरदान मिला था और यह भी कहा जाता है कि वे आज भी हमारे बीच मौजूद हैं तथा कलियुग के अंत में वे विष्णु के दसवें अवतार के रूप में जन्म लेंगे।

परशुराम गायत्री मंत्र का विधि पूर्वक जाप करने से मनुष्य को अपने दुखों से छुटकारा मिलता है और कठिनाइयों से लड़ने के लिए साहस का संचार होता है। सनातन धर्म में परशुराम के बारे में माना जाता है कि वे त्रेतायुग और द्वापर युग से अमर हैं। परशुराम जी के जन्म के एवं जन्मस्थान के पीछे कई मान्यताएं एवं अनसुलझे सवाल है। परशुराम जी ने शिवजी को प्रसन्न करने के लिये अनेक बार तपस्या पूजा-अर्चना की थी। शिवजी ने परशुराम को वरदान देते हुए कहा कि परशुराम का जन्म धरती के राक्षसों का नाश करने के लिए हुआ है। इसलिए भगवान शिव ने परशुराम को, देवताओं के सभी शत्रु, दैत्य, राक्षस तथा दानवों को मारने में सक्षमता का वरदान दिया। हिन्दू धर्म में विश्वास रखने वाले अनेक ज्ञानी, पंडितों के मतानुसार धरती पर रहने वालों में परशुराम और रावण के पुत्र इंद्रजीत को ही सबसे खतरनाक, अद्वितीय और शक्तिशाली अस्त्र-ब्रह्मांड अस्त्र, वैष्णव अस्त्र तथा पशुपति अस्त्र प्राप्त थे।

दो शब्दों से मिलकर बना हुआ है : परशु अर्थात कुल्हाड़ी तथा राम, इन दो शब्दों को मिलाने पर कुल्हाड़ी के साथ राम अर्थ निकलता है। जैसे– राम, भगवान विष्णु के अवतार हैं। उसी प्रकार परशुराम भी विष्णु के अवतार हैं। भगवान राम ने सीता स्वयंवर के समय राजा जनक की शर्त की अनुपालन में भगवान शिव के धनुष को तोड़ दिया और उनका माता सीता के साथ विवाह हो गया। शिव धनुष के तोड़े जाने के समाचार को सुनकर शिव भक्त परशुराम अपना आपा खोकर क्रोधित होते हुवे राजा जनक की राज सभा पहुंचे। राज सभा में उनका लक्ष्मणजी के साथ वादविवाद हुआ और उनके मध्य लड़ाई की नोबत आ गई। मर्यादा पुरषोत्तम राम ने अत्यंत शालीनता के साथ उनसे बात करके उनके क्रोध को शांत किया। परशुराम को अपनी योग शक्ति से मालुम पड़ा कि उनके सामने भगवान विष्णु के अवतार भगवान राम खुद खड़े हैं। अपने इस अनुभूति की पुष्टि करने के लिये परशुराम ने विष्णु का प्रिय धनुष गांडीव भगवान राम को देते हुए उसको संधान करने को कहा। भगवान राम ने एक तीर प्रत्यंचा पर चढ़ाई और महर्षि परशुराम से कहा कि वे अब इस तीर को खाली नहीं छोड़ सकते। वे बताएं कि वे इसे किस पर चलाये। तब परशुराम जी ने भगवान राम से आग्रह किया कि वे उस तीर के माध्यम से उनके अहंकार को नष्ट करने की कृपा करें। इसके बाद परशुराम जी प्रसन्न मन से महेन्द्र पर्वत पर निवास करने के लिये चले गये। धार्मिक मान्यता है कि भगवान परशुराम जी को अमरता का वरदान प्राप्त है और आज भी वे उसी महेन्द्र पर्वत पर निवास करते हैं।

स्मरणीय है कि मार्शल आर्ट के संस्थापक भगवान परशुराम ही थे। कलरीपायट्टु कलरीपायट्टु भगवान परशुराम द्वारा प्रदान की गई शस्त्र विद्या है जिसे आज के युग में मार्शल आर्ट के नाम से जाना जाता है। दक्षिण भारत में आज भी मार्शल आर्ट प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि ज़ैन बौद्ध धर्म के संस्थापक बोधिधर्म को भी इस प्रकार की विद्या की जानकारी प्राप्त की थी व अपनी चीन यात्रा के दौरान उन्होंने विशेष रूप से बौद्ध धर्म को बढ़ावा देने के लिये इस मार्शलआर्ट का भी उपयोग किया था। आगे चलकर वहां के निवासियों ने इस आर्ट का मूल रूप से प्रयोग कर शाओलिन कुंग फू मार्शल आर्ट की कला विकसित की।

भगवान परशुराम मूल रूप से ब्राह्मण थे किंतु फिर भी उनमें शस्त्रों की अतिरिक्त जानकारी थी और इसी कारणवश उन्हें एक क्षत्रिय भी कहा जाता है। परशुराम जी ने गोरी पुत्र गणेश जी का दांत तोड़ डाला जिसकी वजह से गणेश जी एक दंत विनायक कहलाये। भगवान परशुराम शिव के प्रियतम भक्त थे भगवान शिव ने ही उनको शस्त्र विद्या प्रदान की थी। देवों के देव महादेव ने परशुराम की अद्‌भुत प्रतिभा को देख कर उनको अपना परशु दिया था। जिसके पश्चात उनका नाम परशुराम पड़ा। शिव से परशु को पाने के बाद समस्त दुनिया में ऐसा कोई नहीं था जो उन्हें युद्ध में पराजित कर सकें। मान्यताओं के मुताबिक़ कृष्ण के विराट स्वरूप को अर्जुन के अतिरिक्त तीन अन्य लोगों ने भी देखा था जिनमें एक परशुराम जी भी थे। परशुराम जी की शिक्षा-दीक्षा महर्षि विश्वामित्र एवं महर्षि ऋचीक के आश्रम में हुई थी। महर्षि ऋचीक ने परशुराम की योग्यता से प्रसन्न हो कर सारंग धनुष उपहार में दिया। परशुराम जी ने 21 बार इस पृथ्वी को क्षत्रियों से विहीन किया।

परशुराम जयंती हिन्दू पंचांग के वैशाख माह की शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाई जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन दिये गए पुण्य का प्रभाव कभी खत्म नहीं होता है। अक्षय तृतीया से त्रेता युग का आरंभ माना जाता है। मध्यकालीन समय के बाद जब से हिन्दू धर्म का पुनरुद्धार हुआ है, तब से परशुराम जयंती का महत्व और अधिक बढ़ गया है। इस दिन उपवास के साथ-साथ सर्व ब्राह्मण का जुलूस, सत्संग आयोजित किये जाते हैं। परशुराम जी की पूजा-अर्चना समस्त भारत में होती है। मान्यता अनुसार भारत के अधिकतर गांव परशुराम जी ने ही बसाए थे। उत्तर भारत से लेकर गोवा, केरल और तमिलनाडु तक परशुराम जी की आकर्षक मनमोहक प्रतिमाएं दिखाई देंगी।

परशुराम जयंती के दिन भव्य आकर्षक जुलूस, शोभायात्रा निकाली जाती हैं। परशुराम भगवान के नाम पर उनके मंदिरों में हवन-पूजन का आयोजन किया जाता है। सभी लोग पूजा में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं और दान आदि करते हैं। भगवान परशुराम के नाम पर जगह-जगह भंडारे का आयोजन होते हैं और सभी श्रद्धालु इस भोजन प्रसादी का लाभ उठाते हैं। कुछ लोग इस दिन उपवास रख कर परमात्मा से भगवान परशुराम की तरह पुत्र देने की प्रार्थना करते हैं। वराह पुराण के अनुसार परशुराम जी के जन्म दिन पर उपवास रखने एवं परशुराम पूजा-अर्चना करने से अगले जन्म में उनको राजा बनने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

–डॉ.जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

पानी की समस्या को लेकर परेशान ग्रामीण टंकी पर चढ़े

लूणी विधानसभा क्षेत्र के उत्तेसर में पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले के लूणी विधानसभा क्षेत्र के उत्तेसर में पानी की समस्या को लेकर परेशान ग्रामीणों ने अब धरना प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है।

पानी की मांग को लेकर ग्रामीण गांव में बनी पानी की टंकी पर चढ़ गए। इनमें कई महिलाएं भी शामिल है। सभी ने पानी की सप्लाई सुचारु करने की मांग की।

उत्तेसर पंचायत के सरपंच श्रवण कुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत के क्षेत्राधिकार में तीन गांव आते हैं। यहां पेयजल के विकट समस्या है। उत्तेसर गांव में पानी के लिए जलाशय बना हुआ है लेकिन यहां पर सात साल से पेयजल नहीं भरा गया है। इसके चलते गर्मियों के समय पानी के टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। गांव में पानी की लाइन भी बिछी हुई है लेकिन वहां भी पर्याप्त सप्लाई नहीं की जा रही है। 5000 घरों की आबादी वाले इस गांव में रहने वाले लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

■ ग्रामीणों के अनुसार गांव में बने जलाशय में करीब सात साल से पानी नहीं भरा गया है

उन्होंने बताया कि सरकारी स्तर पर 5000 की आबादी पर महज एक ही टैंकर भेजा जा रहा है। तीनों गांव में सिर्फ एक टैंकर भेजा जा रहा है जो अपर्याप्त है। गांव में पानी की टंकी बने हुए सात साल हो गए लेकिन अभी तक उसमें पानी नहीं भरा गया है। गर्मियों के इस मौसम में यहां रहने वाले लोगों के साथ ही पशु-पक्षी भी परेशान हो रहे हैं।

इतिहास में अनूठी है बीकानेर राज्य की स्थापना की कहानी

(537 वां स्थापना दिवस)

डॉ. दुलीचन्द मीणा

सूंटौ आ जद धर पर चालै,
खंख उडै बादळ रे रूप।
सूरज रो तप मंदौ पडज्या, ज्यूं गादीं सूं उतर्यां भूप।
पांख पंखेरू पड़ै टपाटप, टूटै जन जीवण री आस।
मानौ मौत धरा पर घूमै, करण चराचर रो चिरनास

उदयवीर शर्मा द्वारा रचित कविता 'सूंटौ' की उक्त पंक्तियाँ हिंदुस्तान के महा मरूस्थल में स्थित जांगल प्रदेश की तत्कालीन भौगोलिक परिस्थितियों को इंगित करती है जहां चंहुऔर रेत का समंदर तथा बूंद-बूंद पानी को तरसता मानव एवं जीव-जन्तु अपने अस्तित्व को बचाने के लिये विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों से मुकाबला कर रहे थे।

थार का मरूस्थल कभी समुन्द्र की लहरों से आह्लादित होता था इस क्षेत्र में मिलने वाले शंख, सीपी, बजरी, गुलगचिया, नमक, कोयला, दलदल इत्यादि से यह तथ्य प्रमाणित होता है। वेदो के अनुसार भी इस क्षेत्र में कभी सरस्वती एवं दृषद्वती नदी प्रवाहित होती थी। विलुप्त सरस्वती नदी के अवशेष इस क्षेत्र में घग्घर नदी में मिलते है। इस क्षेत्र में प्राचीनकालीन सभ्यता एवं संस्कृति के अवशेष रंगमहल, बडोपल, कालीबंगा क्षेत्रों में मिले है। सांख्य दर्शन के प्रणेता कपिल मुनि ने कोलायत में अपनी माता देवहुति को ज्ञान दिया था। ऋषि दत्तात्रेय से दियातरा, च्यवन ऋषि से चांनी गांव तथा गुरू द्रोणाचार्य से छापर द्रोणपुर जाने जाते है। महाभारत काल में जांगल प्रदेश कुरू साम्राज्य का अंग था। यह प्रदेश बाद में शूद्रक, मोर्य, कुषाण एवं गुप्त साम्राज्य का हिस्सा रहा। इस क्षेत्र पर हर्षवर्धन के बाद यौद्धेय, सांखला (परमार), जोहिया, भाटियों एवं जाटो का अधिकार रहा। इन सभी पर विजय प्राप्त कर राव बीकाजी ने बीकानेर नामक एक अलग राज्य की स्थापना की।

राव बीका का जन्म जोधपुर के राजा राव जोधा की सांखली रानी नौरंगदे से 5 अगस्त 1438 को हुआ। एक दिन दरबार में बीकाजी एवं उसके चाचा कांधल जी आपस में वार्तालाप कर रहे थे, उनको देखकर राव जोधा ने व्यंगात्मक भाषा में पूछा कि, "आज चाचा-भतीजे क्या सलाह कर रहै है, क्या कोई नया ठिकाना जीतने की बात हो रही है?" कांधल ने उत्तर दिया कि, "आपके प्रताप से यह भी हो जायेगा।" उन दिनों जांगलू का नापा सांखला भी दरबार में आया हुआ था, क्योकि जांगलू प्रदेश पर बिलोचों के आक्रमण हो रहें थे जिससे कुछ सांखले उस स्थान को छोडकर अन्यत्र जा रहे थे। नापा सांखला ने राव जोधा को बताया कि, "यदि आप चाहो तो सरलता से वहां अधिकार किया जा सकता है!" राव जोधा को यह बात पंसद आई और उन्होने बीका और कांधल को नापा के साथ जाकर नया राज्य स्थापित करने की आज्ञा दे दी। तब बीका ने अपने चाचा कांधल, रूपा, मांडण, मंडला, नाथु भाईजोगा, पडिहार बेला, नापा सांखला इत्यादि अन्य राजपूतों के साथ जोधपुर से 30 सिंतबर 1465 को प्रस्थान किया इस अवसर पर बीका के साथ 100 घोडे एवं 500 राजपूत थे। बीका ने मण्डोर होते हुए गोरेजीभैरूजी की मूर्ति को साथ लेकर देशनोक पहुंचकर श्री करणी माता के दर्शन किये तथा मां करणी ने आर्शीवाद देते हुए कहा कि, "तेरा प्रताप जोधा से सवाया बढेगा बहुत से भूपति तेरे चाकर होंगे तथा साथ आये भैरूं जी की सेवा अच्छी तरह करना!"

उसके बाद बीकाजी चांडासर चले गये जहां वे 3 वर्ष निवास कर पुन: देशनोक आ गये जहां 6 वर्ष निवास कर कोडमदेसर गये। वहां तालाब के किनारे श्री गोरेजीभैरूजी की मूर्ति पधराई एवं स्वयम् को राजा घोषित किया उसके पश्चात जांगलू पहुंच कर 84 गांवो को अपने अधीन किया । श्री करणी जी के आदेश से बीकाजी ने पुगल के राव शेखा की पुत्री रंगकुवंरी के साथ विवाह किया। राव बीका ने शुभ शगुन देखकर राती घाटी पर श्री करणी माता के हाथो से किले की नींव रखवाई तथा विक्रम संवत 1545 बैसाख सुदि दूज 12.4.1488 को किले के पास बीकानेर नगर बसाया।

कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक दृष्टि से बीकानेर की एक समृद्ध परंपरा रही है। महाराजा अनूप सिंह साहित्य के बडे संरक्षक थें जिन्होने अनूप संस्कृत लाइब्रेरी की स्थापना की। राजकवि पृथ्वीराज जी डिंगल भाषा के कवि थे जिन्होने वेलि कृष्ण रूकमणी री की रचना की। महाराजा गंगा सिंह जी ने इटली के विद्वान एलपी तैस्तोरी को राजस्थानी भाषा, व्याकरण एवं साहित्य को समृद्ध करने के लिये नियुक्त किया। अगरचंद नाहटा, डॉ विधाधर, सूर्यकरण पारिक एवं श्री गिरधारी सिंह राजस्थानी साहित्य के प्रमुख विद्वान रहें है। बीकानेर रियासत में धार्मिक दृष्टि से श्री करणी माता का मंदिर, पर्यावरण एवं जीव रक्षक विश्नोई संप्रदाय के संस्थापक संत श्री जाम्भौ जी महाराज, श्री जसनाथ जी, श्री गोगाजी, लक्ष्मीनाथ जी का मंदिर, जैन भाण्डेश्वर मंदिर प्रमुख है। चित्रकला की मथेरण कला एवं उस्ता कला, संगीत की माण्डराग में अल्लाहजिलाईबाई एवं पदमश्री अली-घनी, स्थापत्य कला में दुलमेरा के लाल पत्थर की कारीगरी से निर्मित हवेलिंयॉ, छतरिया एवं झरोखे, मूर्ति कला में पल्लू से प्राप्त बारहवीं सदी की विद्या के देवी सरस्वती की मूर्ति, नाट्य कला में रम्मत नाट्य प्रमुख स्थान रखते है। बीकानेर ऊंट, मिठाई, स्त्री के सोना गहना, सेठ साहुकारों के लिये प्रसिद्ध है। यहां के व्यापारियों ने विपरित भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद देश-विदेश में बीकानेर का नाम रोशन किया है। इन विपरित भौगोलिक परिस्थितियों ने रेगीस्तान के आदमी को साहसी, मेहनती, झुझारू, संधर्षशील, धैर्यवान एवं सृजनशील बनाया। सामान्यत: शहरीकरण नदी एवं नहरों के किनारे होता था लेकिन यहां के शासकों ने मरूस्थल में श्री डूंगरगढ, अनुपगढ एवं श्रीगंगानगर जैसे शहर बसा कर शहरीकरण की दिशा में नये आयाम स्थापित कियें। महाराजा श्री गंगासिंह जी बीकानेर रियासत में 26.10.1927 को मरूस्थल में गंगनहर का निर्माण कार्य पूरा करवाकर आधुनिक भारत के भागीरथ बने जिसकी प्रेरणा से बाद में राजस्थान नहर परियोजना का निर्माण हुआ जो इस रेतीले मरूस्थल के लिये जीवन दायिनी है।

–डॉ. दुलीचंद मीणा,
आरएएस

राशिफल शुक्रवार 10 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, रोहिणी नक्षत्र दिन 10:47 तक, अतिगंड योग दिन 12:06 तक, तैतिल करण दिन 3:34 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:26 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 10:47 तक है। राजयोग दिन 10:47 से रात्रि 2:51 तक है। रवियोग दिन 10:47 से आरम्भ होगा। आज बुध मेष राशि में सांय 6:43 पर प्रवेश करेगा। आज अक्षया तीज (स्वयं सिद्ध अबूझ मुर्हूत) है। आज अक्षया तृतीया, श्री परशुराम जयन्ती, त्रेतायुगादि, कल्पादि, रोहिणी व्रत है। आज से जिलफान मु.मास 11 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:25 तक, लाभ-अमृत 7:25 से 10:44 तक, शुभ 12:23 से 2:02 तक, चर 5:46 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:46, सूर्यास्त 7:00

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यश्क कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। धन हानि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

कर्क
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

मकर
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा।

कुंभ
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

परशुराम जन्मोत्सव पर प्रभात फेरी निकाली

चूरू, (कासं)। स्थानीय अग्रसेन नगर में परशुराम जन्मोत्सव पूर्व दिवसीय भोर में सुबह 5 बजे से प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रभात फेरी पंडित जनार्दनाचार्य एवं अग्रसेन नगर विकास समिति के अध्यक्ष मदनलाल राजपुरोहित के नेतृत्व में निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं पुरुष हाथ में पताका लिए जयकारों के साथ शामिल हुए।

इस अवसर पर जनार्दनाचार्य ने कहा कि मानव कल्याण के लिए महापुरुषों के नाम संकीर्तन सहित प्रभात फेरी नितांत आवश्यक है। जिससे हरेक व्यक्ति आज के आधुनिकता से प्रभावित न हो। इस अवसर पर सर्वप्रथम अग्रसेन स्थित राधा कृष्ण भगवान के मंदिर से भगवान् परशुराम के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन करके मुख्य मार्गों से होते हुए घर-घर के आगे यह प्रभात फेरी नाचते गाते भजन कीर्तन के साथ पहुंची, जहां पर जगह-जगह लोगों ने प्रभात फेरी पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

प्रभात फेरी में धर्म पाल सिंह, परमेश्वर लाल नवाल, कैलाश नवहाल, हुकमी चंद्र गौड़, प्रेम प्रकाश चतुर्वेदी, सजन लाटा, पुनीत लाटा, ओम प्रकाश इंदौरिया, वैध बनवारी लाल शर्मा, भूपेश शर्मा, पप्पू सोनी ने परिवार सहित अगुवाई कर स्वागत किया।

अघोषित बिजली कटौती व पानी की समस्या से ग्रामीण परेशान

सादुलपुर, (निसं)। सिद्धमुख में लंबे समय से पीने के पानी तथा अघोषित बिजली कटौती की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने गुरूवार को सरपंच महावीर प्रसाद जांगिड़ एवं पूर्व सरपंच रामकुमार सिहाग की अध्यक्षता में मीटिंग का आयोजन कर जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया। मीटिंग में पानी व बिजली के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें ग्रामीणों द्वारा अपने-अपने सुझाव दिए गए।

■ ग्रामीणों ने कहा समस्या को हल्के में ना ले वरना परिणाम गंभीर होंगे

पानी व बिजली की समस्या को लेकर सिद्धमुख में ग्रामीणों की बैठक आयोजित हुई।

ग्रामीणों ने कहा कि भीषण गर्मी में पीने के पानी की कमी के चलते ग्रामीण महंगे भाव से पानी के टैंकर डलवाकर प्यास बुझाने को मजबूर हो रहे हैं। मीटिंग में ग्रामीणों द्वारा कई प्रस्ताव लिए। जिसमें आपणी योजना कमेटी का प्रस्ताव भी ग्रामीणों द्वारा लिया गया। पीछे के हिसाब के बारे में भी चर्चा हुई। बिजली की अघोषित कटौती पर भी चर्चा की गई।

मीटिंग में पूर्व सरपंच सुनील इंदौरिया, प्रधान ढाका, सीताराम प्रजापत, बीडीसी मेंबर डॉ. संजय खुडिया, प्रकाश महला, शंकर चांदोरा, ओम प्रकाश जांगिड, पूर्व सरपंच खिन्नूराम किरोडीवाल, जगदीश रतिवाल, महेंद्र ज्याणी, ओम प्रकाश, नरेश महला, राकेश इंदौरिया, जितेंद्र ज्याणी, नूर मोहम्मद, हरि सिंह रणवा, नंदराम माहर, रामलाल रतिवाल सहित सैकडों की संख्या में ग्रामीण लोग मौजूद रहे। इसी दौरान आपणी योजना समिति का गठन किया। जिसमें ग्रामीणों द्वारा मीटिंग में सर्व सहमति से रामकिशन चंदोरा को अध्यक्ष चुना गया। कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश श्योराण, उपाध्यक्ष जयवीर महला, उपाध्यक्ष देवीलाल मेहरा, सचिन लालचंद शर्मा सहित के सदस्यों को भी मनोनीत किए गए। वहीं बैठक में समस्या से अवगत कराने के लिए कलेक्टर के नाम तहसीलदार को दिये ज्ञापन में बताया कि सिद्धमुख में पीने के पानी की सप्लाई कई दिनों से सुचारू रूप से नहीं हो रही है। बिजली की अघोषित कटौती लगातार बढती जा रही है। जिससे ग्रामवासियों में त्राहि त्राहि मची हुई है। ज्ञापन के माध्यम से चेतावनी दी गई है कि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो 7 दिनों के बाद धरना प्रदर्शन किया जाएगा तथा आंदोलन होगा तो उसकी जिम्मेदारी पूर्ण रूप से प्रशासन की होगी। ग्रामीणों ने मीटिंग में कहा हमारी बातों को अगर हल्के में लिया तो परिणाम बहुत बुरे होंगे। ग्रामवासी समस्याओं के समाधान के लिए तहसीलदार को ज्ञापन देने पहुंचे तो वहां पहुंचने पर पता चला कि तहसीलदार कार्यालय में नहीं हैं, कहीं और गए हुए हैं। इस बात से नाराज ग्रामीणों ने तहसीलदार के विरुद्ध नारे लगाए।

अल्पसंख्यक आवासीय स्कूलों में प्रवेश शुरू

सीकर, (निसं)। जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी सीकर रवि झाझडिया ने बताया कि जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय सीकर के अन्तर्गत संचालित राजकीय अल्पसंख्यक बालिका आवासीय विद्यालय सीकर में कक्षा 6 से 10 व राजकीय बालक आवासीय विद्यालय सीकर में कक्षा 6 से 9 एवं राजकीय अल्पसख्यक बालक आवासीय विद्यालय फतेहपुर में कक्षा 6 से 10 तक प्रवेश प्रक्रिया चालू है, जिसकी अन्तिम तिथि 15 जुलाई 2024 है।

प्रवेश के लिए पात्रता के लिये आवेदक राजस्थान का मूल निवासी हो, अल्पसंख्यक समुदाय का प्रमाण-पत्र, गत वर्ष की अंकतालिका, श्रेणी, वर्ग का प्रमाण-पत्र (विधवा, परित्यक्ता, बीपीएल, विकलांग, अनाथ आदि), आय प्रमाण-पत्र, (वार्षिक आय 8 लाख से कम एवं पै मैट्रीक्स-लेवल 11), आधार या जनआधार कार्ड आदि दस्तावेज आवश्यक है। उन्होंने बताया कि, आवासीय विद्यालय में राज्य सरकार द्वारा नि:शुल्क रहने, खाने, पढ़ने की सुविधा उपलब्ध है। इच्छुक विद्यार्थी अतिशीघ्र सम्पर्क करें, प्रवेश सीटे सीमित है। पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा।

सार-समाचार

बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलवाई

सीकर, (निसं.)। नवलगढ़ रोड़ स्थित नायक शिव धाम में नायक विकास सेवा समिति के अध्यक्ष विनोद नायक के नेतृत्व में बाल विवाह रोकथाम जागरुकता संगोष्ठी आयोजित की गई। 'बाल विवाह, जीवन तबाह' थीम पर आयोजित संगोष्ठी में नायक ने बालक, बालिकाओं के अभिभावकों को बाल विवाह से होने वाले दुष्प्रभाव की विस्तार से जानकारी देकर जागरुकता के पम्पलेट वितरित किए गये, ताकि आगामी अबूझ सावों में बाल विवाह पर रोकथाम लगाई जा सके। उन्होंने दहेज प्रथा, रुढ़िवादी, कुरीतियों को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के सदस्य बिहारी लाल बालाण, नायक सेवा समिति के नितिन नायक, विक्रम नायक, कृष्णम नायक आदि ने जागरुकता संगोष्ठी में भाग लिया।

परिंडे लगाने का अभियान शुरू

बीदासर, (निसं)। सिविल न्यायालय में न्यायिक मजिस्ट्रेट सरिता कायथ व अभिभाषक संघ के अध्यक्ष रघुवीर भामु के नेतृत्व में न्यायालय परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाने का अभियान शुरू किया गया। इस मौके पर न्यायिक मजिस्ट्रेट कायथ ने कहां कि, बेजुबानों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं हो सकता। इसलिए इस भीषण गर्मी में अपने-अपने घरों पर अथवा पेडों पर परिंडे लगाकर उनमें प्रतिदिन जल भरकर पक्षियों की सेवा करें। इस दौरान एडवोकेट दीनदयाल प्रजापत, महेश कुमार छापोला, अमरसिंह राठौड़, गोवर्धन सिंह, गोविंद जाखड़, वसीम कानूनीया, राजकुमार ढाका, रजत राज शर्मा सहित अनेक अधिवक्ता एवं न्यायालय के कर्मचारी मौजूद थे।

महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

चूरू, (कासं)। हिंदुवा सूरज वीर पराकर्मी योद्धा महाराणा प्रताप की 484वीं जन्म जयंती श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना जिला कार्यालय चूरू में स्कूली बच्चों के साथ पुष्प अर्पित कर मनाई गई। जिलाध्यक्ष चूरू प्रदीप सिंह ढाढर, जिला संयोजक पूर्ण सिंह चलकोई, संगठन महामंत्री विक्रम सिंह श्यामपुरा, अजय सिंह तंवर, उज्वल सिंह राठौड़, पंकज जांगिड़, सुरेन्द्र सैनी, महेश राठौड़ एवं सर्व समाज के बंधु उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष चूरू प्रदीप सिंह ढाढर ने कहा कि महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

शव की शिनाख्त नहीं होने पर अंतिम संस्कार किया

सादुलपुर, (निसं)। सांखू सादुलपुर सडक मार्ग पर पुल के पास रोही लम्बोर में रविवार सुबह को क्षत विक्षत हालात में मिले शव की शिनाख्त नहीं होने पर राजगढ थाना पुलिस ने अज्ञात मृतक के शव का नगरपालिका के सहयोग से अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

सब इन्सपेक्टर पप्पूराम ने कहा कि आज गुरूवार को भी मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। घटना की सूचना पर रविवार को राजगढ थाने से सब इन्सपेक्टर पप्पूराम मीणा मय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तथा क्षत विक्षत हालात में मिले शव को राजकीय रैफरल अस्पताल राजगढ की मोर्चरी में रखवाया था। जिसमें हालात यह है कि मृतक के दोनों हाथों को कुत्तों ने नोच रखा था तथा शव दो-तीन दिन पुराना लग रहा था। गौरतलब है कि इस संबन्ध में राजगढ थाने में दर्ज प्रकरण अनुसार करणीसिंह पुत्र फुलसिंह राजपुत उम्र 65 साल निवासी वार्ड संख्या-02 कस्बा राजगढ पुलिस थाना राजगढ जिला चूरू ने रिपोर्ट दी है कि वह चूरू रोड रेल्वे लाईन के पास रोही लम्बोर में स्थित खेत बदरूदीन निवासी कस्बा राजगढ का खेत काश्त करता है। 05 मई 2024 को सुबह 7.30 पर वह खेत सम्भालने गया था। तभी पडौसी विनोद कुम्हार निवासी राजगढ कस्बा के खेत में कुते भौंक रहे थे। जब वह विनोद के खेत में गया, जहां पर जाकर देखा तो खेत में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश पडी दिखाई दी तथा लाश के नजदीक जाकर देखा तो मृतक व्यक्ति सफेद रंग का कुर्ता पायजामा पहने हुए है, सिर पर रूमाल का मडासा बंधा हुआ है तथा पास में दवाई चप्पल पडी हुई थी। लाश 2-3 दिन पुरानी लगती है तथा लाश क्षत-विक्षत हालात में है। दर्ज मामले में बताया कि अज्ञात मृतक की उम्र करीबन 50 साल के लगभग लग रही है। जिस पर राजगढ थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज की थी।

5 लाख रुपए की अफीम सहित एक गिरफ्तार

चूरू, (कासं)। भानीपुरा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 1 किलोग्राम अवैध अफीम सहित एक मुल्जिम को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव आई.पी.एस ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान की पालना में लोकेन्द्र दादरवाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू, अनिल कुमार आरपीएस वृताधिकारी वृत सरदारशहर के निकट सुपरविजन में टीम पुलिस थाना भानीपुरा द्वारा दौराने गस्त मेगा हाईवे बुकनसर फांटा भानीपुरा से मुल्जिम गोविन्द प्रसाद पुत्र कन्हैयालाल जाति मेघवाल निवासी किशनपुरा पोस्ट थडोली पुलिस थाना नीमच सीटी जिला नीमच, मध्यप्रदेश के कब्जा से 1 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम जब्त की जाकर गिरफ्तार किया गया है। जब्तशुदा अफीम की कीमत लगभग 05 लाख रुपए है।

शरबत पिलाकर महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

चूरू, (कासं)। निकटवर्ती गांव ख्याली के युवाओं द्वारा हाइवे नंबर 52 पर वाहनों में सवार लोगों को शीतल पेय पदार्थ पिलाकर महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई।

एडवोकेट योगेन्द्रसिंह शेखावत ने बताया कि हाइवे नंबर 52 पर ख्याली गांव के बस स्टेंड पर शाम 5 बजे तक पुष्पेन्द्र सिंह, रोमिल सिंह, दीपेन्द्रसिंह शेखावत, संजय सिंह, भोजराज सिंह, बलदेव सिंह, लोकेन्द्रसिंह, मनीष सिंह, श्याम सिंह, देवेन्द्र सिंह, रघवीर सिंह, मोहर सिंह, महावीर सिंह, जितेन्द्र सिंह, पियूषसिंह, सोनू सिंह, महेश सिंह, सहदेव सिंह, पवन, गणेशसिंह आदि ने वाहनों में सवार होकर आ-जा रहे यात्रियों को शीतल नींबू पानी, शरबत आदि पिलाया। एडवोकेट योगेन्द्रसिंह शेखावत ने बताया कि ख्याली के बस स्टेंड पर पिछले तीन वर्ष से यात्रियों को शीतल पेय पदार्थ पिलाकर महाराणा प्रताप की जयंती मनाते आ रहे हैं। शेखावत ने बताया कि इससे पहले सभी युवाओं ने महाराणा प्रताप के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही सभी ने महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

ख्याली गांव के युवाओं ने हाइवे नंबर 52 पर महाराणा प्रताप की जयंती मनाई।

हासिंग बोर्ड कॉलोनी में युवक का शव मिलने से सनसनी फैली

चूरू, (कासं)। चूरू कोतवाली थाना क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड के एक घर में एक युवक का शव मिलने से यहां सनसनी फैल गई।

गुरुवार को एक घर में युवक ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली बताई। मौहल्ले के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर डीबी अस्पताल की मॉर्चरी में रखवाया।

दोपहर में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

कोतवाली थाने के एसआई रामशरण शर्मा ने बताया कि ग्वालीसर राजगढ़ निवासी राहुल ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई प्रदीप कुमार (35) चूरू में रहता था, जो निजी फाइनेंस का काम करता था। तीन दिन पहले ही प्रदीप कुमार गांव ग्वालीसर से चूरू आया था। उसकी पत्नी और बच्चे गांव में ही रहते हैं।

वह हाउसिंग बोर्ड में स्थित घर में रहता था। गुरुवार सुबह वह नहीं उठा। जिस पर आसपास के लोगों ने घर जाकर देखा तो पंखे से फंदा लगाकर लटका हुआ मिला।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (राज.) के पत्र संख्या F1 (4)/ SEIAA SEAC-Raj Sectt PROJECT CAT.B2 (0042)/2023-24 JAIPUR दिनांक 07.05.2024 के द्वारा मैसर्स फयूचरस्टिक इन्फ्राटेक एम.एल न. 41/2006 क्षेत्रफल 1.00 हैक्टर वास्ते खनिज चेजापत्थर निकट ग्राम भराला तन निमोद तहसील नीमकाथाना जिला सीकर के लिए प्रयार्वरण स्वीकृति प्रदान कि है उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के कार्यालय में जनसाधारण के देखने के लिए उपलब्ध है एवं राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल की वेबसाईट wwwenvironment.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 39/24

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री राजकुमार मोरवाल, पीरू सिंह सर्किल के पास, झुंझुनूं ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री मदनलाल शाह एज्यूकेशन सोसायटी, जे.बी.शाह गर्ल्स कालेज, मण्डावा रोड झुंझुनुं के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 07.05.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी 12.07.2024

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

बाल विवाह रोकथाम के लिए हस्ताक्षर अभियान शुरू

चूरू, (कासं)। जिला कलेक्टर पुष्पा सत्यानी ने गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर से महिला अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह रोकथाम हेतु हस्ताक्षर अभियान का शुभारम्भ किया।

■ सामाजिक कुप्रथाओं के उन्मूलन के लिए सभी के संकल्पित प्रयास जरूरी : कलेक्टर

इस अवसर पर जिला कलेक्टर सत्यानी ने हस्ताक्षर कर बाल विवाह रोकथाम के लिए संकल्प लेते हुए कहा कि सामाजिक कुप्रथाओं के उन्मूलन के लिए सभी के संकल्पित प्रयास जरूरी है। हमें सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देते हुए रूढ़िवादिता से उपर उठकर बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराईयों को समाप्त करना होगा। उन्होंने कहा कि बाल विवाह से बच्चों का बचपन छिन जाता है तथा उनके सर्वांगीण विकास में बाधा उत्पन्न होती है। बच्चों की सीखने और करने की क्षमता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। बाल विवाह से बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के साथ सम्पूर्ण सामाजिक व पारिवारिक व्यवस्था भी प्रभावित होती है। सत्यानी ने कहा कि अक्षय तृतीया जैसे अवसरों पर बाल विवाह की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसलिए सभी नागरिक जागरूक रहकर बच्चों के भविष्य व उनके सर्वांगीण विकास के संरक्षण के लिए बाल विवाह जैसी घटनाओं को रोके तथा ऐसा करते हुए पाया जाने पर शिकायत करें। उन्होंने महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यौला से बाल विवाह संबंधी शिकायतों व घटनाओं के बारे में प्रबंधन आदि के बारे में जानकारी ली। एडीएम उत्तमसिंह शेखावत ने सभी को बाल विवाह रोकथाम हेतु संकल्प दिलवाया।

महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यौला ने बताया कि आमजन बाल विवाह जैसी घटनाओं की शिकायत के लिए दूरभाष संख्या 01562.250919 पर सम्पर्क कर सकते हैं। इस मौके पर चूरू एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, एसीईओ दुर्गा ढ़ाका, एपीआरओ मनीष कुमार, संरक्षण अधिकारी जयप्रकाश निराणिया, सुपरवाइजर कृष्णा, शकुन्तला, पूजा गेट, जेण्डर स्पेशलिस्ट ज्ञान प्रकाश, सखी केन्द्र से भूपेन्द्र सिंह, सहित अधिकारी, कर्मचारी व आमजन मौजूद रहे।

'बिजली सप्लाई बाधित होने पर धैर्य बनाए रखें'

सादुलपुर, (निसं)। जोधपुर डिस्कॉम कार्यालय सादुलपुर के एईएन शहरी दिनेश यादव ने ट्रांसफार्मर स्थापित करने के लिए किए जा रहे कार्य को लेकर बिजली सप्लाई बाधित होने पर उपभोक्ताओं को धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

गुरूवार को एईएन शहरी दिनेश यादव ने बताया कि 132 केवी जीएसएस सादुलपुर में स्थापित 20/25 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर 40/50 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर स्थापित करने के लिए कार्य किया जा रहा है, जिसका कार्य 12 मई 2024 तक पूर्ण होने की संभावना है। इस दौरान वैकल्पिक बिजली व्यवस्था बनाई गई है एवं गर्मी के मौसम को देखते हुए जब तक कार्य पूर्ण नहीं होता है तब तक विद्युत सप्लाई बाधित होने की समस्या हो सकती है।

परिंडा लगाओ, पक्षी बचाओ अभियान शुरू

चूरू, (कासं)। जिला मुख्यालय स्थित राजकीय डेडराज भरतिया अस्पताल पार्क में इंसानियत एकता सेवा समिति की ओर से मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान के नेतृत्व में पांच दिवसीय परिंडा लगाओ, पक्षी बचाओ अभियान का शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट इब्राहीम गौरी ने कहा कि पक्षियों के लिए समूचित दाने-पानी की व्यवस्था करना हम सब का कर्तव्य है। समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने बताया कि अभियान के तहत अगले पांच दिनों में चूरू सहित सहजूसर, झारिया, रतननगर, रामगढ़, फतेहपुर, रतनगढ़, सरदारशहर, राजगढ़, बिसाऊ सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में 221 परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था कर उनकी नियमित देखभाल की जिम्मेदारी ली। कार्यक्रम में अरशद खान एलटी, महबूब खान, असलम खान, जावेद खान, डॉ. इद्रीष खान, शाहरुख खान, सुमेर सिंह, हाजी जाफर खान, सुलेमान मणियार, रियाज अहमद, यूनुस खान, डॉ. गफार खान, अध्यापक वसीम अली भाटी, अयूब खान, मुफ्ती इरशाद कासमी, आवेश कुरैशी आदि ने सहयोगी भूमिका निभाई। समिति व्यवस्थापक जाफर खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

डेडराज भरतिया अस्पताल में टॉयलेट खस्ताहाल, मरीज परेशान

चूरू, (कासं)। राजकीय डेडराज भरतिया अस्पताल में प्रशासन की लापरवाही के कारण यहां आने वाले मरीजों, प्रसुताओं व परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि यहां के टॉयलेट के बहुत ही खस्ताहाल हैं।

कई टॉयलेट तो पिछले कई वर्षों से बंद पड़े हैं और कई टॉयलेट के तो यह हाल हैं कि सफाई व्यवस्था के अभाव में उनके अंदर घुसना भी मुश्किल है। मरीजों और परिजनों ने बताया कि अस्पताल में टॉयलेट जाने के लिए अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण वार्ड से कई मीटर दूर सुलभ शौचालय में जाना पड़ता है, वह टॉयलेट भी शाम 6 बजे बंद हो जाता है। इसके कारण यहां के मरीज ठीक होने की बजाय अत्याधिक बीमार होकर जाते हैं। यहां के टॉयलेट के अन्दर लगे गन्दगी के ढ़ेर बयां कर रहे हैं कि यहां खड़ा रहना भी मुश्किल है। यहां आए दिन आला अधिकारियों का आवागमन रहता है लेकिन वे निरीक्षण के नाम पर केवल खाना पूर्ति करके चले जाते हैं। बता दें कि गत दिनों मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. शशिकांत अग्रवाल ने भी अस्पताल का निरीक्षण किया था, फिर भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। गौरतलब है कि, पिछले कुछ दिनों पूर्व ही स्थानीय विधायक हरलाल सहारण और जिला कलेक्टर पुष्पा सत्यानी ने भी अस्पताल का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये थे, पर यहां के डॉक्टरों और कर्मचारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। वहीं अस्पताल में भर्ती मरीजों ने बताया कि यहां पर्याप्त मात्रा में पीने के लिये स्वच्छ पानी भी उपलब्ध नहीं है। मरीजों ने बताया कि यहां केवल एकमात्र टॉयलेट है, जिसके नल खराब हैं और मरीजों के हाथ धोने तक की व्यवस्था नहीं है। सूत्रों ने बताया कि, लगभग गत चार सालों से वार्ड में लगाए गए लाखों रुपयों के कुलिंग डक खराब पड़े हैं। चूरू की इस भयंकर गर्मी में मरीजों के हाल-बेहाल हैं। मरीजों के परिजनों ने बताया कि यदि यही हालात रहे तो यहां आने वाले मरीजों की जान जोखिम में पड़ सकती है।

चूरू के राजकीय डेडराज भरतिया अस्पताल में टॉयलेट की सफाई नहीं होने से गंदगी फैली हुई है।

■ कई टॉयलेट तो कई वर्षों से बंद पड़े हैं और कई टॉयलेट में सफाई व्यवस्था के अभाव में उनके अंदर घुसना भी मुश्किल है

एन.डी.पी.एस. एक्ट में वांछित आरोपी गिरफ्तार

चूरू, (कासं)। भानीपुरा थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में वांछित उमर खां को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक जय यादर्व आई.पी.एस ने बताया कि 29 मार्च 2024 को थानाधिकारी पुलिस थाना सरदारशहर ने गश्त के दौरान अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 653 किलो ग्राम अवैध डोडा पोस्त छिलका मय कैन्टर सहित मुल्जिमान गुरपेन्द्र सिंह पुत्र श्रवण सिंह जाति जट सिख निवासी सांयाकला पुलिस थाना डेलो जिला लुधियाना पंजाब व गुरप्रीत सिंह पुत्र देवेन्द्र सिंह जाति जिलाही निवासी सांयाकला पुलिस थाना डेलो जिला लुधियाना पंजाब को गिरफ्तार किया जाकर थानाधिकारी पुलिस थाना भानीपुरा द्वारा अनुसंधान किया जा रहा था।

उपरोक्त प्रकरण में मुल्जिमान को अवैध डोडा पोस्त भरवाने वाले मुख्य सप्लायर मुल्जिम उमर खां पुत्र आबिद खां जाति मेवाती मुसलमान जावरा मध्यप्रदेश वांछित चल रहा था। लोकेन्द्र दादरवाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू, अनिल कुमार आरपीएस वृताधिकारी वृत सरदारशहर के निकट सुपरविजन में पुलिस उमर खां पुत्र आबिद खां निवासी मकान नम्बर 44/2 रतलानी दरवाजा, जावरा मध्यप्रदेश को गिरफ्तार कर लिया गया।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राजस्थान

क्रमांक :– न.पा.ता/आपत्ति सूचना/2024–25/368 दिनांक :–06.05.2024

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका क्षेत्र तारानगर के निम्नांकित भूखण्ड धारियो ने कृषि भूमि नियमन, भवन निर्माण स्वीकृति, पट्टा नामान्तरण व 69–ए नियमन हेतु पत्रावलियां जमा करवायी गयी है अतः जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस मे सप्रमाण आपति इस कार्यालय मे प्रस्तुत करे। बाद अवधि प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

क्र. स.	आवेदक का नाम/पिता का नाम	वार्ड नं.	आवेदन संख्या	खसरा नम्बर	कुल तादादी (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ
1.	महेन्द्र सिंह पुत्र आशाराम प्रजापत	23	170	–	63.40	पट्टा नामान्तरण
2.	संजय कुमार पुत्र नोरंग लाल	19	171	–	70.63	पट्टा नामान्तरण
3.	सुनिल कुमार पुत्र तुल्छाराम	24	125	–	466.08	भवन निर्माण स्वीकृति
4.	शीशपाल व गोपीराम पुत्राण श्योकरण	5	130	–	15.60	भवन निर्माण स्वीकृति
5.	मोहर सिंह पुत्र धन्नाराम	25	2069	707	325.12	कृषि भूमि नियमन
6.	मोहर सिंह पुत्र धन्नाराम	25	2070	707	116.11	कृषि भूमि नियमन
7.	संदीप कुमार पुत्र जैसाराम	26	2071	710	232.23	कृषि भूमि नियमन
8.	सुनिल कुमार पुत्र भगत सिह	19	2072	696	91.96	कृषि भूमि नियमन
9.	सुभाष चंद्र गोदारा पुत्र रूपाराम	25	2073	1094	261.58	कृषि भूमि नियमन
10.	श्रवण कुमार पुत्र सुगना राम सारण	7	2074	871	334.41	कृषि भूमि नियमन
11.	रामधन पुत्र कालूराम	7	2076	578	232.23	कृषि भूमि नियमन
12.	बनवारी लाल पुत्र महीपत राम	7	2077	871	334.41	कृषि भूमि नियमन
13.	सोनू पूनिया पत्नी उमराव सिंह	7	2078	871	334.41	कृषि भूमि नियमन
14.	राजेन्द्र कुमार नायाक पुत्र फूलाराम नायक	9		1112/576	221.55	कृषि भूमि नियमन
15.	सुरेन्द्र कुमार तंवर पुत्र शंकरलाल नाई	27	4388	–	292.84	69–नियमन
16.	मोला राम पुत्र बुद राम	30	4389	–	175.98	69–नियमन
17.	मनोज कुमा पुत्र जगदीश प्रसाद	18	4390	–	228.23	69–नियमन
18.	श्याम लाल गर्ग पुत्र परसा राम गर्ग	29	4391	–	278.68	69–नियमन
19.	बाबूलाल पुत्र महावीर प्रसाद	3	4392	–	204.83	69–नियमन
20.	गजानंद पुत्र शंकरलाल	27	4393	–	253.60	69–नियमन
21.	सिलोचना पत्नी मगनचंद	21	4398	–	46.40	69–नियमन
22.	द्वारका प्रसाद रेगर पुत्र भैराराम	21	4399	–	205.82	69–नियमन
23.	पूजा देवी पत्नी सुभाष चंद्र	21	4400	–	73.03	69–नियमन
24.	विकास कुमार पुत्र नोरतमल	21	4401	–	88.69	69–नियमन
25.	मोहम्मद इमरान पुत्र मो. साबीर	17	4402	–	124.36	69–नियमन
26.	प्रेमचंद पुत्र गोपीराम	10	4403	–	150.48	
27.	सजना देवी पत्नी संतलाल	35	4404	–	258.36	69–नियमन
28.	मो. सलीम पुत्र जाफर अली	4	4407	–	297.26	69–नियमन

राज.संवाद/सी/24/102 अधिशाषी अधिकारी

हीटवेव की चपेट में आये जोधपुर, जालोर और बीकानेर

बाड़मेर में 46 डिग्री सर्वाधिक तापमान दर्ज हुआ, जोधपुर में 45 डिग्री पारा दर्ज

जोधपुर/बीकानेर, (कासं)। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच राहत की खबर है। 10 से 12 मई के बीच में एक कमजोर पश्चिमी तंत्र विकसित हो रहा है। ऐसे में शुक्रवार से प्रदेश में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। फिलहाल गुरुवार को दिन और रात तक पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर संभाग में हीटवेव बना रहा। गुरुवार को जोधपुर में तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया है वहीं बाड़मेर 46 डिग्री सर्वाधिक तापमान बताया गया है।

प्रदेश में गर्मी अपने प्रचण्ड रूप में है। सूर्यदेव आसमां से आग बरसा रहे हैं। पंखें, कूलर और एसी तक ने जवाब दे दिया है। भीषण गर्मी के चलते बिजली तंत्र भी गड़बड़ा गया है। मौसम विभाग की मानें तो आगामी 10-12 मई के बीच में प्रदेश में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है जिससे प्रदेश के कुछेक हिस्सों में मेघगर्जना, आंधी और बादल बारिश की संभावना बनेगी।

मौसम विभाग केंद्र जयपुर के अनुसार जोधपुर में भी आगामी दो दिन तक आंधी बारिश की संभावना बनी है। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर में आज 45 डिग्री तापमान रिकार्ड किया गया है तो बाड़मेर सर्वाधिक 46 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है।

- **मौसम विभाग के अनुसार 10-12 मई के बीच में प्रदेश में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है**
- **प्रदेश के कुछेक हिस्सों में मेघगर्जना, आंधी और बादल बारिश की संभावना बनेगी**

बीकानेर संवाददाता के अनुसार :-पश्चिमी राजस्थान का रेगिस्तानी इलाका जितना जल्दी ठंडा होता है, उतना ही जल्दी गर्म भी हो जाता है। अप्रेल माह तक सब कुछ ठीक-ठाक गुजरा, किंतु मई माह के शुरू होने के साथ ही गर्मी के तेवर तीखे हो गए हैं। आलम ये है कि तल्ख गर्मी व हीटववे की वजह से मई के पहले सप्ताह में सड़कों पर कर्फ्यू का आलम है। पूरे राजस्थान में गर्मी सता रही है, किंतु मंगलवार को बीकाणा का अधिकतम तापमान 44 डिग्री पार तक पहुंच गया। यह तो वातानुकूलित व कूलर व पंखों वाले कमरों का हाल है। जबकि सड़कों पर तो इससे कहीं अधिक गर्मी का आलम है। जिसकी वजह से सड़कों पर सन्नाटा परसने लगा है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान के बीच के अन्तर से ही बीकाणा में पड़ने वाली गर्मी का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। उस पर रूक-रूककर 10 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गर्म हवा के थपेड़े इस गर्मी में कोढ़ में खाज का काम कर रहे हैं। सूर्य का तप व गर्मी इतनी अधिक तेज है कि वातावरण से मानों नमी पूरी तरह से सिकुड़ चुकी है।

जालोर में पारा 45.5 डिग्री पहुंचा, गर्मी से लोग बेहाल

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में हीटवेव के चलते गर्मी के तेवर तीखी देखे गये। गुरूवार को तापमान 45.5 डिग्री तक पहुंचने से दोपहर के समय गर्मी व तपसी से आमजन बेहाल नजर आया। वहीं जिला कलेक्टर पूजा पार्थ ने तेज गर्मी को देखते हुए जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा नर्सरी से पांचवी तक अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों के लिए 9 से 15 मई (सत्रांत) तक अवकाश घोषित किया है तथा कक्षा 6 से 12 तक के समय में परिवर्तन किया है।

- **अत्यधिक गर्मी को देखते हुए जिला कलेक्टर ने स्कूल में छुट्टी के आदेश जारी किये**

जालोर जिले में उष्ण तापमान बढ़ने के साथ ही सूर्यदेव अपने तीखे तेवर में नजर आ रहे हैं। गत दो दिनों से तेज गर्मी के चलते कुलर, एसी व पंखे भी बेअसर नजर आ रहे हैं। वहीं दोपहर के समय तेज गर्मी के चलते शहर की सड़कें सूनी नजर आई। वहीं तेज गर्मी से बचने के लिए लोग जतन करते नजर आये। गुरूवार को गर्मी का पारा 45 डिग्री से ऊपर गुजर जाने से सड़कें भी आग उगलती नजर आई। तेज गर्मी से जनजीवन प्रभावित नजर आया। तेज गर्मी के चलते लोगों के हाल बेहाल है। वही जिला कलक्टर पूजा पार्थ ने बताया कि अत्यधिक गर्मी के चलते जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा नर्सरी से पांचवी तक अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों के लिए 9 से 15 मई (सत्रांत) तक अवकाश रहेगा। वहीं कक्षा 6 से 12 का समय प्रातः 7 बजे से प्रातः 11.30 बजे तक रहेगा तथा समस्त शिक्षकों व कार्मिकों का समय यथावत रहेगा।

सलमान खान के घर फायरिंग करने का नागौर कनेक्शन सामने आया

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की ओर से मामले में की गई पांचवी गिरफ्तारी के बाद खुलासा हुआ

- **मामले का सूत्रधार नागौर के बासनी का रहने वाला मोहम्मद रफीक चौधरी निकला**
- **मुम्बई क्राइम ब्रांच ने मोहम्मद रफीक चौधरी को मारवाड़ जंक्शन पाली से ट्रेन यात्रा के दौरान दबोचा**

नागौर, (निसं)। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग मामले का नागौर कनेक्शन भी सामने आया है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की ओर से मामले में की गई पांचवी गिरफ्तारी के बाद यह खुलासा हुआ है कि मामले का सूत्रधार कोई और नहीं बल्कि नागौर के बासनी का रहने वाला मोहम्मद रफीक चौधरी था।

सूत्रों के मुताबिक मुंबई क्राइम ब्रांच टीम ने पूर्व में चार गिरफ्तारियां कर ली थी और पांचवें आरोपी की तलाश की जा रही थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने आखिरकार मोहम्मद रफीक चौधरी को राजस्थान के मारवाड़ जंक्शन रेल्वे स्टेशन से ट्रेन में सफ़र करते हुए धर दबोचा। बताया जा रहा है कि रफीक चौधरी नागौर के सदर थाने के बासनी का मूल निवासी है और अपने भाइयों के साथ मुंबई में दूध की डेयरी के व्यवसाय से जुड़ा है और यहीं रहते हुए वह अपराधी गतिविधियों में लिप्त हो गया। यह भी कहां जा रहा है कि जांच एजेन्सी के मुताबिक रफीक चौधरी लॉरेंस गैंग से जुड़ा हुआ है और अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग मामले में उसने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। सूत्रों से जो सूचनाओं मिल रही है उनके मुताबिक फायरिंग मामले के पाल और गुप्ता को आरोपी रफीक चौधरी ने कथित तौर पर मोटरसाइकिल खरीदने और मकान किराए पर लेने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की थी। फिलहाल मुंबई क्राइम ब्रांच ने रफीक चौधरी को न्यायालय में पेश किया और उसके बाद उससे अगले कुछ दिनों तक रिमांड पर भेजा गया है।

लड़की से मिलने आए नीट स्टूडेंट की हत्या

मेड़ता सिटी, (निसं)। इंस्टाग्राम पर दोस्त बनी लड़की से मिलने आए नीट स्टूडेंट को युवती के परिजनों ने इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। मामला मेड़ता सिटी थाना क्षेत्र (नागौर) के सारंग बासनी गांव का है।

मेड़ता वृताधिकारी पिंटू कुमार ने बताया कि यह पूरी घटना बुधवार की है। कोटा के एक इंस्टीट्यूट से नीट की तैयारी कर रहा युवक संतोष कुमार केसरी (17) पुत्र उमेश केसरी अपनी इंस्टाग्राम पर फ्रेंड बनी युवती से मिलने सारंग बासनी गांव आया। स्टूडेंट को युवती के परिजनों ने इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। कोटा के एक जो बिहार के मधुबन हॉल का रहने वाला था। इस दौरान युवती के परिजनों को यह बात पता चल गई और उन्होंने युवक के साथ मारपीट कर दी। मारपीट में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। लड़की के परिजनों ने ही उसे मेड़ता राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया था। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक संतोष कुमार केसरी।

मेड़ता सीआई राजवीर सिंह ने बताया कि मेडिकल बोर्ड से गुरुवार दोपहर युवक के शव का पोस्टमॉर्टम करवाया है। युवक के पिता उमेश केसरी ने युवती के पिता, चाचा व अन्य परिजनों के खिलाफ पीट-पीटकर हत्या करने का मामला दर्ज कराया है। मामले में कार्रवाई की जा रही है। पिता उमेश ने बताया कि पांच साल से कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। फाइनल में अच्छा स्कोर किया था। छह मई को कोटा से निकला था। सात मई को बेटे से बात हुई थी, उसने कहा था घूमने जा रहा हूं। बुधवार को क्वार्टर पर जाते ही पुलिस ने फोन कर मामले की जानकारी दी थी। युवक के पिता उमेश कुमार केसरी बिहार में मधुबन के रहने वाले हैं और वर्तमान में अमृतसर के पास तरणतारण रेलवे स्टेशन पर स्टेशन अधीक्षक के पद पर कार्यरत है। संतोष इकलौता बेटा था। पिता ने हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने लड़की के घर वालों को हिरासत में लिया है।

- **युवती के परिजनों ने स्टूडेंट को पीट-पीटकर मार डाला, इंस्टाग्राम पर दोनों की दोस्ती हुई थी**

बाल विवाह से मुक्त हुई बालिका वधू

जोधपुर, (कासं)। अबूझ सावे के तौर पर बाल विवाह करवाए जाने की कुप्रथा से जुड़ा आखातीज यानी अक्षय तृतीया पर्व सुगंधा (बदला हुआ नाम) के लिए जीत की खुशियां लेकर आया। आखातीज के मौके पर सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती के संबल से सुगंधा का बाल विवाह बालिग होने पहले ही निरस्त हो गया। जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या दो ने सुगंधा के महज दस साल की उम्र में हुए बाल विवाह को निरस्त करने का फैसला सुनाकर आखातीज पर समाज को कड़ा संदेश दिया।

इसके साथ ही सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति भारती ने अब तक 51 मासूम जोड़ों का बाल विवाह निरस्त करवाने और लगातार आखातीज पर भी बाल विवाह निरस्त करवाने की सुप्रथा की हैट्रिक के साथ दोहरे कीर्तिमान बनाए हैं। जोधपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र की निवासी कमठा मजदूर की बेटी 17 वर्षीय सुगंधा (बदला हुआ नाम) का महज 10 साल की उम्र में बाल विवाह हो गया था। सुगंधा सात साल तक बालविवाह का दंश झेलती रही। उसे गौना करवाकर 16 साल की उम्र में ससुराल भी भेज दिया गया था। जहां उसके साथ अच्छा बर्ताव नहीं हुआ। इस बीच सुगंधा को वर्ल्ड टॉप टेन एक्टिविस्ट और बीबीसी 100 इंस्पिरेशनल वूमन सूची में शुमार जोधपुर के सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती की बाल विवाह निरस्त की मुहिम के बारे में महिला पुलिस थाने से जानकारी मिली। सुगंधा ने डॉ. कृति से मुलाकात कर पीड़ा बताई। जिसके बाद डॉ. कृति ने करीब पांच माह पहले सुगंधा के बाल विवाह निरस्त का वाद जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 में दायर किया। डॉ.कृति ने ही सुगंधा की ओर से पैरवी कर बाल विवाह और आयु संबंधी तथ्यों से अवगत करवाया जिसके बाद पारिवारिक न्यायालय संख्या दो के तत्कालीन न्यायाधीश प्रदीप कुमार मोदी ने सुगंधा के महज 10 साल की उम्र में 7 साल पहले हुए बाल विवाह को निरस्त करने का फैसला सुनाया।

तीन बहनों की नदी में डूबने से मौत, गांव में मातम पसरा

उदयपुर, (कासं)। जिले के सायरा थाना क्षेत्र की रावछ ग्राम पंचायत में मेरे का खेत की रुपणिया धरा नदी पर नहाने गई तीन बहनों की पानी में डूबने से मौत हो गई। तीन बहनों की एक साथ हुई मौत से पूरे क्षेत्र में मातम पसर गया।

ओमप्रकाश गरासिया की बेटी सविता कुंवर (ढाई वर्ष) और रीना कुमारी (4 वर्ष) व मेहमान आई बहन प्यारी गरासिया की बेटी जतल (4 वर्ष) को घर पर अकेला छोड़कर पूरे परिवार के साथ खेतों पर काम करने गए थे। तेज गर्मी होने के चलते तीनों मासूम बालिकाएं खेलते हुए नदी के पास पहुंच गई और वहां नदी में नहाने उतरी जहां एक के बाद एक तीनों पानी में डूब गई। नदी की ओर से घर आ रहे मंसाराम गरासिया ने तीनों के कपड़े नदी किनारे देखे और परिवार के लोग उधर बच्चों को ढूंढ रहे थे तो मंशाराम ने तीनों लड़कियों के कपड़े नदी पर होना बताया। जिस पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे तीनों के शव पानी में तैरते हुए दिखे। ग्रामीणों की सूचना पर सायरा थानाधिकारी प्रवीण सिंह जुगनावत जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से तीनों शवों को नदी से बाहर निकलवाकर सायरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

लकड़ी से बने फंटों से भरा ट्रक जब्त

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में कोटपुतली वन विभाग की टीम ने अवैध खनन तथा परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुये मुख्य वन संरक्षक राजीव चतुर्वेदी, उप वन संरक्षक जयपुर उत्तर देवेंद्र प्रताप जागावत के निर्देशन एवं रेंज कोटपुतली क्षेत्रीय वन अधिकार देवेंद्र के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने हरियाणा से बगरू जयपुर जाते हुए तिरपाल से ढके हुए एक ट्रक को रोककर ट्रक चालक से पूछताछ करने पर ट्रक में लकड़ियां भरी होना पाया। इस पर लकड़ियों के ट्रक पर लगे तिरपाल को खोलकर देखा तो उसमें प्रतिबंधित आम की लकड़ियों से बने फंटे भरे हुए थे जिनकी बाजार कीमत लगभग चार लाख रुपए है। इस दौरान कोटपुतली नाका प्रभारी दाताराम यादव, बूचारा नाका प्रभारी अशोक गुर्जर, वनरक्षक मुकेश गुर्जर, सहायक वनपाल राजेंद्र मीणा, मीर सिंह उक्त कार्यवाही मे शामिल रहे।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

अजमेर, (कासं)। दरगाह थाना क्षेत्र में एक युवती को शादी का झांसा देकर तीन साल तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाने में युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब शादी के लिए युवक पर दबाव बनाया तो उसे शादी करने से इंकार कर दिया। पुलिस ने मुकदमा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरगाह थाना पुलिस के अनुसार पीडिता ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 3 साल पूर्व उसकी इंस्टाग्राम पर एक युवक से बातचीत शुरू हुई थी। कुछ समय बाद दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। बाद में आरोपी ने उसके घर भी आने लग गया। पीडिता ने बताया कि आरोपी युवक ने शादी करने का प्रस्ताव रखा था, जिसे उसने स्वीकार कर लिया था। इसका फायदा उठाकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। जब उसने शादी के लिए कहा तो आश्वासन देकर टालता रहा। करीब 3 साल तक उसके साथ आरोपी रेप करता रहा था। इस बीच आरोपी उसे उधार के नाम पर 25 से 30 हजार रुपए भी हड़प चुका है। पीडिता ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ माह पहले आरोपी ने उससे बातचीत करना बंद कर दिया। जब उसने शादी के लिए कहा तो वह उसे टालता रहा। बाद में उसे फोन पर शादी करने से मना कर दिया। इसके साथ ही उसके परिवार वालों के द्वारा भी उसे उससे दूर रहने की धमकी दी गई। पीडिता की शिकायत पर दरगाह थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

- **पीड़िता ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया**

बीकानेर के सहजरासर में जमीन धंसने के रहस्य से पर्दा उठा

- **घटना के कारणों का खुलासा जीएसआई के अधिकारियों ने मौका देख कर किया**
- **अधिकारियों ने अत्यधिक जलदोहन को भूमि धंसने का कारण माना**

लूणकरनसर, (निसं)। भूमिगत जल का अंधाधुंध दोहन करने से भूमि की कोख तो सूख ही रही है, भविष्य में इसके भयावह परिणाम भूगर्भीय घटनाओं के रूप में भी देखने को मिल सकते हैं। इस खतरे का अलार्म प्रकृति ने सहजरासर गांव की रोही में तीन सप्ताह पहले बजा भी दिया है। गत 15 अप्रेल की रात को अचानक जमीन धंसने से करीब 100 फीट गहरा गड्ढा हो गया था। इसके दायरे में पक्की डामर रोड का कुछ हिस्सा भी आ गया, जो जमींदोज हो गया है। सहजरासर की इस घटना के कारणों का खुलासा भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के अधिकारियों ने मौका देख कर किया है। इसमें अत्यधिक जलदोहन को भूमि धंसने का कारण माना है। गड्ढे की प्रशासन ने तारबंदी करवाकर छोड़ रखी है। पुलिस नियमित निगरानी कर रही है।

जानकारी के अनुसार गत 15 अप्रेल की रात करीब तीन बजे लूणकरनसर-ढाणी भोपालाराम से सहजरासर गांव जाने वाली सड़क पर सहजरासर गांव के नजदीक रोही में जगूनाथ के खेत में अचानक जमीन धंस गई थी। इससे 150 से 200 फीट लम्बा-चौड़ा तथा तकरीबन 90-100 फीट गहरा गड्ढा हो गया। करीब 50-60 फीट तक सड़क भी जमींदोज हो गई। एक-दो दिन में दरारें कुछ और बढ रीं। अंदाजन गड्ढा की मोटाई-चौड़ाई इस दौरान बढ़ी है। गत 24 अप्रेल को झालाना डूंगरी जयपुर से भारतीय भू-सर्वेक्षण विभाग की तीन सदस्यीय टीम जांच के लिए आई। उसने तीन दिन जांच के बाद प्रशासन को रिपोर्ट सौंपी।

उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि जीसीआई ने जमीन धंसने के मामले में अपनी जांच रिपोर्ट में जल के अत्यधिक दोहन को कारण माना है। जांच रिपोर्ट में बताया है कि बरसात की कमी से भूजल रिचार्ज नहीं हुआ। इससे जमीन खोखली हो गई और मिट्टी नीचे चली गई। जीसीआई ने मौसम विभाग, भूजल विभाग, सैटेलाइट समेत कई तरह के साक्ष्य जुटाए हैं। इसके बाद अपनी जांच में पाया कि भूजल रिचार्ज नहीं होने से तथा नीचे की जमीन ज्यादा सख्त नहीं होने से जमीन धंसी। जीसीआई इसे भौगोलिक घटना मान रहा है।

ग्रामीणों के मुताबिक, कि इस जगह पर तकरीबन सौ साल पहले आकाशीय बिजली गिरी थी। इसी कारण इस जगह को लेकर आम बोचचाल में लोग बिजलखाड़ के नाम से पुकारते हैं। ग्रामीणों की मानें, तो इस जगह पिछले कई साल से एक-दो फीट जगह धीरे-धीरे धंसती आ रही है। इस कारण सड़क भी हर साल क्षतिग्रस्त होती रही है।

उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि सड़क भी जमीन में धंसने से सम्पर्क टूट गया है। मौके पर पंचायत की मदद से पास के खेत से रास्ता बना कर सड़क से जोड़ा गया है। अब बजट मिलने के बाद पुनः गड्ढे का भरवाकर दोबारा सड़क बनवाई जाएगी। जमीन धंसने के मामले को लेकर लोगों में कौतूहल बना हुआ है। धारा 144 लगाने के बावजूद लोग गड्ढे को देखने के लिए आते जा रहे हैं। लिहाजा पुलिस के जवानों को खासा मशक्कत करनी पड़ रही है।

जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि., जालोर
प्रधान कार्यालय : हरिदेव जोशी सर्किल के पास, जालोर-343001
Email: headoffice@jalorebank.com Phone No. 9461440881
क्रमांक/जानासबैंकलि/1042 दिनांक 09.05.2024
बैंक के सदस्यों (शेयर होल्डर्स) का ग्रुप जनता दुर्घटना बीमा करने हेतु निविदा सूचना
जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. के सदस्य (शेयर होल्डर्स) जिनकी अनुमानित संख्या कुल 18357 का ग्रुप जनता दुर्घटना बीमा पॉलीसी दिनांक 21.06.2024 की मध्यरात्रि को ड्यु हो रही हैं एवं नवीनीकरण करवाया जाना हैं। जिसका बीमा रू. 50,000/- प्रति सदस्य (शेयर होल्डर्स) हैं। उक्त पोलिसी Continuity Plan के तहत की जाएगी, जिसमें समय-समय पर नये सदस्यों (शेयर होल्डर्स) को जोडा जा सकेगा। अतः ग्रुप जनता व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा की प्रिमियम दर समस्त कवरेज सहित निविदा दिनांक 27.05.2024 को सायं 4 बजे बैंक प्रधान कार्यालय स्थित मुख्यकार्यकारी अधिकारी के कक्ष में रखे टेण्डर बाक्स में डालना सुनिश्चित करें।
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

पूर्व विधायक विवेक धाकड़ की संदिग्ध मौत मामला : पारिवारिक विवाद अब सड़क तक पहुंचा

बहू के खिलाफ अब ससुर ने मोर्चा खोलते हुए अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडलगढ़ के पूर्व विधायक विवेक धाकड़ की संदिग्ध मौत मामले में आरोप- प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। पारिवारिक कलेश अब सड़क तक पहुंच चुका है और बहू के खिलाफ अब ससुर ने मोर्चा खोलते हुए अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कलेक्ट्री पर प्रदर्शन किया। पूर्व जिला प्रमुख कन्हैयालाल धाकड़ ने अपनी पुत्रवधु पद्मिनी व उसके सहयोगियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए जिला कलेक्ट्री पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

धाकड़ का आरोप है कि उनकी बहू ने ही अपने सहयोगियों के साथ षड्यंत्र रचकर उनके बेटे और पूर्व विधायक विवेक धाकड़ को जान देने के लिए मजबूर किया है। धाकड़ के नेतृत्व में मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और धरना प्रदर्शन किया। इस मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भी सौंपा गया। ज्ञापन में आरोप लगाया कि स्व. विवेक धाकड़ की पत्नी पद्मिनी को विवेक की समाज सेवा व राजनीति में सक्रियता कतई पसंद नहीं थी। इस कारण वह हर समय उन्हें प्रताड़ित और परेशान करती रहती थी। इतना ही नहीं हम में से भी जब कभी कोई व्यक्ति विवेक से मिलने उनके भीलवाड़ा निवास पर जाते तब उनके सामने भी सरे आम पद्मिनी विवेक को अपमानित करती थी और उनकी छवि, प्रतिष्ठा को खराब करती रहती थी। विवेक इस सबके बावजूद यह सोच कर अपने समाज सेवा और राजनीति के काम में लगे रहते थे कि समय के साथ सब ठीक हो जायेगा। किन्तु ऐसा हुआ नहीं और समय के साथ-साथ पद्मिनी का व्यवहार विवेक के साथ और अधिक प्रताड़ना और परेशान करने वाला होने लगा। आरोप है कि विवेक अत्यंत मानसिक पीड़ा पहुंचाने और तनाव में लाने के लिये आये दिन झगड़ा करना शुरू कर दिया। दरअसल समाज सेवा और राजनीति से विवेक को दूर रहने के लिये क्रूरता की हद तक जाकर प्रताड़ित करना तो एक माध्यम और बहाना था। ऐसा करने का पद्मिनी का एकमात्र मकसद विवेक और उनके पिता कन्हैया लाल धाकड़ की जायदाद पर कब्जा करना रहा, जो विवेक के जीवित रहते संभव नहीं था।

पूर्व जिला प्रमुख कन्हैयालाल धाकड़ ने समर्थकों के साथ कलेक्ट्री पर प्रदर्शन किया।

- **कन्हैयालाल धाकड़ का आरोप है कि उनकी बहू ने ही अपने सहयोगियों के साथ षड्यंत्र रचकर उनके बेटे विवेक धाकड़ को जान देने के लिए मजबूर किया है**

आरोप लगाया गया है कि पद्मिनी ने विवेक को अपनी जिन्दगी से हटाने के लिए भीलवाड़ा से बाहर रहने वाली अपनी बहिनों व अन्य से घण्टों घण्टों मोबाईल पर बात कर उनके बताये अनुसार विवेक को आत्महत्या के लिये मजबूर करने का षड्यंत्र रचा। पद्मिनी का सोचना था कि विवेक की मौत के बाद उनकी सारी जायदाद और राजनीतिक विरासत उनकी हो जायेगी और ससुर कन्हैया लाल धाकड़ की उम्र अधिक हो जाने से वे अधिक नहीं जियेंगे और वह सब पाने में कामयाब हो जायेगी, जिसके लिये वे लम्बे समय से प्रयास कर रही थी। ज्ञापन में बताया गया है कि ये सभी बातें विवेक कई बार अपने क्षेत्र के दौरे के दौरान अंतरंग बातचीत में बताते रहते थे, लेकिन चुनाव सामने होने के कारण वे कोई राजनीतिक नुकसान न हो जाये, इसलिए शांति के साथ सहन कर रहे थे। अंततः पत्नी द्वारा दी जा रही निरंतर प्रताड़ना, अपमानजन व्यवहार के कारण विवेक आत्महत्या को मजबूर हो गये।

आम जनता की ओर से दिये गये ज्ञापन में आरोप लगाया कि विवेक धाकड़ को आत्महत्या करने के लिए मजबूर करने की जिम्मेदार उनकी पत्नी है। पद्मिनी, उनकी बहनों, सहयोगियों के कॉल रेकार्ड और वाट्सएप चेट की जांच कराई जाये, ताकि स्थिति साफ हो सके। ज्ञापन में मांग की गई है कि इस मामले में पद्मिनी व उसके सहयोगियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कर 24 घंटे में उन्हें गिरफ्तार किया जाये। ज्ञापन देने वालों में विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, ब्लॉक अध्यक्ष के साथ ही ग्रामीण मौजूद थे।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, नगर उ.वि एवं राजस्व खण्ड प्रथम, बीकानेर
क्रमांकः 224-241 दिनांक : 07.05.2024
ई-बोली सूचना संख्याः 1 से 6/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वा. अभि. विभाग के पंजीकृत / सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टैण्डरिंग द्वारा बोली आमंत्रित की जाती है। यह बोली website "www.spp.rajasthan.nic.in"पर देखी जा सकती है तथा बोली प्रपत्र "http:/eproc.rajasth.gov.in" से दिनांक 08.05.2024 को सायं 06.00 बजे से दिनांक 23.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है तथा ऑनलाईन बिड डालने की अवधि दिनांक 23.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक रहेगी, उक्त बोली दिनांक 24.05.2024 को सुबह 11.00 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। Egrass (electronic government receipt accounting system web site https://egras.raj.nic.in) के माध्यम से बोली शुल्क बजट मद 0075-00-800-52-01, धरोहर राशि बजट मद 8443-00-108-00-00 जो कि "23616- Executive Engineer, PHED, PDR City Dn Ist Bikaner" के नाम से एवं ई-टैण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क बजट मद 8658-00-102-16-02 जो कि Managing Director, RISL Payable at Jaipur, के नाम से एक ही चालान से जमा करवाना आवश्यक होगा। कुल 6 कार्य है जिसकी कुल लागत 181.71 लाख रूपये है जिनमें एक कार्य की अधिकतम लागत रूपये 32.41 लाख है।
PHE2425WSOB00285, PHE2425WSOB00284, PHE2425WSOB00283, PHE2425WSOB00281 PHE2425WSOB00282, PHE2425WSOB00280
(नरेश कुमार रेगर) अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, उ. वि एवं राजस्व खण्ड प्रथम, बीकानेर
DIPR/C/3526/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत
क्रमांक-86-95 दिनांक-06.05.2024
ई-बोली सूचना संख्या :- 1 से 11/2023-24
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वा. अभि. विभाग के पंजीकृत / सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टैण्डरिंग द्वारा बोली आमंत्रित की जाती है। यह बोली website "www.sppp.rajasthan.nic.in" पर देखी जा सकती है तथा बोली प्रपत्र "http:/eproc.rajasthan.gov.in" से दिनांक 06.05.2024 को सायं 06.00 बजे से दिनांक 15.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है तथा ऑनलाईन बिड डालने की अवधि दिनांक 16.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक रहेगी, उक्त बोली दिनांक 16.05.2024 को सुबह 11.00 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी।
Egrass (electronic government receipt accounting system web site https://egras.raj.nic.in) के माध्यम से बोली शुल्क बजट मद 0075-00-800-52-01, धरोहर राशि बजट मद 8443-00-108-00-00 जो कि "41485 - Executive Engineer, PHED, Division Kolayat" के नाम से एवं ई-टैण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क बजट मद 8658-00-102-16-02 जो कि Managing Director, RISL Payable at Jaipur के नाम से एक ही चालान से जमा करवाना आवश्यक होगा। कुल 11 कार्य है जिसकी कुल लागत 329.86 लाख रूपये है जिनमें एक कार्य की अधिकतम लागत रूपये 36.01 लाख है।
PHE2425WSOB00249, PHE2425WSOB00250, PHE2425WSOB00251, PHE2425WSOB00252, PHE2425WSOB00253, PHE2425WSOB00254 PHE2425WSOB00255, PHE2425WSOB00256, PHE2425WSOB00257, PHE2425WSOB00258, PHE2425WSOB00259
(धमेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड कोलायत
DIPR/C/3512/2024

सैम पित्रोदा का नॉर्थ ईस्ट और दक्षिण भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी टिप्पणी निंदनीय : तिवाड़ी

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए ओवरसीज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सैम पित्रोदा द्वारा नॉर्थ ईस्ट और दक्षिण भारतीयों पर दिए गए नस्लभेदी बयान की कड़ी निंदा की। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस के मूल में यही अंतर है कि भाजपा भारत को एक राष्ट्र मानती है जबकि कांग्रेस भारत को अलग-अलग राष्ट्रों का समूह मानती है। भाजपा की स्थापना के बाद मुंबई के शिवाजी पार्क में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने पंच निष्ठाओं के माध्यम से बताया था कि भाजपा एक जन, एक राष्ट्र और एक संस्कृति के ध्येय वाक्य को मानने वाली पार्टी हैं।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस देश में धर्म, जाति और क्षेत्र की राजनीति करती आ रही है, उसी तरह अब नस्लभेदी राजनीति भी करने लगी है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के थिंक टैंक सैम पित्रोदा का बयान कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और नीति से मेल खाता है। सैम पित्रोदा का मूल नाम सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा था, लेकिन उन्हें ना ही सत्य नारायण शब्द पसंद आया और ना ही गंगाराम। उन्होने अपने नाम को ही सैम कर दिया। पित्रोदा ने आसाम और पूर्वोत्तर के लोगों को चीनी लोगों जैसा दिखने वाला बताया और दक्षिण भारत के लोगों को दक्षिण अफ्रीकी नस्ल वाला बताया। पित्रोदा का यह बयान नस्लवादी दृष्टिकोण के साथ भारत को बांटने वाला है। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि ''हिमालयात् समारभ्य यावत् इन्दु सरोवरम्। तं देवनिर्मितं देशं हिन्दुस्थान प्रचक्षते'' अर्थात हिमालय के 'हि' शब्द से तथा इन्दुसागर के 'न्दु' शब्द को मिलाकर हिन्दुस्तान नाम रखा गया है।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

हिमालय से शुरू होकर कन्याकुमारी तक जो भू-भाग है वह पूरा हिन्दुस्तान है। भारत की ये संस्कृति कांग्रेस को पसंद नहीं आती। कांग्रेस के लोग भारत को दक्षिण, तमिल, उत्तर के आधार पर बांटना चाहते है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी के शिवकुमार ने दक्षिण को अलग राष्ट्र बनाने तक की सिफारिश की थी। कांग्रेस की सहयोगी पार्टी के एक नेता ने राज्यसभा में भारत को कई राष्ट्रों का समूह बताया, जिसका मैंने विरोध किया था। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस पहले जाति के आधार पर, फिर धर्म के आधार पर और अब नस्ल के आधार पर देश को तोड़ना चाहती है। कांग्रेस का हाल ऐसा है कि ''उम्र भर गालिब यही भूल करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईने को साफ करता रहा''। कांग्रेस के चेहरे पर जो नकाब था वो अब हट गया है।

- 'कांग्रेस पहले जाति के आधार पर, फिर धर्म के आधार पर और अब नस्ल के आधार पर तोड़ना चाहती है भारत को'
- 'भाजपा एक जन, एक राष्ट्र और एक संस्कृति को मानने वाली, जबकि कांग्रेस भारत की संस्कृति का अपमान करने वाली पार्टी'

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि सैम पित्रोदा का बयान जिसमें उन्होंने असम के लोगों को चीनी नस्ल का बताया था, यह बयान आसाम के लाचित बरफूकन जैसे वीर सेनापति का अपमान है वहीं दक्षिण भारत के लोगों को दक्षिण अफ्रीकी नस्ल का बताना चोल राजाओं का अपमान है। पित्रोदा का बयान भारत के वेदों, शंकराचार्यों और संस्कृति का अपमान है। कांग्रेस भारत को तोड़ने में लग रही है। कांग्रेस पार्टी भारत के राष्ट्र के एकाग्रता के साथ विश्वासघात कर रही है। इस दौरान मंच पर भाजपा मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, भाजपा प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत और भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक मौजूद रहे।

अरावली संरक्षण पर केन्द्र सरकार को चार राज्यों के साथ बैठक कर रिपोर्ट देने के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण तथा जलवायु मंत्रालय से दो माह में रिपोर्ट मांगी है

- सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश अरावली में अवैध खनन से जुड़े मामले में प्रस्तुत एक रिपोर्ट पर सुनवाई करते हुए दिया है और कहा कि, आदेश सिर्फ अवैध खनन तक ही सीमित रहेगा

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सहित दिल्ली, हरियाणा व गुजरात में अरावली पर्वतमाला में हो रहे खनन से जुड़े मामले में केन्द्र के वन व पर्यावरण और जलवायु मंत्रालय को कहा है कि, इन चारों राज्यों के साथ अरावली संरक्षण सहित अन्य मुद्दों पर बैठक करके दो माह में अपनी रिपोर्ट पेश करें।

जस्टिस बी.आर. गवई व जस्टिस अभय एस ओका की विशेष पीठ ने यह आदेश अरावली में अवैध खनन से जुड़े मामले में सी.ई.सी की रिपोर्ट पर सुनवाई करते हुए दिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश केवल अरावली पर्वतमाला में खनन तक ही सीमित रहेगा। संबंधित राज्यों को खनन के किसी भी नए पट्टे की कार्रवाई के लिए सभी विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद खनन पट्टों को अंतिम रूप देने के लिए सुप्रीम कोर्ट से ही मंजूरी लेनी होगी।

राज्य सरकार के एडिशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) शिवमंगल शर्मा ने बताया कि, सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से पूर्व में चल रही खनन गतिविधियां अप्रभावित रहेंगी और खानों की नीलामी प्रक्रिया में भी कोई रुकावट नहीं आएगी और वे पूर्व की तरह जारी रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह आदेश राजस्थान में चल रही बजरी खनन की गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा और ये आदेश केवल अरावली पर्वतमाला तक ही सीमित रहेंगे। इस आदेश से संबंधित क्षेत्रों में चल रही और भविष्य की खनन गतिविधियों के लिए स्पष्टता और स्थिरता आयेगी। जो विकास गतिविधियों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण पहलुओं को भी संतुलित करते हैं। गौरतलब है कि, राजस्थान के 16 जिलों में अरावली पर्वतमाला से खनन किया जाता है।

भारतीयों के प्रति जो मानसिकता अंग्रेजों की थी, वही कांग्रेस की भी : सी.पी.जोशी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कांग्रेस के सैम पित्रोदा के बयानों को देश को तोड़ने वाला बताते हुए इसकी कड़ी भर्त्सना की है। सीपी जोशी ने कहा कि सैम पित्रोदा के बयान से यह साफ हो गया है कि कांग्रेस भारतीयों को जाति, धर्म और रंग के आधार पर बांटने में लगी है। भारतीयों के प्रति जो मानसिकता अंग्रेजों की थी, वहीं कांग्रेस की भी है। यह बयान भी अंग्रेजों द्वारा भारतीयों पर रंगभेद, नस्लभेद की मानसिकता के आधार पर किए गए अत्याचार को प्रदर्शित करता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि भारत विश्वगुरू रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और कुशल नेतृत्व में देश पुन: उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में भारतीयों की तुलना दूसरे देशों से करके भारत को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया में भारत की ख्याति बढ़ा रहे हैं, कांग्रेस अपने बयानों से देशवासियों को अपमानित कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस ने देश में फूट डालो, शासन करो की नीति को अपनाते हुए देश की एकता और अखंडता को ठेस पहुंचाने का काम किया है। विभाजन कारी नीति से देश कमजोर हुआ है। अब कांग्रेस के पास सत्ता में आने का कोई रास्ता नहीं बचा तो फिर से इसी नीति पर उतर आए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि इस अपराध के लिए कांग्रेस को देश से क्षमा मांगनी चाहिए।

राज्य का सतत और दीर्घकालीन विकास बने प्राथमिकता : मिश्र

- राज्यपाल सलाहकार मण्डल की बैठक में प्रदेश के सर्वांगीण विकास के आए महत्वपूर्ण सुझाव

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य के संतुलित और सतत विकास के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने सर्वांगीण विकास के अंतर्गत आदिवासी कल्याण, शिक्षा, कृषि, पर्यटन, उद्योग आदि क्षेत्रों में सुनियोजित योजनाओं के जरिए दीर्घकालीन विकास को ध्यान में रखते हुए कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी (सीएसआर) के तहत राज्य के विकास से जुड़े प्रभावी कार्य हाथ में लेकर उनके क्रियान्वयन की भी आवश्यकता जताई।

राज्यपाल गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल सलाहकार मण्डल की बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्यपाल सलाहकार मंडल के अंतर्गत विषय विशेषज्ञों के सुझाव आमंत्रित कर उनके आधार पर प्रदेश के सतत, स्थायी और चहुंमुखी विकास के लिए कार्य किए जाने की पहल की गई है। विभिन्न क्षेत्रों में पूर्व की बैठकों में आए सुझावों के विश्वविद्यालयी शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में लागू करने से सकारात्मक परिणाम भी आए हैं।

उन्होंने बैठक में राजस्थान में उपलब्ध संसाधनों का समुचित दोहन कर प्रदेश के युगानुकुल विकास के लिए कार्य किए जाने, उद्यिमता विकास के लिए प्रयास बढ़ाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि राजभवन स्तर पर राज्यपाल राहत कोष के पुनर्गठन, जनजातीय क्षेत्रों के प्रभावी विकास, आदिवासी क्षेत्रों के टिकाऊ विकास से जुड़े मुद्दों की मॉनिटरिंग के लिए राजभवन स्तर पर जनजातीय एकक की स्थापना की गई है। राजभवन में देश का पहला संविधान उद्यान निर्मित किया गया है।

राज्य सलाहकार समिति के सदस्यों ने बैठक में वनस्थली विद्यापीठ की तर्ज पर आदिवासी क्षेत्र में महिला विश्वविद्यालय की स्थापना किए जाने का भी विशेष रूप से सुझाव दिया। स्वास्थ्य क्षेत्र के अंतर्गत पब्लिक हेल्थ कैडर बनाने और शिशु और मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए व्यावहारिक प्रयास किए जाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के इस्तेमाल और आयुष्मान भारत के समेकित क्रियान्वयन पर जोर दिया गया।

वेंकटेश्वर मंदिर की संपत्ति पर विवाद

जयपुर। सिटी पैलेस के नजदीक स्थित वेंकटेश्वर मंदिर की संपत्ति को लेकर विवाद सामने आया है। मंदिर के महंत ने सिटी पैलेस स्टाफ के ऊपर मंदिर की जमीन पर कब्जा करने और परिवार को बंधकर बनाकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। हालांकि सिटी पैलेस ने महंत के दावे को गलत बताया है। पूरे विवाद का एक वीडियो भी सामने आया है।

मंदिर के महंत वेणु गोपाल ने आरोप लगाया कि पहले सिटी पैलेस के गार्ड्स ने उनके परिवार को बंधक बना लिया। वहां माणक चौक थाने के पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। महंत ने कहा कि संपत्ति पर विवाद है और मामला कोर्ट में है। सिटी पैलेस के प्रशासक प्रमोद यादव का कहना है कि यह हमारी संपत्ति थी, कोर्ट ने इसे लेकर हमारे पक्ष में फैसला दिया है। महंत वेणु गोपाल ने बताया कि हम सालों से अपने परिवार के साथ इस मंदिर में पूजा अर्चना कर रहे हैं। मंदिर में राजपरिवार का कोई दखल नहीं है। इस मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना भी रिकॉर्ड हुई है। मंदिर में बड़ी संख्या में लोग घुसते हुए दिख रहे हैं। ये लोग यहां कुछ तोड़फोड़ करते हुए बैरिकेडिंग भी करते हैं। मंदिर के बाहर के हिस्से पर जबरन बैरिकेडिंग भी की गई है। मंदिर परिवार ने पुलिस कंट्रोल रूम को कई बार इसकी सूचना दी, लेकिन पुलिस पहले से ही मौके पर मौजूद थी।

सिनोदिया हत्याकांड के अभियुक्त को पैरोल पर रिहा करने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने किशनगढ़ के पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया के बेटे भंवर सिनोदिया की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे अभियुक्त बलभा राम को चौथे नियमित पैरोल पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता पैरोल अवधि पूरी होने के बाद जेल प्रशासन के समक्ष समर्पण करे। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश बलभा राम की पैरोल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने पैरोल कमेटी के आदेश को रद्द करते हुए माना की याचिकाकर्ता अभियुक्त को जेल में संतोषजनक व्यवहार था।

याचिका में अधिवक्ता गोविंद प्रसाद रावत ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को 11 अप्रैल 2014 को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

याचिकाकर्ता को अब तक नियमानुसार तीन बार नियमित पैरोल का लाभ दिया जा चुका है। पैरोल अवधि पूरी होने के बाद उसने समय पर जेल प्रशासन के समक्ष समर्पण किया है। इसके अलावा सामाजिक अधिकारिता विभाग की रिपोर्ट भी याचिकाकर्ता के पक्ष में आई है। इसके बावजूद पैरोल कमेटी ने उसे चौथे पैरोल का लाभ देने से इनकार कर दिया। ऐसे में उसे चौथे नियमित पैरोल के तहत चालीस दिन के लिए रिहा किया जाए। याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता के खिलापफ 16 मामले दर्ज हैं। इसके अलावा अजमेर पुलिस अधीक्षक ने भी उसके खिलाफ रिपोर्ट दी है। इसलिए पैरोल कमेटी ने उसके पैरोल आवेदन को निरस्त किया है। ऐसे में उसे पैरोल का लाभ नहीं दिया जाना चाहिए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता अभियुक्त को चौथे पैरोल के तहत चौदह दिन के लिए रिहा करने के आदेश दिए हैं।

महाराव शेखाजी के निर्वाण दिवस पर समारोह आज

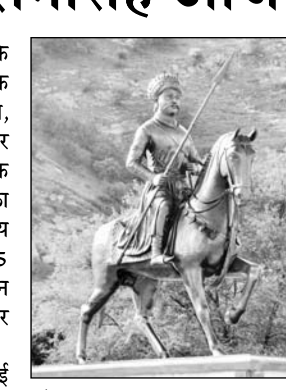

जयपुर । महाराव शेखा संस्थान के सचिव सम्पत सिंह धमोरा ने बताया कि शेखावाटी के संस्थापक, इतिहास पुरूष, नारी सम्मान के रक्षार्थ प्राणोत्सर्ग कर स्वर्गारोहण करने वाले, धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक महाराव शेखाजी का 536वाँ निर्वाण दिवस समारोह अक्षय तृतीया 10 मई को प्रात: 8 से 9.15 बजे तक श्री भवानी निकेतन महाविद्यालय , पंजवन रॉय हॉल, सीकर रोड, जयपुर पर मनाया जायेगा।

समारोह में जयपुर शहर के कई नागरिक शेखावाटी के संस्थापक महाराव शेखाजी को श्रद्धासुमन अर्पित करने हेतु उपस्थित होंगे। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि शेखावाटी के भूभाग पर घाटवा के युद्ध में महाराव शेखाजी ने अपने दो सपुतों दुर्गाजी एवं पूरणजी के साथ नारी के सम्मान को कायम रखने के लिए अपने निकटत्तम संबंधियों से युद्ध कर बलिदान दिया तथा शेखाजी विश्व के इतिहास में धार्मिक सहिष्णुता के अनुकरणीय उदाहरण है। जिस वंश परम्परा को शेखावाटी के सपूतों ने न केवल आगे बढ़ाया बल्कि आज भी शेखावाटी को गर्व है कि भारतीय सेना में शेखावाटी के नौजवानों का जो प्रतिनिधित्व है, उसको देश भुला नहीं सकता। युद्ध कौशल के धनी देश और धर्म के लिए मर मिटने वाले भारतीय सेना के सर्वोच्च सम्मान परम वीर चक्र विजेता हवलदार पीरू सिंह शेखावत तथा महावीर चक्र, वीर चक्र, शौर्य चक्र और सेना मैडल प्राप्त करने वाले योद्धाओं की बहुत लम्बी सूची शेखावाटी को गौरवान्वित करती है।

भारतीय सेना में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कमिश्नड ऑफीसर के रूप में बढ़ाने के लिए महाराव शेखाजी की निर्वाण स्थली रलावता जिला सीकर पर महाराव शेखाजी सशस्त्र बल प्रशिक्षण अकादमी का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होने की ओर है, जहाँ पर भारतीय सेना में ऑफीसर रैंक में प्रवेश के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है, जो प्रदेश के लिए सौभाग्य का विषय है।

नाबालिग से ज्यादती करने वाले युवक को सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने 15 साल की बीमार पीडिता के साथ ज्यादती करने वाले अभियुक्त कंपाउंडर दिनेश कुमार महावर को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने तीस वर्षीय इस अभियुक्त पर 35 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि अभियुक्त ने इंजेक्शन लगाने के दौरान उसके साथ ज्यादती की है। ऐसे में अभियुक्त का कृत्य दुष्कर्म की श्रेणी में ही माना जाएगा। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता की मां ने 26 दिसंबर, 2019 को शिप्रा पथ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी बेटी की कुछ दिनों से तबीयत खराब चल रही है। दोपहर के समय वह अपनी बडी बेटी को पास के अस्पताल में कंपाउंडर दिनेश कुमार से इंजेक्शन लगाने का कहकर दूसरे मकान पर गई थी। अभियुक्त ने इंजेक्शन लगाने के दौरान कमरे में मौजूद उसके बेटे को बाहर भेज दिया और पीडिता के साथ ज्यादती की। परिजनों के देखने पर पीडिता लहूलुहान हालत में कराह रही थी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं ट्रायल के दौरान अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया गया है और उसने पीडिता के साथ किसी तरह का अपराध नहीं किया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

डिफेक्टिव मशीन बेचने वाली कंपनी पर हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-प्रथम ने कान में सुनने के लिए लगाई हियरिंग एड मशीन डिफेक्टिव बेचने को सेवादोष करार देते हुए विपक्षी कंपनी एम्लीफोन इंडिया लि. पर 5 हजार रुपए हर्जाना लगाया है। वहीं मशीन की कीमत 47 हजार रुपए की सब-स्टेण्टर्ड कीमत 35,250 रुपए मानते हुए उसे भी 9 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाने के लिए कहा है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. सूबेसिंह यादव व सदस्य नीलम शर्मा ने यह आदेश एमके शर्मा के परिवाद पर दिया।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी ने कान में लगाने वाली हियरिंग एड मशीन 31 दिसम्बर, 2019 को विपक्षी कंपनी से डिस्काउंट के बाद 47 हजार रुपए में खरीदी थी। यह मशीन डिफेक्टिव थी और कान में उसे लगाने के बाद भी साफ सुनाई नहीं देता था। कंपनी में शिकायत करने पर उसे सुधारने के कई प्रयास किए, लेकिन 22 चक्कर लगाने के बाद भी वह सुधरी नहीं।

इसे परिवादी ने उपभोक्ता अदालत में चुनौती देते हुए मशीन बदलवाने व उसे हुई परेशानी के लिए हर्जा-खर्चा दिलवाने का आग्रह किया। जवाब में कंपनी ने कहा कि उनकी मशीन में कोई भी डिफेक्ट नहीं था।

जयपुर बम ब्लास्ट मामले में 3 गवाहों की दुबारा मुख्य परीक्षा की मंजूरी दी

विशेष अदालत ने राज्य सरकार को 5 हजार रुपए के हर्जाने की शर्त पर यह मंजूरी दी है

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर बम धमाकों की विशेष अदालत ने वर्ष 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के दौरान जिंदा मिले बम के मामले में राज्य सरकार को तीन गवाहों की मुख्य परीक्षा की मंजूरी 5 हजार रुपए हर्जाने की शर्त पर दी है। कोर्ट ने यह आदेश राज्य सरकार के प्रार्थना पत्रों पर दिए। कोर्ट ने जिन गवाहों की मुख्य परीक्षा की मंजूरी दी है उनमें दिल्ली की स्पेशल सेल के तत्कालीन एसीपी संजीव कुमार यादव, मौजूदा एसीपी राहुल कुमार सिंह व इंस्पेक्टर रविन्द्र सिंह त्यागी शामिल हैं।

राज्य सरकार ने प्रार्थना पत्रों में कहा कि ये गवाह इस मामले से जुड़े पूरक आरोप पत्र के साक्षी हैं और उनसे संबंधित दस्तावेजों को प्रदर्श करवाना है। ऐसे में उन्हें मुख्य परीक्षा के लिए बुलवाए जाने की मंजूरी दी जाए। इसके विरोध में आरोपियों के अधिवक्ता मिनहाजुल हक ने कहा कि राज्य सरकार ने इस केस में दस साल बाद चालान पेश किया है। वहीं आरोपियों के न्यायिक हिरासत में होते हुए भी इतने सालों में भी ना तो उनसे पूछताछ की गई और ना ही गिरफ्तार किया गया था। राज्य सरकार ने जिन गवाहों से मुख्य परीक्षा कर ली है, अब दुबारा इसकी जरूरत नहीं है और इससे केस की ट्रायल में देरी होगी। इसलिए राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र को खारिज किया जाए। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर राज्य सरकार को 5 हजार रुपए हर्जाने की शर्त पर तीनों गवाहों की मुख्य परीक्षा करवाने की मंजूरी दी है।

बेकरी व्यवसाय फर्म का निरीक्षण कर नमूने लिए

जयपुर । खाद्य सुरक्षा आयुक्त व्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के निर्देशन में गुरुवार को अधिकारियों के दल ने क्षेत्र में बेकरी खाद्य व्यवसाय फर्म पर निरीक्षण एवं खाद्य नमूनीकरण की कार्रवाई की गई।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय हंसराज भदालिया ने बताया कि गुरुवार को साईनाथ बेकर्स गोनेर रोड जयपुर से बर्गर और टोस्ट का नमूना लिया गया और न्यू जनता बेकरी, माली की कोठी आगरा रोड से टोस्ट, सोया तेल और मैदा का नमूना लिया। दोनों फर्म में बेतहाशा गंदगी पाई जाने और अनेक मानकों की अवहेलना पाए जाने पर इंप्रूवमेंट नोटिस दिए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। लिए गए नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाया गया है। जांच रिपोर्ट आने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। अतिरिक्त कमिश्नर पंकज ओझा ने बताया कि झोटवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित राधे बेकर्स की फैक्ट्री पर छापा मारकर इसे सीज कियया। यहां बड़ी मात्रा में बेकरी में उपयोग होने वाले फूड कलर के डब्बे मिले, जिन पर मैन्युफेक्चरिंग और एक्सपायरी डेट नहीं थी। फैक्ट्री में बने केक में मक्खियां और कीडे मिले। टीम ने 15 किलोग्राम केक को नष्ट करवाया। पेस्ट्री और पेटीज बनाने में उपयोग आने वाली लोहे की ट्रे भी काफी गंदी थी, ऐसा लगा मानों इन्हें कई सालों से साफ नहीं किया। फैक्ट्री में जगह-जगह चूहे घूमते दिखाई दिए।

15 लाख की लूट का षड्यंत्र रचने वाले 3 गिरफ्तार

जयपुर । अशोक नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर दक्षिण (डीएसटी) कार्रवाई करते हुए 24 अप्रैल को थाना इलाके के युधिष्ठिर मार्ग स्थित ट्रेडिंग कार्यालय में घुसकर दो बदमाशों द्वारा हथियारों के दम पर पन्द्रह लाख रुपए लूट के मामले में खुलासा करते हुए लूट की वारदात करने वाले तीन षडयंत्रकारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि वारदात के समय मौजूद महिला कर्मचारी ने अपने दो साथियो के साथ लूट की वारदात का षड्यंत्र रचा था। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से लूट करने वाले आरोपी,हथियार सहित लूट की राशि के संबंध में पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) दिगंत आनंद ने बताया कि 24 अप्रैल को थाना इलाके के युधिष्ठिर मार्ग स्थित ट्रेडिंग कार्यालय में घुसकर दो बदमाशों द्वारा हथियारों के दम पर पन्द्रह लाख रुपए लूट के मामले में अशोक नगर थाना पुलिस और डीएसटी दक्षिण ने कार्रवाई करते हुए साथ लूट की वारदात का षड्यंत्र रचने वाली महिला कर्मचारी शिप्रा गुप्ता (36) निवासी मुरलीपुरा जयपुर सहित उसके साथी मुकेश गुप्ता (25) निवासी मुरलीपुरा जयपुर और मनजीत सिंह राठौड़ (25) निवासी डीडवाना जिला जिला कुचामन-डीडवाना हाल हरमाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया है। वहीं लूट की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी जेबीआर ग्रुप के भरत सिंह और उसके साथी की तलाश की जा रही है।

अवैध संबंधों में बाधा बने पति को मौत के घाट उतारा

पत्नी और उसके प्रेमी ने तकिए से मुंह दबाकर पति की जान ली

जयपुर। करधनी इलाके में सीवर टैंक में मिले युवक के शव के मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को अरेस्ट किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि महिला ने अवैध संबंधों में बाधा बनने पर अपने प्रेमी के साथ मिलकर रात को सोते समय तकिए से मुंह दबाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद दोनों ने मिलकर शव को सीवर टैंक में डाल दिया।

पुलिस ने बताया कि मूलत: पीलीभीत यूपी निवासी जान मोहम्मद का शव घर के नजदीक सीवरेज टैंक में शव मिला था। मृतक करीब एक सप्ताह से लापता बताया जा रहा था। जान मोहम्मद को उसकी पत्नी और महिला के प्रेमी ने मिलकर रात को सोते समय तकिए से गला घोट कर मार दिया और फिर उसके शव को सीवरेज टैंक में डाल दिया। बुधवार को बदबू आने पर स्थानीय लोगों ने जानकारी दी तो उसमें जान मोहम्मद का शव मिला था। महिला का प्रेमी मृतक के गांव का ही रहने वाला है इस कारण वह लम्बे समय से यहीं पर रहा था। महिला और उसके प्रेमी के बीच करीब तीन साल से अवैध संबंध थे। जब इसकी जानकारी जान मोहम्मद को लगी तो उसने इसका विरोध किया और महिला के प्रेमी को घर से निकाल दिया। इस पर महिला और उसके प्रेमी ने मिलकर उसे जान से मारने की योजना बनाई। जान मोहम्मद के सोते ही दोनों ने मिलकर तकिए से मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी।

लॉरेंस विश्नोई गैंग का एक गुर्गा जयपुर से पकड़ा

जयपुर। राजस्थान सहित देश के सात राज्यों में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और लॉरेंस विश्नोई के सिंडिकेट पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक साथ कार्रवाई कर 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें जयपुर से भी एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इन बदमाशों के पास से 7 पिस्टल, 31 कारतूस और 11 मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

बुधवार सुबह से शाम तक दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार में रेड की गई थी। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार सभी आरोपी एक-दूसरे के संपर्क में थे।

2200 करोड़ रु. की लागत से जयपुर में 2 नए एलिवेटेड रोड, 4 फ्लाई ओवर और 3 ओवर ब्रिज बनाने की तैयारी!

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में 2200 करोड़ की लागत से 2 नए एलिवेटेड रोड, चार फ्लाई ओवर, तीन रेलवे ओवर ब्रिज बनाने के साथ ही सड़कों को चौड़ा करने और नए गार्डन विकसित करने का खाका तैयार कर लिया है। जयपुर विकास प्राधिकरण ने शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए यह प्लान तैयार किया है। इन तमाम प्रोजेक्ट्स की अनुमानित लागत 2200 करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। ऐसे में इन प्रोजेक्ट्स पर जेडीए अधिकारियों द्वारा लोकसभा चुनाव की आचार संहिता हटने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा के साथ-साथ स्थानीय मंत्री-विधायकों से चर्चा के बाद शुरू किया जाएगा।दरअसल, फिलहाल प्रदेश में लोकसभा चुनाव की वजह से आचार संहिता लागू है। इसकी वजह से सरकार इस वक्त ना तो नया प्रोजेक्ट्स शुरू कर सकती है। ना ही किसी नए प्रोजेक्ट की घोषणा कर सकती है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद सरकार नए प्रोजेक्ट्स की शुरुआत कर सकती है। माना जा रहा है कि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी इसी साल पूर्ण बजट भी पेश कर सकती है। ऐसे में जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकतर प्रोजेक्ट की घोषणा बजट में संभव है। सूत्रों की मानें तो करीब 1100 करोड़ रुपए की लागत से अंबेडकर सर्किल से ओ.टी.एस. चौराहा होते हुए जवाहर सर्किल तक एलिवेटेड रोड प्रस्तावित है। इस 9 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड के निर्माण से इस रूट पर लगने वाले जाम और ट्रैफिक लाइट्स से आम जनता को राहत मिल सकती है।

बाइक सवार टक्कर मारकर हुआ फरार

खेतड़ी, (निसं) सिंघाना कस्बे में देर रात को एक पिकअप ड्राइवर ने शराब के नशे में पिकअप दौड़ा कर अफरा तफरी मचा दी। इस दौरान उसने एक बाइक सवार राहगीर को टक्कर मारकर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार एक पीकअप चालक शराब के नशे में धुत्त होकर सिंघाना सर्किल से नारनौल रोड की तरफ तेजी से आया। जब वह बुहाना बस स्टैंड पहुंचा तो पीकअप अनियंत्रित हो गई। अनियंत्रित पीकअप ने सामने से आ रहे एक बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। बाइक को टक्कर मारने के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। इस दौरान मौजूद लोगों ने पिकअप को रूकवा लिया। पीकअप गाड़ी में सवार ड्राइवर शराब के नशे में धुत पीकअप गाड़ी में ही बैठा रहा। इसी दौरान जब लोगों ने पीकअप को साइड में खड़ी करने की बात कही तो पीकअप ड्राइवर ने गाड़ी को साइड में खड़ी करने की बजाय फिल्मी स्टाइल में भीड़ के बीच में से गाड़ी को तेज गति से नारनौल की तरफ दौड़ाते हुए फरार हो गया। इस घटना से काफी देर तक बुहाना बस स्टैंड पर गहमागहमी का माहौल रहा। घटना की सूचना पर सिंघाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी जुटाई। थानाधिकारी कैलाश चंद यादव ने बताया कि पीकअप की टक्कर लगने से एक बाइक सवार को हल्की चोंटे आई।

'महाराणा प्रताप व सुभाष चन्द्र बोस के शौर्य से युवाओं को पुनः अवगत करायें'

महापुरुषों ने त्याग एवं बलिदान से शौर्य की गाथा लिखी थी : राजेश सिंह

खेतड़ी,(निसं)।कस्बे के राजा अजीत स्मृति पार्क में गुरुवार को महाराणा प्रताप जयंती मनाई गई। इस दौरान युवाओं ने हरियाणा सीमा के बसई गांव से लेकर खेतड़ी तक बाइक रैली निकाली गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश सिंह निर्वाण, विशिष्ट अतिथि राजपूत युवा महासभा अध्यक्ष हरिओम सिंह उसरिया, सुरेंद्र सिंह फौजी थे, जबकि

- **युवाओं ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा के सामने केक काटकर उनकी जयंती मनाई**

खेतड़ी के राजा अजीत स्मृति पार्क में महाराणा प्रताप जयंती मनाई ।

अध्यक्षता पूर्व सरपंच वीर सिंह ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश सिंह निर्वाण ने कहा कि महापुरुषों ने त्याग एवं बलिदान से शौर्य की गाथा लिखी थी। आज भी महापुरुषों के जीवन में अनेक प्रकार के उदाहरण उनके बलिदान और त्याग के देखने को मिल जाएंगे। मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महापुरुषों ने देश को आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा दी थी। ऐसे महापुरुषों को याद करके युवाओं को उनके शौर्य से अवगत कराना चाहिए। वहीं युवाओं को भी हमारे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके आदर्शों पर चलने का चाहिए। भारत की आजादी में सुभाष चंद्र बोस,महाराणाप्रताप, शिवाजी राव, रानी लक्ष्मीबाई, शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद सहित अनेक महापुरुषो ने अहम भूमिका निभाई। जिन्होंने देश के नागरिकों को बेहतर जीवन देने के लिए अपने जीवन का बलिदान दे दिया था। इस दौरान युवाओं ने महाराणा प्रतापअमर रहे का नारा लगाते हुए उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनको याद किया। वहीं युवाओं ने महाराणा प्रतापकी प्रतिमा के सामने केक काटकर उनकी जयंती मनाई। इस दौरान युवाओं से उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का आव्होन किया। इस मौके पर श्योलाल सिंह, ओमप्रकाश , कैप्टन सुमेर , संदीप , पंस सदस्य सुमित , संदीप, अशोक , टींकू, विकास , राहुल निर्वाण, नरेश ,विजय रवि, धर्मवीर सिंह, महीपाल , विक्रम सहित अनेक लोग मौजूद थे।

हीटवेव के लिए एंबुलेंस से की मॉकड्रिल

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी कस्बे के राजकीय उप जिला अस्पताल में गुरुवार को हीटवेव से होने वाली बिमारियों को लेकर माकड्रिल की गई। इस दौरानबढ़ते तापमान और लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर सेकी जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई। अस्पताल में के इमरजेंसी रुम को विशेष रूप से तैयार किया गया है। इस दौरान मार्क ड्रिल करते हुए पीएमओ डॉ अक्षय कुमार शर्मा ने कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए है। अस्पताल के इमरजेंसी, जनरल वार्ड की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया है। मॉक ड्रिल के दौरान 108 के ड्राइवर अजीत सिंह व ईएमटी सुभाष चौधरी तुरंत एंबुलेंस लेकर मौके पर पहुंचे। हीट स्ट्रॉक से पीड़ित रोगियों को आइसोलेटेड कर उनका इलाज किया जाएगा। पीएमओ डॉ अक्षय कुमार शर्मा ने बताया कि मई व जून के महीने में तेज गर्मी के दौरान सुबह दस बजे बाद गर्म हवा के थपेड़े शुरू हो जाते हैं। इससे लोग डिहाइड्रेशन के शिकार हो जाते है। आने वाले दिनों में हीट वेव के प्रभाव से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार जागरूक किया जा रहा है। गर्मी में अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं घूमने की सलाह दी जा रही है। सुबह दस बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक धूप से बचे तथा किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तुरंत अस्पताल पहुंचकर उपचार करवाए।

सार-समाचार

अधिकारी को ज्ञापन दिया

तारानगर,(निसं)। तारानगर क्षेत्र में चल रही पेयजल समस्या को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी रवि कुमार को ज्ञापन देकर समस्या के समाधान करवाने का निवेदन किया। किसान सभा के राज्य कमेटी सदस्य कामरेड निर्मल कुमार ने बताया कि, पिछले 10 दिनों से तारानगर शहर व ग्रामीण क्षेत्र में भयंकर जल संकट गहरा रहा है जिससे आमजन तृस्त है। निर्मल कुमार ने स्थानीय प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन की अनदेखी के कारण क्षेत्र में पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है यदि 1-2 दिन में उक्त समस्या का समाधान नहीं हुआ तो 13 मई सोमवार से क्षेत्र के लोगों को साथ लेकर जलदाय विभाग के सामने अनिश्चित समय के लिए धरने पर बैठेंगे। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य तिलोकाराम कस्वां, चिमनाराम पांडर, किशन शर्मा, सलीम खान, मुकेश शर्मा, कुनण बरोड़, अमरचंद पैंसिया आदि उपस्थित रहे।

क्रेशर एरिया में वाटर कूलर लगवाया

झुंझुनूं,(निसं)। श्रीराम शरणम स्टोन क्रेशर कंपनी के सौजन्य से श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के तत्वावधान में शीतल जल सेवा के लिए गुरुवार को मोडा पहाड़ क्रेशर एरिया में वाटर कूलर का शुभारंभ संस्था के ट्रस्टी परमेश्वर हलवाई द्वारा फीता खोलकर किया गया। शुभारंभ समारोह मे वाटर कूलर के दानदाता श्रीराम शरणम स्टोन क्रेशर कंपनी के नेमी अग्रवाल का श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था की ओर से श्री राम मंदिर अयोध्या का प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर क्रेशर एसोसिएशन के संजय टीबड़ा ने कहा कि वाटर कूलर से क्रेशर एरिया में रहने एवं काम करने वाले सभी लोगों को ठंडा जल इस भयंकर गर्मी में प्राप्त हो सकेगा। इस अवसर पर नेमी अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के ट्रस्टी परमेश्वर हलवाई, डॉ. डीएन तुलस्यान, सीए पवन केडिया, लॉयंस क्लब झुंझुनूं के स्पेशल केबिनेट सेक्रेटरी नरेंद्र व्यास, क्रेशर एसोसिएशन के संजय टीबड़ा, अशोक केडिया नीटू एवं राजवीर सिंह महला सहित अन्य जन उपस्थित थे।

सघन जांच अभियान जारी

पिलानी, (निसं)। गुरुवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने पिलानी में विक्रेताओं से बेकरी, मावा, घी के 6 नमूने लिए। सी.एम.एच.ओ. डॉ. राजकुमार डांगी ने बताया खाद्य सुरक्षा आयुक्त व जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा टीम ने रामदेव जी पेड़ेवाला व विजय बैकरी से नमूने लिए। उक्त कार्यवाही खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह व लालू यादव द्वारा की गई। संग्रहित किए गए नमूनों को राजकीय केंद्रीय जन स्वास्थ्य लैब जयपुर व चूरू में जमा करवाए जाएंगे। लैब से रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। उल्लेखनीय है कि, बुधवार को आयुक्त खाद्य सुरक्षा इकबाल खान ने सभी एफएसएफओ को मिलावट के खिलाफ कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए थे।

अस्पताल में मॉक ड्रिल हुई

झुंझुनूं, (निसं)। सीकेआरडी अस्पताल में गुरूवार दोपहर को अग्निशमन मॉक ड्रिल आयोजित की गई। ड्रिल आयोजित करने के लिए अस्पताल के एचआर मैनेजर रामनिवास जाखड़ और जनरल मैनेजर नरेंद्र माहिच द्वारा टीकेएन फायर एंड सेफ्टी एजेंसी के अग्निशमन पर्यवेक्षक अमीलाल के नेतृत्व में एक अग्निशमन टीम को बुलाया गया था। दोपहर को फायर अलार्म बजाया गया और कोड रेड सक्रिय किया गया। लिफ्टों को बंद कर दिया गया और ऊपरी मंजिलों से नीचे आने के लिए केवल सीढ़ियों का उपयोग किया गया। अस्पताल में मौजूद सभी कर्मचारियों और छात्रों को असेंबली पॉइंट के पास ग्राउंड फ्लोर पर इकट्ठा किया गया। ड्रिल के दौरान कुल 52 कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे।

छात्रा ने जीता गोल्ड मैडल

झुंझुनूं, (निसं)। मंडावा रोड स्थित द टैगोर स्कूल की छात्रा गुंजन पुत्री सुखवीर सिंह ने सीकर में आयोजित हुई अंडर 14 किक बॉक्सिंग में सफलता हासिल करते हुए गोल्ड मैडल जीता है। डायरेक्टर तरूण अहलावत ने बताया कि,छात्रा गुंजन शुरू से ही पढ़ाई के साथ खेलों में भी अग्रणी रही है। यही कारण है कि छात्रा ने प्रथम प्रयास में ही विद्यालय का नाम रोशन किया है। अहलावत ने बताया कि गोल्ड मैडल हासिल करने के बाद छात्रा का चयन राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए किया गया है। अहलावत ने छात्रा को बधाई देते हुए आगे भी अपना स्वर्णिम सफर जारी रखने के लिए प्रेरित किया

सखी सेंटर का निरीक्षण किया

झुंझुनूं,(निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झुंझुनूं की सचिव अंकित रमन द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर झुंझुनूं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रमन ने वहां की साफ-सफाई व्यवस्था, काउंसलर व अधिवक्ता की व्यवस्था, आगंतुक रजिस्टर आदि का भी मुआयना किया गया।

परशुराम जन्मोत्सव पर निकली रथ यात्रा

सीकर,(निसं)। भगवान परशुराम जन्मोंत्सव के अवसर पर गुरूवार को शहर मे भव्य रथयात्राा निकाली गई। रथ यात्रा संयोजक महंत विष्णु प्रसाद शर्मा ने बताया कि ब्राह्मण समाज की ओर से साधु संतो की अगुवाई मे रथ यात्रा निकाली गई। इसमें रैवासा धाम पीठाधीश्वर राघवाचार्य वेदांती, बऊधाम पीठाधीश्वर संत ओमनाथ, पालवास के महंत चंद्रमा दास, अघोरी बाबा शेलेन्द्रर नाथ, संत अमरदास महाराज, संत शत्रुनाथदास, संत दयाल दास आदि संत समाज का आर्शीवाद मिला।

परशुराम जयंती के मौके पर सीकर शहर मे दो दिवसीय कार्यक्रम होने जा रहे है। इस दौरान भगवान परशुराम की विशाल शोभायात्रा भी निकाली गई। जिसमें अलवर से आए कलाकार ने शानदार प्रस्ततियां दी।

सीकर के कल्याण मंदिर के महंत विष्णु प्रसाद शर्मा ने बताया कि परशुराम जयंती के अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज की ओर से दो दिवसीय कार्यक्रम किए जा रहे है। 9 मई को शाम 4 बजे सीकर के दधिमती मंदिर से भगवान परशुराम की विशाल शोभायात्रा निकाली गई।इस शोभायात्रा मे अलवर के कलाकार भगवान परशुराम सहित अन्य भगवान के भेष को धारण करके प्रस्तुतिया दी और साथ ही महा डीजे भी शामिल किया गया। शोभायात्रा तापडिय़ा बगीची, जाट बाजार, सूरजपोल गेट, अजमेर बस स्टैड, कल्याण मंदिर होते हुए परशुराम पार्क पहुचीं। शाम को परशुराम पार्क, रामलीला मैदान पर विशाल विप्र समागम हुआ। उसके बाद रंगीन आतिशबाजी के साथ भगवान परशुराम जन्मोत्सव की महाआरती हुई।साथ ही सर्वसमाज के प्रबुद्ध जनो एवं व्यापार मंडल के प्रतिनिधियो ने भी अपनी उपस्थिती से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई । इसके अगले दिन 10 मई को सभी कल्याण मंदिर पहुचंगे। जहां भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। यहां यज्ञ के साथ कार्यक्रम का समापन होगी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति के कार्यकर्ताओ की ओर से डोर टू डोर सम्र्पक कर निमत्रंण दिया जा रहा है। जिसमे सर्व बाह्मण समाज का सहयोग रहा।

अभियान जारी

झुंझुनूं, (निसं)। हिंदुस्तान स्काउट एवं गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं द्वारा बेजुबान पक्षियों के लिए बढ़ती गर्मी में चलाए जा रहे "कुछ पल बेज़ुबानों के लिए" अभियान के तहत मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अनसूईया सिंह एवं हिंदुस्तान स्काउट गाइड के सहायक राज्य संगठन आयुक्त प्रदीप ईशरवाल की उपस्थिति में परिंडे लगाए गए और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने कार्यालय कर्मचारी को निर्देशित किया की रोज इन परिंडो की सफाई कर इनमें पानी की व्यवस्था करते रहे। यह पुण्य का कार्य है। इस अवसर पर सहायक निदेशक अशोक कुमार जांगिड़, प्रशासनिक अधिकारी रामकिशन सैनी, एपीसी राजबाला, बलवीर सिंह हुड्डा, प्रतिभा, बबिता, शीशराम, प्रभुदयाल, अरुण कस्वां, रोवर लीडर सत्यवीर पूनियां, दयानंद, सुनील, रामसिंह, आशीष, नीरज सहित लोग मौजूद थे।

बेसिक प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण

झुंझुनूं,(निसं)। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं के तत्वावधान में हरकौरी देवी महिला महाविद्यालय झुंझुनूं में चल रहे सात दिवसीय स्काउट मास्टर एवं गाइड कैप्टन बेसिक प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण करने एडीईओ माध्यमिक उम्मेद सिंह महला पहुंचे।

एडीईओ महला ने कहा कि स्काउट हमें सहयोग सद्भावना और सेवा सिखाता है। उन्होंने कहा स्काउट सेवा और समर्पण का दूसरा नाम है। इसलिए यहां से प्रशिक्षित शिक्षक अपने अपने विद्यालय में जाकर स्काउटिंग की गतिविधियां सक्रिय रूप संचालित करें। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के सहायक राज्य संगठन आयुक्त प्रदीप ईशरवाल ने कहा कि वर्तमान दौर में शिक्षा और समाज के प्रेशर के बीच छात्र तनाव महसूस कर रहे हैं। इसलिए शिक्षक स्काउटिंग के माध्यम से खेल-खेल में उनको बहुत कुछ आसानी से सिखा सकते हैं। हिंदुस्तान स्काउट गाइड के सहायक जिला सचिव सुदीप कुमार ने कहा कि, स्काउटिंग के माध्यम से देश प्रेम, समाजसेवा एवं मानवसेवा के गुण विकसित होते हैं। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को चाहिए कि,वह विद्यालय में सक्रिय रूप से स्काउटिंग की गतिविधियां चलाएं। इस अवसर पर महिमा चौधरी, जयप्रकाश आलड़िया, गुलाबसिंह, धर्मवीर, दिनेश नेहरा, महेश गोठवाल, विक्रमसिंह, सुरेंद्रकुमार, जयसिंह, खजानी, रामनिवास, बबली स्वामी, सुनिता गुर्जर, लक्ष्मी गुर्जर, रामकला, तरुणा, कृष्ण , संदीप कुमार, लक्ष्मणराम, खुशबू, आशीष, देवेंद्र, नीरज कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

वाटर कूलर लगाये

बीदासर ,(निसं)। गर्मी के मौसम में आमजन की आवश्यकता व राहगीरों के उत्तम व्यवस्था के लिए बेगराज भंवरलाल चौरड़िया ट्रस्ट बीदासर के सौजन्य से जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता कार्यालय और दड़िबा पम्प हाउस दोनों जगहों पर वाटर कूलर लगाया गया। जिसके उद्घाटन आलसर के दूलाराम मेघवाल द्वारा किया गया।

- **जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता कार्यालय और दड़िबा पम्प हाउस दोनों जगहों पर वाटर कूलर लगाया गया**

इस अवसर पर समाजसेवी संदीप सुधार, जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता रविन पूनिया, फिटर राकेश बावरी, कालूराम सिहाग, अमित, विकास शर्मा, देवेंद्र पंवार आदि उपस्थित थे।

ट्रस्ट द्वारा दोनों जगहों पर वाटर कूलर लगाने पर कनिष्ठ अभियंता रविन पूनिया ने ट्रस्ट को साधुवाद दिया।वही ट्रस्ट द्वारा दो सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए। सी.बी.ई.ओ. संदीप व्यास ने बताया कि,संदीप सुथार की प्रेरणा से बेगराज भंवर लाल चौरड़िया ट्रस्ट ने राप्रावि अलाइ जोहड़ के 52 व राप्रावि नं 1 के 36 विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए। बैग वितरण कार्यक्रम में संस्थाप्रधान अर्चना कौशिक व रामेश्वर लाल चौहान उपस्थित थे।

फायरिंग मामले में पुलिस को मिली पहली सफलता

- **फायरिंग करने वालों का सहयोग करने वाले चार जनों को किया गिरफ्तार**

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। कस्बे में दिन दहाड़े व्यापारी पर फायरिंग कर 50 लाख रूपए की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पहली सफलता प्राप्त कर ली है।

इस मामले में वारदात करने वाले आरोपियों का सहयोग करने वाले चार युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एसपी राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि, जिला स्पेशल टीम और गुढ़ागौड़जी पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों का सहयोग करने वाले सीकर जिले के बलारां थाना इलाके के पालड़ी गांव निवासी विशाल योगी, लक्ष्मीचंद उर्फ आजाद जाट तथा योगेश कुमावत के अलावा दादिया थाना इलाके के कुडली निवासी प्रकाश उर्फ अंकित योगी को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से लक्ष्मीचंद उर्फ आजाद पूर्व में इसी व्यापारी जितेंद्र गोयल के भाई से लूट करने के मामले में भी शामिल था। पुलिस ने इसके अलावा वारदात में काम ली गई एक अपाची बाइक और और वारदात के बाद फरार होने में काम ली गई कैंपर गाड़ी को भी जब्त कर लिया है। इधर, सूत्रों की मानें तो पुलिस ने इस मामले में शामिल आरोपियों को भी प्रारंभिक तौर पर नामजद कर लिया है। इनमें पूर्व में व्यापारी के भाई के साथ लूट की घटना कारित करने वाले बाय निवासी कपिल शर्मा मुख्य है। जो इस बार भी फायरिंग करने वालों में शामिल था। आरोपी कपिल अभी चूरू के रतनगढ़ में रह रहा है। बदमाशों ने वारदात और उसके बाद भागने का पूरा प्लान बना रखा था और इसी कारण ये भागने में कामयाब भी हो गए। जानकारी में यह भी सामने आया है कि दुकानदार जितेंद्र गुप्ता पर फायरिंग करने के बाद तीनों बदमाश नवलगढ़ तक बाइक पर ही गए थे। मास्टर माइंड कपिल ने भागने के लिए अपने पुराने साथी आजाद से नवलगढ़ में कैंपर गाड़ी का पहले से ही इंतजाम करवा रखा था। नवलगढ़ से बदमाश इस कैंपर से सीकर तक पहुंचे थे और वहां से बसों से बैठकर फरार हो गए। सामने यह भी आया है कि मुख्य आरोपी कपिल ने अपने साथी के साथ मिलकर पिछले महीने आठ अप्रेल को ही सीकर में 4.60 लाख रूपयों की लूट की वारदात को अंजाम दे चुका है। जिसमें सीकर पुलिस को कपिल की तलाश है। इधर, पुलिस ने पीड़ित परिवार की सुरक्षा के लिए दुकान पर दो तथा घर पर रात्रि को पांच हथियार बंद जवान तैनात कर दिए गए हैं।

सात दिवसीय कब एवं स्काउट यूनिट लीडर बेसिक कोर्स का समापन

सीईओ जिला परिषद ने स्काउट शिविर का विजिट किया

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय कब एवं स्काउट यूनिट लीडर बेसिक कोर्स के समापन समारोह पर आयोजित विशाल शिविर ज्वाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद अंबालाल मीणा ने कहा कि स्काउटिंग के माध्यम से बालको बालिकाओं में संस्कारों का बीजारोपण किया जाता है।

स्काउट गाइड समाज में रचनात्मक कार्य करते हुए आमजन में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए हैं। इस दौरान मीणा ने स्काउट गाइड द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी प्राप्त करते हुए उपस्थित शिक्षकों को कहा कि हमें स्वच्छ भारत एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यक्रम में कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करना है ताकि अपने भविष्य को संवार कर मानव जीवन को उज्जवल बनाया जा सके। सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि इस दौरान अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद आबूसरिया ने कहा कि, स्काउट गाइड जीवन जीने की कला सिखाता है तथा इसके माध्यम

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय कब एवं स्काउट यूनिट लीडर बेसिक कोर्स का समापन समारोह आयोजित।

से विद्यालयों में बेहतरीन कार्य किया जा रहे हैं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य निराधनू राजेंद्र कपूरिया ने संबोधित करते हुए कहा कि देश, समाज में आपदाएं संकट के समय स्काउट गाइड्स हर समय सेवा कार्यों को तैयार रहते हैं और उन्होंने स्काउट द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की। सीओ स्काउट महेश कलावत ने बताया कि

- **रात्रि शिविर ज्वाल कार्यक्रम में झूमे शिविरार्थी**

कार्यक्रम के दौरान आखातीज अबूझ सावा को लेकर शादी के दृश्य पर नाटक आयोजित किया गया एवं संदेश दिया गया कि लड़का लड़की के बालिग होने पर ही शादी करनी चाहिए। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, हास्य नाटिका एवं स्काउट की विभिन्न विधाओं को लेकर जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण जैसे लघु नाटकों के साथ-साथ राजस्थानी लोक नृत्य एवं लोक गीतों की बेहतरीन प्रस्तुति स्काउट गाइड शिक्षकों द्वारा दी गई। जिसकी अतिथियों ने सराहना की गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सौंथली सतपाल मीणा, डॉ. नवीन ढाका, उमेश रोहिल्ला, ताराचंद यादव, शिविर संचालक रामावतार सबलानिया, सहायक संचालक शिवप्रसाद, मूलचंद , मनोहरलाल रणवां, निरंजनलाल शर्मा, रामाकिशन सैनी, मक्खनलाल सहित प्रशिक्षु शिक्षक उपस्थित रहे। अतिथियों का डॉ. नवीन ढाका द्वारा आभार प्रकट किया गया एवं कार्यक्रम का संचालन निरंजन शर्मा ने किया।

परिंदों के लिए परिंडे एवं बर्ड फीडर लगाए

बीदासर ,(निसं)। पारिस्थितिकी विकास एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्ड लाइफ सोसायटी एवं नगर पालिका बीदासर के संयुक्त प्रयास से गुरुवार को नगर पालिका कार्यालय एवं गढ़ परिसर के आसपास के क्षेत्र में पानी के परिंडे एवं बर्ड फीडर लगाएं गए। सोसायटी के अध्यक्ष कन्हैयालाल स्वामी ने बताया की, इस मौसम में भीषण गर्मी के चलते पानी व चुग्गे के अभाव में सैंकड़ों पक्षी काल कवलित हो रहे है। पक्षियों की जान बचाने के लिए नगर पालिका बीदासर के साथ मिलकर परिंदों के पानी पीने के लिए परिंडे एवं चुग्गें के लिए बर्ड फीडर लगाए गए। जो पक्षियों के लिए मददगार साबित होंगे। इस अवसर पर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी सोहनलाल नायक ने राज्य सरकार द्वारा इस दिशा में किये जा रहे सराहनीय प्रयास का हवाला देते हुए आमजन से अपील करते हुए निवेदन किया कि गर्मी के मौसम में अपने घरों के आस पास पानी एवं चुग्गे की व्यवस्था बनाए रखे ताकि हम इन पंछियों का जीवन बचाने में अपनी भूमिका निभा सके। कार्यक्रम में नगरपालिका सहायक अभियंता मुकेश कुमार स्वामी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी कमलेश शर्मा, सोसायटी के सदस्य देवकीनंदन भाटी, जयप्रकाश बेंगानी सहित कस्बे के नागरिकगण उपस्थित रहे।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

उदयपुरवाटी के कोट गांव की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती मनाते।

उदयपुरवाटी ,(निसं)। उदयपुरवाटी के कोट गांव की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती प्रधानाचार्य महेंद्र जांगिड़ की अध्यक्षता में समारोहपूर्वक मनाई गई ।

समारोह में उपस्थित जनों ने महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी । इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट मोतीलाल सैनी ने कहा कि, वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का जीवन पराक्रम, स्वाभिमान और शौर्य का प्रतीक था, उन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर कर दिया था । महाराणा प्रताप का जीवन संघर्ष हर भारतीय नागरिक को देशभक्ति और

- **देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का दिया संदेश**

राष्ट्रप्रेम का संदेश देता है । कार्यक्रम के अध्यक्ष महेंद्र जांगिड़ ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हमें त्याग, समर्पण, अदम्य साहस एवं आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है । लक्ष्मण सिंह सैनी ने कहा कि महाराणा प्रताप देश के महान योद्धा थे । इस दौरान लक्ष्मण सिंह सैनी, बलराम गुर्जर, रामावतार सैनी, विक्रम सिंह बजावा, प्रताप सिंह खेदड़, राजेन्द्र प्रसाद सैनी, अमरसिंह मीणा, सुशीला देवी, अमित भारद्वाज, गोपाल सैनी सहित कई मौजूद रहे ।

विराट कोहली सबसे बेहतरीन बल्लेबाज है। पिछले साल आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप में विराट कोहली ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए थे।वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। 2021 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। - युवराज सिंह

भारत के दिग्गज ऑलराउंडर, कोहली के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

वनिंदु हसरंगा

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में अगले महीने शुरू होने वाले टी-20 विश्वकप के लिए वनिंदु हसरंगा को टीम का कप्तान बनाया है। श्रीलंका टी-20 विश्वकप में ग्रुप डी में बंगलादेश, नेपाल, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका के साथ है। श्रीलंका अपना पहला मुकाबला तीन जून को न्यूयार्क में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेंगा। इसके बाद उन्हें दल्लास में आठ जून को अगला मैच खेलेंगे। उनके आखिरी दो ग्रुप मैच फ्लोरिडा में 12 जून को नेपाल के साथ और 18 जून को सेंट लूसिया में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... 8 दिसंबर 1981 को ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच निर्धारित मैच विद्युत कर्मचारियों की हड़ताल के कारण रद्द कर दिया गया था।

पंजाब आईपीएल की प्लेऑफ रेस से बाहर, बेंगलुरु ने 60 रन से हराया

विराट कोहली शतक से चूके, सिराज को तीन विकेट मिले, बेंगलुरु की लगातार चौथी जीत

धर्मशाला 9 मई। पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (2024) में गुरुवार को प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई। टीम को अपने होमग्राउंड धर्मशाला में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 60 रन से हराया। इस जीत से बेंगलुरु ने अपने प्लेऑफ में क्वालिफाई होने की उम्मीदों को बरकरार रखा।

स्टेडियम में पंजाब ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 241 रन बनाए। विराट कोहली ने 92, रजत पाटीदार ने 55 और कैमरन ग्रीन ने 46 रन बनाए। पंजाब से हर्षल पटेल ने 3 और विद्वत कवेरप्पा ने 2 विकेट लिए। पंजाब किंग्स 17 ओवर में 181 रन बनाकर सिमट गई। टीम से राइली रुसो ने 61 रन बनाए। वहीं शशांक सिंह 37, जॉनी बेयरस्टो 27 और सैम करन 22 ही रन बना सके। बेंगलुरु से मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट झटके। कर्ण शर्मा, स्वप्निल सिंह और लॉकी फर्ग्यूसन ने 2-2 विकेट लिए।

आज यहां हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही और उसने तीसरे ओवर में ही कप्तान फाफ डुप्लेसी (9) का विकेट गवां दिया। उन्हें विधवत कावेरप्पा ने आउट किया। इसके बाद पांचवें ओवर में विधवत कावेरप्पा ने विल जैक्स (12) को भी शशांक के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। विराट कोहली और रजत पाटीदार ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिये 76 रनों की साझेदारी की। पाटीदार ने 23 गेंदों में तीन चौके और छह छक्कों की मदद से तूफानी अंदाज में 55 रन बनाये। वहीं विराट कोहली ने 47 गेंदों में सात चौके और छह छक्के लगाते हुए 92 रनों की पारी खेली। दिनेश कार्तिक (18), महिपाल लोमरोर (शून्य) पर आउट हुये।

बजरंग पुनिया को विश्व कुश्ती महासंघ ने एक साल के लिए किया सस्पेंड

नई दिल्ली, 9 मई। पहलवान बजरंग पुनिया की मुश्किल कम होने की बजाय लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं अब उनके सैंपल देने से इनकार करने के मामले में द्वारा अस्थायी निलंबित किए जाने के बाद अब विश्व कुश्ती महासंघ ने भी उन्हें इस साल के अंत तक सस्पेंड कर दिया है। हालांकि, भारतीय खेल प्राधिकरण ने के आदेश के बावजूद विदेश में उनकी ट्रेनिंग के लिए लगभग 9 लाख रुपये की मंजूरी दी है।

बता दें कि, देश के सबसे सफल पहलवानों में से एक बजरंग को नाडा ने 23 अप्रैल को निलंबित किया था। उन्हें इससे पहले 18 अप्रैल को रहने के स्थान संबंधी नियम के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया गया था। अपने बचाव में टोक्यों ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग ने कहा था कि उन्होंने कभी परीक्षण के लिए नमूना देने से इनकार नहीं किया लेकिन डोप नियंत्रण अधिकारी से सिर्फ इतना पूछा कि वह नमूना लेने के लिए लाई गई 'एक्सपायर्ड किट' के बारे में विस्तार से बताएं।

बजरंग ने पीटीआई को बताया कि उन्हें यूडब्ल्यूडब्ल्यू से निलंबन के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है लेकिन वैश्विक संचालन संस्था ने अपनी आंतरिक प्रणाली में अपडेट करते हुए स्पष्ट तौर पर जिक्र किया है कि वह निलंबित हैं। बजरंग के नवीनतम परिचय के अनुसार, ''उपरोक्त कारण से 31 दिसंबर 2024 तक निलंबित।'' इसमें कहा गया है, ''कथित एडीआरवी (डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन) के लिए नाडा भारत द्वारा अस्थाई तौर पर निलंबित।'' रोचक बात यह है कि मिशन ओलंपिक प्रकोष्ठ (एमओसी) को 25 अप्रैल की उसकी बैठक में सूचित किया गया कि बजरंग को रूस के दागेस्तान में 28 मई से ट्रेनिंग के उनके प्रस्ताव के लिए उड़ान किराए (वास्तविक) के अलावा आठ लाख 82 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

एमओसी बैठक की जानकारी के अनुसार बजरंग का शुरुआती प्रस्ताव 24 अप्रैल से 35 दिवसीय ट्रेनिंग का था लेकिन रहने के स्थान संबंधी नियम में विफलता के कारण विरोधाभासी यात्रा तारीखों को देखते हुए उन्होंने अपनी यात्रा को 24 अप्रैल 2024 से 28 मई 2024 तक टालने का फैसला किया। इस प्रस्ताव में उनके स्ट्रैंथ एवं अनुकूलन कोच काजी किरोन मुस्तफा हसन और उन्हें ट्रेनिंग कराने वाले जोड़ीदार जितेंदर की यात्रा भी शामिल थी।

साइ महानिदेशक संदीप प्रधान और टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना) के सीईओ कर्नल राकेश यादव ने उनकी ट्रेनिंग को स्वीकृति देने के फैसले के संदर्भ में पीटीआई के फोन या एसएमएस का कोई जवाब नहीं दिया। बजरंग ने पुष्टि की कि उन्होंने साइ को स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने साथ ही कहा कि उनका वकील नाडा को जवाब देगा। उन्होंने कहा, ''मैं हैरान हूं कि साइ ने इसे स्वीकृति दे दी। मैंने असल में अपनी योजना रद्द कर दी है।

हॉकी प्रो. लीग के यूरोप चरण के लिए भारतीय 24 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली, 9 मई। 22 मई से एफआईएच हॉकी प्रो लीग का आगाज होने जा रहा है। वहीं यूरोप चरण के लिए भारत की 24 सदस्यीय टीम की घोषणा हो चुकी है। जहां इस टीम की अगुवाई हरमनप्रीत सिंह करेंगे। वहीं भारत यूरोप चरण में कुल 8 मैच खेलेगा, टीम दो चरण के टूर्नामेंट में अर्जेन्टीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन से दो-दो मैच खेलेगी। पहला चरण 22 से 30 मई तक बेल्जियम के एंटवर्प में होगा जबकि दूसरा चरण लंदन में एक से 12 जून तक खेला जाएगा।

यह 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी के लिए काफी अहम प्रतियोगिता होगी और मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन को टीम को खेलों के महाकुंभ के लिए तैयार करने का मौका देगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की सरजमीं पर पांच टेस्ट की सीरीज में 0-5 की हार के बाद भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। भारत प्रो लीग तालिका में अभी आठ मैच में 15 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। नीदरलैंड 12 मैच में 26 अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया के आठ मैच में 20 अंक हैं।

आईपीएल के बाद दिव्यांगों के वर्ल्ड कप की तैयारी में जुटी नवाब नगरी

लखनऊ, 9 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की हाल ही में सफल मेजबानी के बाद क्रिकेट के दीवाने शहर लखनऊ में अब दिव्यांगों के विश्वकप की तैयारी शुरु हो चुकी है। नवाब नगरी में पहली बार आयोजित होने वाले दिव्यांग विश्वकप में पाकिस्तान और श्रीलंका समेत दुनिया की चुनिंदा आठ टीमें हिस्सा लेंगी। विश्वकप की सटीक तारीखों का ऐलान फिलहाल नहीं किया गया है मगर जोश खरोश से भरे दिव्यांग क्रिकेटरों का जलवा नवंबर महीने में देखने को मिल सकता है।

आयोजकों का कहना है कि खेल मंत्रालय से विश्वकप के आयोजन की अनुमति मिलने के बाद क्रिकेट खेलने वाले देशों से टीम भेजने के लिये संपर्क शुरु कर दिया गया है जिसमें से पाकिस्तान समेत कई मुल्कों ने आयोजन के प्रति अपनी गहरी दिलचस्पी का इजहार किया है। विश्व कप के आयोजन की घोषणा गुरुवार को दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया (डीसीसीबीआई) और एयूएम स्पोर्टेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने गुरुवार को यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में की।

एयूएम स्पोर्टेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और साईं बाबा के नाम से मशहूर अभिनेता दूरदर्शी औशिम खेत्रपाल और डीसीसीबीआई के संस्थापक और महासचिव हारून रशीद ने बताया कि टूर्नामेंट में मेजबान भारत सहित चुनिंदा आठ टीमें दो पूलों में प्रतिस्पर्धा करेंगी जिनके मध्य फाइनल सहित कुल 15 मैच होंगे जो लखनऊ वासियों के लिए किसी बोनांजा से कम नहीं होगा और निश्चित रूप से दुनिया भर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। उन्होंने बताया कि पहले दिव्यांग क्रिकेट वर्ल्ड कप में भाग लेने के लिए श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और केन्या सहित कुल 17 टीमों ने रूचि दिखाई है जिनमें आठ टीमों को इंट्री दी जायेगी। हारून रशीद ने बताया कि भारतीय दिव्यांग टीम ने हाल ही में प्रतिष्ठित एशिया कप जीतकर अपना लोहा मनवाया है। इसके साथ ही अब तक खेले गए 124 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में से भारतीय टीम ने 100 मैच जीते हैं।

उन्होंने बताया कि डीसीसीबीआई की स्थापना 2008 में की गई थी और इसके बाद से संस्था ने दिव्यांग क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अटूट समर्पण का प्रदर्शन किया है। वहीं दूरदर्शी औशिम खेत्रपाल के मार्गदर्शन में इस संयुक्त आयोजन का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर क्रिकेट और समावेशिता की भावना को प्रदर्शित करना है।

दोहा डायमंडल लीग के जरिये ओलंपिक की तैयारी शुरू करेंगे नीरज चोपड़ा और किशोर जेना

दोहा, 9 मई। ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा शुक्रवार को दोहा डायमंडल लीग के एक दिवसीय पहले चरण के जरिये पेरिस ओलंपिक की अपनी तैयारियां शुरू करेंगे। मौजूदा विश्व और एशियाई खेल चैम्पियन भारत के भालाफेंक स्टार चोपड़ा का सामना पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और ओलंपिक तथा विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश से होगा। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारत के किशोर जेना डायमंड लीग में पदार्पण करेंगे। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 87. 54 मीटर है जबकि चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ 89. 94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

यूरोपीय चैम्पियन जर्मनी के जूलियन वेबर भी दस खिलाड़ियों में शामिल है जो लीग में उतरेंगे। इसके बाद लीग का दूसरा चरण 19 मई को मोरक्को में होगा। चोपड़ा यहां गत चैम्पियन भी हैं जिन्होंने 2023 में वालेश और पीटर्स को हराया था। चोपड़ा ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा जारी विज्ञिप्त में कहा ,'' सफलता टीमवर्क पर निर्भर करती है। मेरे कोच और फिजियो का अपार योगदान है। कोच मेरी तकनीक की समीक्षा करते हैं और बताते हैं कि मेरे अनुकूल क्या होगा। हमारे पास स्ट्रेंथ ट्रेनिंग विशेषज्ञ भी है।'' पीटर्स ने 2022 में यहां 93 . 07 का थ्रो फेंका था। वहीं तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता वालेश 2023 डायमंड लीग चैम्पियन है और यहीं पर 2022 में उन्होंने 90 . 88 मीटर का थ्रो फेंका था।

भारत में खेलना मेरे लिए अच्छा रहेगा, लेकिन वहां कई समारोह भी होंगे : नीरज चोपड़ा

दोहा, 9 मई। अभ्यास के कारण अधिकतर विदेश में रहने वाले ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को स्वीकार किया कि उनकी स्टार खिलाड़ी की छवि भारत में उनके अभ्यास और प्रतिस्पर्धा में रोड़ा बन जाती है। मौजूदा विश्व और एशियाई खेलों के चैंपियन 26 वर्षीय चोपड़ा शुक्रवार को यहां डायमंड लीग के पहले चरण में हिस्सा लेंगे।

चोपड़ा ने प्रतियोगिता से पहलेसंवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मेरे लिए मेरा खेल सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। अगर मैं भारत में खेलता हूं तो यह मेरे प्रोफाइल के लिए अच्छा होगा लेकिन वहां कई समारोह और विवाह समारोह भी हैं। इसके अलावा मैं अपने परिवार और दोस्तों से भी मिलना चाहता हूं, लेकिन यह ओलंपिक वर्ष है और मेरे लिए अभ्यास करना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा,'' तोक्यो ओलंपिक से पहले मैं भारत में ही अभ्यास करता था लेकिन अभी मैं केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहता हूं। मैं बाद में भारत में अभ्यास करूंगा।''

चोपड़ा यहां से भारत जाएंगे जहां वह भुवनेश्वर में 12 से 15 मई के बीच होने वाले फेडरेशन कप में भाग लेंगे। पिछले तीन

साल में यह पहला अवसर होगा जबकि वह भारत में किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। वह जानते हैं कि भारत में उनका चेहरा जाना पहचाना है और उनकी उपस्थिति से किस तरह से देश में उनके खेल का महत्व बढ़ा। उन्होंने कहा,''यह विराट कोहली या महेंद्र सिंह धोनी जैसे क्रिकेटरों की तरह नहीं है लेकिन काफी लोग मुझे जानते हैं। मैं कभी-कभी भारत जाता हूं और लोग मुझे जानते हैं जो एथलेटिक्स के लिए अच्छा है। लोग एथलेटिक्स के बारे में जानते हैं और ओलंपिक स्वर्ण पदक के कारण एथलेटिक्स का अनुसरण करते हैं।''

अभिषेक शर्मा भारतीय क्रिकेट के लिये उम्दा प्रतिभा है : ट्रेविस हेड

हैदराबाद, 9 मई। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ आईपीएल के इतिहास में लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड बनाने वाले आस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने अभिषेक शर्मा को भारतीय क्रिकेट के लिये बेहतरीन प्रतिभा बताया है।

हेड (30 गेंद में नाबाद 89) और शर्मा (28 गेंद में नाबाद 75) ने 166 रन का लक्ष्य 9 . 4 ओवर में हासिल कर लिया। यह पुरूषों के टी10 क्रिकेट में दस ओवरों में रिकॉर्ड स्कोर है। हेड ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' अभि के साथ साझेदारी बेहतरीन थी। वह भारतीय क्रिकेट के लिये रोमांचक प्रतिभा है। हमारा तालमेल जबर्दस्त था और उसके साथ

खेलने में बहुत मजा आया। वह इतना ऊर्जावान है और अपने खेल को लेकर काफी सोचता है।''

अगले महीने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्व कप से पहले हेड ने आईपीएल में 11 पारियों में 201.89 की स्ट्राइक रेट से 533 रन बना लिये हैं। हेड ने कहा, ''आप हमेशा लगातार अच्छा खेलना चाहते हैं। अच्छा खेलकर सुखद अनुभूति होती है। यह वेस्टइंडीज में भी अच्छे प्रदर्शन की गारंटी नहीं है लेकिन इससे मेरा आत्मविश्वास बढा है। वेस्टइंडीज में स्पिनरों को खेलना होगा और विकेट कठिन हो सकते हैं। मुझे खुशी है कि मैं स्पिन को बखूबी खेल सका।

शर्मनाक हार के बाद केएल राहुल पर भड़के लखनऊ के मालिक

हैदराबाद, 9 मई। बुधवार को आईपीएल 2024 मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। केएल राहुल की अगुवाई में एलएसजी को 10 विकेट से हार मिली। लखनऊ के गेंदबाज हैदराबाद की बेहतरीन जोड़ी ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा को रोकने में नाकामयाब रहे। जिसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका काफी नाराज दिखे। इस दौरान उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है जिसमें वो कप्तान केएल राहुल के साथ बहस करते दिख रहे हैं। दरअसल, संजीव गोयनका अपनी टीम की इस हार से बेहद खफा हैं और वो केएल राहुल पर बहुद नाराज दिख रहे थे। उन्हें केएल राहुल से बहस करते हुए भी देखा जा सकता है।

सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से हुई अविश्वसनीय बल्लेबाजी : राहुल

हैदराबाद, 9 मई। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 57वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने जिस तरह की अविश्वसनीय बल्लेबाजी की उसे देकर ऐसा लगा रहा था कि इनके लिए 250 का स्कोर भी कम पड़ जाता।

लखनऊ और हैदराबाद के बीच बुधवार को खेले गये मैच के बाद राहुल ने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। हमने इस तरह की बल्लेबाजी टीवी में देखी थी, लेकिन आज जो हुआ वह अविश्वसनीय था। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि वह दोनों (हेड और अभिषेक) कितने बढ़िया ढंग से गेंद को हिट कर रहे थे। हर गेंद उनके बल्ले के बीचों

बीच जाकर लग रही थी और मुझे लगता है कि बड़े शॉट्स लगाने की इस क्षमता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत छुपी हुई है।

राहुल ने कहा कि उनकी टीम ने बेहद कम स्कोर बनाया था। राहुल के अनुसार अगर उनकी टीम ने स्कोरबोर्ड पर 250 का आंकड़ा छू लिया होता तब भी संभव है कि हैदराबाद उस लक्ष्य को हासिल कर लेती। हैदराबाद के बल्लेबाजों के सामने लखनऊ का तेज गेंदबाजी आक्रमण विफल साबित हुआ, वहीं स्पिनर्स का प्रदर्शन भी संतोषजनक नहीं रह पाया। प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेने के दौरान हेड ने कहा, स्पिन पर मैंने पिछले कुछ समय से काफी मेहनत की है। वेस्टइंडीज में होने वाले आगामी टी-20 विश्वकप में भी स्पिन का काफी रोल रहने वाला है।

मनिका बत्रा सऊदी स्मैश टूर्नामेंट में हिला एकल क्वार्टरफाइनल में हारी

जेद्दा, 9 मई। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को गुरुवार को सऊदी स्मैश टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जापान की पूर्व एशियाई चैंपियन हिना हयाता के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय अभियान समाप्त हो गया है।

आज यहां किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी के इनफिनिटी एरिना में मनिका बत्रा को 39 मिनट चले मुकाबले में हिना हयाता ने 4-1 (11-7, 6-11, 4-11,11-13, 2-11) से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि भारतीय टेबल टेनिस खिलाडी ने अपने मजबूत फोरहैंड का अच्छा इस्तेमाल करते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन हयाता ने फ्लैट रिटर्न के साथ बत्रा से लगातार गलतियां करवाते हुए बाद के चार गेम जीत लिए। इस हार के साथ ही सऊदी स्मैश 2024 में भारतीय अभियान समाप्त हो गया। उल्लेखनीय है कि सऊदी स्मैश में बत्रा का प्रदर्शन उन्हें पहली बार एकल रैंकिंग में शीर्ष 30 में ले जाएगा। मनिका ने पिछले वर्ष की शुरुआत में सर्वश्रेष्ठ एकल रैंकिंग 33 हासिल की थी।

एफआईएच हॉकी प्रो. लीग के लिये भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली, 9 मई। बेल्जियम और इंग्लैंड में आगामी 22 मई से शुरू ेहने वाली एफआईएच हॉकी प्रो. लीग 2023-24 के लिये 24 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी गयी। बेल्जियम चरण की शुरुआत 22 मई को होगी जिसका समापन 30 मई को होगा जबकि इंग्लैंड चरण एक जून को शुरू होकर 12 जून को समाप्त होगा। भारत 22 मई को अर्जेंटीना के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करते हुए दोनों चरणों में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ दो-दो बार खेलेगा। भारत फिलहाल आठ मैचों में 15 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। टीम की कमान कप्तान हरमनप्रीत सिंह संभालेंगे जबकि मिडफील्डर हार्दिक सिंह को उपकप्तान बनाया गया है। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी पीआर श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक पर होगी, जबकि रक्षा पंक्ति में जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह और विष्णुकांत सिंह शामिल हैं।

मिडफ़ील्ड में विवेक सागर प्रसाद, नीलकंठ शर्मा, मनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, राजकुमार पाल और मोहम्मद जैसे खिलाड़ी होंगे।

टीम चयन पर बोलते हुए मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हम शिविर में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं और एक-दूसरे के गेमप्ले की समझ विकसित की है। पेरिस ओलंपिक से पहले, हम शीर्ष गुणवत्ता वाली टीमों के खिलाफ खेलेंगे जिससे हमें अपने खेल को बेहतर बनाने और बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी।

गुजरात को हराकर प्लेऑफ का दावा पुख्ता करने उतरेगी चेन्नई

गुजरात, 9 मई। चोटों और अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के कारण प्रमुख खिलाड़ियों के बाहर होने के बावजूद चेन्नई सुपर किंग्स शुक्रवार को आईपीएल के 12वें दौर के मुकाबले में गुजरात टाइटंस को हराकर प्लेऑफ का अपना दावा पुख्ता करने के इरादे से उतरेगी। चेन्नई के 11 मैचों में 12 अंक है और गुजरात पर जीत उसके लिये बहुत महत्वपूर्ण होगी क्योंकि प्लेआफ में उसकी जगह अभी भी पक्की नहीं है और एक हार उस पर भारी पड़ सकती है। दीपक चाहर और मथीषा पथिराना चोटों के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं जबकि मुस्ताफिजूर रहमान बांग्लादेश के लिये खेलने चले गए हैं। अब चेन्नई के तीनों स्पिनरों रविंद्र जडेजा, मिशेल सेंटनेर और मोईन अली पर आक्रमण का दारोमदार होगा। चेन्नई ने धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ जिस तरह 167 रन बनाने के बाद मैच जीता, उससे प्रशंसकों की उम्मीदें बंधी होगी। गुजरात को हराकर चेन्नई अंकतालिका में सनराइजर्स हैदराबाद से ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच जायेगी। अभी तक जिन तीन टीमों के 12 अंक हैं , उनमें चेन्नई (प्लस 0 . 700) का रनरेट सबसे अच्छा है। गुजरात के 14 अंक हैं और वह दौड़ से पूरी तरह बाहर नहीं है।

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को 21 रनों से हराकर श्रृंखला 5-0 से जीती

सिलहट, 9 मई। दयालन हेमलता (37) और स्मृति मंधाना (33) रनों की पारियों और उसके बाद गेंदबाजी में राधा यादव के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को पांचवें टी-20 मैच में बंगलादेश की टीम को 21 रन से हराते हुए श्रृंखला 5-0 से अपने नाम कर ली है।

आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने बंगलादेश को 157 रनों का लक्ष्य दिया। भारत ने पांचवें ओवर में शफाली वर्मा (14) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद आठवें ओवर में स्मृति मंधाना 25 गेदों में (33) रन बनाकर पवेलियन लौट गयी। दयालन हेमलता 28 गेंदों मे दो चौके और दो छक्के लगाते हुये सर्वाधिक (37) रन बनाये। हरमप्रीत कौर (30) और रिचा घोष 28 रन बनाकर नाबाद रही।भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 156 रन बनाये।

बंगलादेश की ओर से राबेया खान और नाहिदा अख्तर ने दो-दो विकेट लिये। सुल्ताना खातून ने एक बल्लेबाज को आउट किया। 156 रनों के जवाब में मेजबान बंगलादेश की टीम के बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन रहा और वे भारतीय गेंदबाजी के आगे खुलके नहीं सके। बंगलादेश की टीम निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 135 रन ही बना सकी और मुकाबला 21 रन से हार गई। बंगलादेश का पहला विकेट तीसरे ओवर में शोबना मोस्तारी (13) के रूप में गिरा।

अगले ही ओवर में दिलारा अख़्तर (4) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। रूबया हैदर (20), निगार सुल्ताना(7), शोरना अख्तर (1) और ऋतु मोनी (37) रन बनाकर आउट हुई। शोरिफा खातून (28) और राबेया खान (14) बनाकर नाबाद रही। ऋतु मोनी और शोरिफी बंगलादेश की महिला टीम के लिए छठे विकेट के लिये सबसे बड़ी 57 रन की साझेदारी की। भारत की ओर से राधा यादव ने सर्वाधिक तीन विकेट लिये। सोभना आशा को दो विकेट मिले। तितास साधु ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

गुजरात टाइटंस कैंसर जागरूकता के लिए लैवेंडर जर्सी के साथ मैदान में उतरेगी

अहमदाबाद, 9 मई। इंडियन प्रीमियर लीग के 63वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस की टीम लगातार दूसरे वर्ष कैंसर के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए 13 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ घरेलू मैदान पर आखिरी मुकाबले में विशेष लैवेंडर जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेगी।

गुजरात टाइटन्स के सीओओ कर्नल अरविंदर सिंह ने कहा, कैंसर अनगिनत जिंदगियों को प्रभावित करता है और इसके लिए लैवेंडर जर्सी हमारी ओर से एक छोटा सा प्रयास है। जर्सी कैंसर रोगियों और उबरे लोगों के लिए हमारे समर्थन का प्रतीक है। कैंसर के खिलाफ लड़ाई जीतने के लिए निवारक उपायों और शीघ्र निदान की आवश्यकता है। हम अपने प्रशंसकों के साथ मिलकर कैंसर से प्रभावित लोगों के जीवन में एक सार्थक बदलाव लाने की उम्मीद करते हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कैंसर जागरुकता पर बल देते हुए कहा, खिलाड़ी के रूप में हम अपने प्रशंसकों और समुदाय के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के बारे में जानते हैं।

'लम्बी फेहरिस्त होती जा रही है, उन लोगों की जो, मोदी को और भाजपा को राइट ऑफ करना चाहते हैं'

पर, क्या वाकई मोदी व भाजपा इतने संकट में हैं, राजनीतिक दृष्टि से?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। क्या मोदी सरकार की संभावनाएं 2024 के चुनावों में औंधे मुंह गिर रही हैं?

पहले तीन चरणों के मतदान से संकेत मिलता है कि प्रधानमंत्री मोदी परेशानी में हैं। वे लगातार विभाजनकारी मुद्दे उठा रहे हैं और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटका रहे हैं। क्योंकि जो सवाल उठाए जा रहे हैं, प्रधानमंत्री के पास इन सवालों के जवाब नहीं है।

प्रधानमंत्री लगातार हिंदू मुस्लिम का मुद्दा उठा रहे हैं, जो वे हर चुनाव में करते हैं पर इस बार आम जनता में इस मुद्दे के प्रति कोई उत्साह नहीं है।

मोदी अपने नारे "अबकी बार 400 पार" के जाल में फंस गए हैं। यह नारा मोदी और शाह की देन है और अब यह उन्हीं के गले की घंटी बन गया है।

- **शौकिया मनोवैज्ञानिकों ने कारण ढूँढ़ लिये हैं कि, मोदी बार-बार क्यों हिन्दू-मुस्लिम दुराव की बात कर रहे हैं।**
- **पर, एक बात यह भी है कि, क्या मोदी केवल पार्टी के कार्यकर्ता का मनोबल ऊंचा रखने के लिए अगली सरकार बनाने का दंभ भर रहे हैं या कोई ठोस स्कीम या प्लान है, जो शुरु के नतीजे भाजपा के माफिक हों।**
- **आर.एस.एस. व भाजपा के बीच मतभेद की बात भी क्या केवल मियाँ-बीवी के बीच रूठने मनाने का क्रम है और अंततोगत्वा वे एक हैं और एक ही रहेंगे हिन्दुत्व की रक्षा में।**

कांग्रेस ने संविधान बदलने के उनके इरादों के खिलाफ इतना भारी प्रचार किया कि वह जनता के दिलो दिमाग में बैठ गया।

दूसरा मुद्दा है दलितों, ओ.बी.सी. व अन्य का आरक्षण। विपक्ष का कहना है कि भाजपा की योजना आरक्षण खत्म करने की है। ये सबसे बड़े मुद्दे बन गए हैं। हालांकि भाजपा इन मुद्दों, जो उसे चुनाव में नुकसान पहुंचाने वाले हैं, से ध्यान हटाने की पूरी कोशिश कर रही है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि आर.एस.एस. के कार्यकर्ता घर बैठे हैं, यह बात भाजपा के लिए काफी खतरनाक है क्योंकि आर.एस.एस. कार्यकर्ता भाजपा की ताकत है। भाजपा कार्यकर्ता भी चुप बैठे हैं और वोटों को सक्रिय करने के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं क्योंकि मोदी सुपर पावर की तरह काम करते हैं और अगर जरुरत ना हो तो कार्यकर्ताओं की उपेक्षा करते हैं।

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि समाज का गरीब तबका किसान, मजदूर आदि चुप बैठे हैं और यह नहीं बता रहे हैं कि उन्होंने किसको वोट दिया है,

अल्पसंख्यक भी इस बार विभाजित नहीं है और वे उस प्रत्याशी को वोट दे रहे हैं जो भाजपा को हरा सकता है।

परिवर्तन दिख रहा है और जमीनी स्तर से मिल रही रिपोर्ट्स से ऐसा लगता है कि, नरेन्द्र मोदी मुश्किल में नहीं बल्कि बड़ी मुश्किल में हैं।

मु.मंत्री भजनलाल ने वारंगल में जनसभा की

वारंगल, 9 मई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को तेलंगाना के वारंगल में भाजपा प्रत्याशी अरूरी रमेश के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस ने देश को लूटने एवं बांटने का काम किया है। कांग्रेस ने तुष्टिकरण की सारी सीमाएं पार कर दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. नरसिम्हा राव के किए गए अपमान को वारंगल की जनता भूली नहीं है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने स्व. नरसिम्हा राव को भारत रत्न से विभूषित किया है। उन्होंने कहा कि, तेलंगाना की जनता कांग्रेस के कुशासन और भ्रष्टाचार से त्रस्त है। यहां कारोबारियों और उद्यमियों को परेशान किया जा रहा है और भ्रष्टाचार का डबल आर टैक्स लगता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, इस लोकसभा चुनाव में एक तरफ देश को लूटने वाले हैं तो दूसरी तरफ मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इस दौरान उन्होंने आव्हान करते हुए कहा कि, सभी लोग अपने वोट की ताकत पहचानें और भाजपा प्रत्याशी अरूरी रमेश को भारी मतों से विजयी बनाएं।

ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में आर.यू.एच.एस. के वी.सी. डॉ. सुधीर भंडारी ने इस्तीफा दिया

डॉ. धनंजय अग्रवाल आर.यू.एच.एस. के कार्यवाहक कुलपति नियुक्त

जयपुर, 9 मई। ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए फर्जी एन.ओ.सी. मामले में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी ने गुरूवार को बर्खास्तगी के डर से राज्यपाल को इस्तीफा सौंप दिया। कुछ देर बाद ही राज्यपाल ने उनका इस्तीफा मंजूर भी कर लिया। कहा जा रहा है कि, राज्य सरकार ने भी इस मामले में डॉ. भंडारी को बर्खास्त करने की पूरी तैयारी कर ली थी और इसके लिए दोपहर बाद चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने भी राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें जांच रिपोर्ट सौंपकर डॉ. भंडारी की भूमिका की जानकारी दी।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने रात को आदेश जारी कर सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में नेफ्रोलोजी विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. धनंजय अग्रवाल को आर.यू.एच.एस. का कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया है।

गौरतलब है कि, इस मामले में पहले ही राज्य सरकार एस.एम.एस. के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा और एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजीव बगरहट्टा को पद से हटा चुकी है। डॉ. सुधीर भंडारी को भी पहले इस्तीफा देने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने इस मामले में उनकी कोई भूमिका होने से इन्कार करते हुए इस्तीफा देने से मना कर दिया था। इसके बाद चिकित्सा मंत्री खींवसर ने डॉ. भंडारी को पद से हटाने के लिए राज्यपाल से मिलकर सिफारिश करने की घोषणा की थी।

राज्य में पिछले दो दिनों से चल रहे घटनाक्रम में पहले एस.एम.एस. अधीक्षक और प्राचार्य को हटाया गया और उसके बाद कुलपति को बर्खास्त करवाने की बात कही गई। इसके बाद चिकित्सा मंत्री दिल्ली चले गए और एक दिन पहले राज्यपाल भी दिल्ली गए थे। ऐसे में, बीच का रास्ता तलाशने के लिए कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी भी

- **चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में राज्यपाल को रिपोर्ट सौंपी तथा राज्य सरकार ने भंडारी को बर्खास्त करने की सिफारिश की।**
- **चिकित्सा मंत्री ने कहा कि, इस मामले की पेपर लीक प्रकरण की तर्ज पर ही जाँच होगी।**

बुधवार को दिल्ली ही थे, लेकिन उनकी बात नहीं बन पाई। देर रात चिकित्सा मंत्री ने जयपुर लौटते ही दोपहर को राज्यपाल से मिलने की बात कही। सुबह चिकित्सा मंत्री के राज्यपाल के पास जाने की खबर वायरल होते ही करीब 11 बजे डॉ. सुधीर भंडारी राज्यपाल से मिलने राजभवन पहुंच गए। उन्हें मनाने की कोशिश की लेकिन राज्यपाल ने चिकित्सा मंत्री का पक्ष जाने बिना कोई निर्णय करने मना कर दिया। इस पर डॉ. भंडारी राज्यपाल को अपना इस्तीफा देकर लौट गए तथा दोपहर बाद चिकित्सा मंत्री ने विभाग के अधिकारियों के साथ राज्यपाल से मुलाकात कर पूरी जांच रिपोर्ट सौंपी और बताया कि, इस मामले में डॉ. भंडारी की कितनी भूमिका रही है। इसके बाद राज्यपाल ने डॉ. भंडारी का इस्तीफा मंजूर कर लिया।

राज्यपाल से मिलने के बाद चिकित्सा मंत्री खींवसर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि, पिछली सरकार में डॉ भंडारी का सारा कंट्रोल सेंट्रलाइज़्ड था। डॉ. भंडारी को एक के बाद एक प्रमोशन दिए गए। उन्होंने कहा कि, जैसे पेपर लीक मामले में मुख्यमंत्री ने कार्रवाई की है, उसी तरह इस मामले में भी आरोपियों के जहां भी तार जुड़े हैं, उन तक पहुंचा जाएगा। उन्हें बेनकाब कर सजा दिलवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि, फर्जी एन.ओ.सी. के जरिये ऑर्गन ट्रांसप्लांट करने का मामला साल 2020 से चल रहा है। उन्होंने निजी अस्पतालों पर भी कड़ी कार्रवाई की बात कही।

गौरतलब है कि, ए.सी.बी. ने गत दिनों रिश्वत लेकर ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए फर्जी एन.ओ.सी. देने के मामले में एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह को गिरफ्तार किया था।

इसके अलावा प्राइवेट हॉस्पिटल फोर्टिस और ई.एच.सी.सी. के एक-एक अधिकारी को पकड़ा था। इसके कुछ दिनों बाद ही हरियाणा के गुरूग्राम में पैसे लेकर मानव अंग ट्रांसप्लांट करवाने का मामला सामने आया था। इस मामले में कई ट्रांसप्लांट जयपुर में ही हुए थे।

'हमारी सरकार में मुझ पर देशद्रोह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पायलट ने कहा, पुरानी हिस्ट्री देख लीजिए, जब हम सत्ता में थे तो एक बार 56 सीटें आईं, फिर 21 सीटें आईं। इस बार राजस्थान में हमारे 71 विधायक हैं। यह अलग बात है कि हम सरकार रिपीट नहीं कर पाए। हम सामूहिक रूप से एक साथ मिलकर चुनाव लड़े थे। कोई कड़वाहट नहीं है, इससे कोई नुकसान नहीं हुआ। कुछ मुद्दों पर अलग राय हो सकती है। हमारा मकसद सरकार बनाना था। हम मिलकर चुनाव लड़े थे। पहले जहां सत्ता में रहते हुए 21 सीटें आती थीं, इस बार हमारे 71 विधायक हैं।

सियासी संकट के वक्त गहलोत सरकार पर फोन टैप करने के, गहलोत के पूर्व ओ.एस.डी. लोकेश शर्मा के बयान के बारे में पूछने पर पायलट ने कहा कि, नेतृत्व परिवर्तन और सत्ता परिवर्तन दो अलग-अलग बातें हैं। उस समय हमारे कुछ मुद्दे थे। हम चाह रहे थे कि, उन मुद्दों में सरकार को कोर्स करैक्शन करने की जरूरत है। सरकार में कुछ बदलने की बातें थीं। पार्टी के सामने हमने बातों को रखा, बात सुनी गई और फिर सरकार और पार्टी स्तर पर बदलाव हुए। हम जो काम करेंगे वो ही रिज़ल्ट मिलेगा। हमने कहा था कि, पर्सैप्शन बदलने के लिए सरकार में कुछ बदलावों की जरूरत है। राजनीति में किसी ने कोई बयान दिया, किसी ने आरोप लगाए, यह चलता रहता है। दिसंबर 2013 में राजस्थान में कांग्रेस की हार के बाद मुझे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बनाने का फैसला हुआ, तब हमारे 21 विधायक थे।

राज्य में वसुंधरा राजे की सरकार बन गई थीं। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन गए थे। उस वक्त लोग कहते थे कि, राजस्थान में 10 साल कांग्रेस राज में नहीं आने वाली, सचिन पायलट को अध्यक्ष बनाकर भ्रूण हत्या कर दी। मैंने पी.सी.सी. की फोर्ड एन्डेवर निकाली और 5 लाख किलोमीटर से ज्यादा घूमा। अकेले नहीं, सबको साथ लिया। पांच साल बाद सरकार बनाई। यह अलग बात है कि, हम सरकार रिपीट नहीं कर पाए।

कांग्रेस नेताओं ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के बयान पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का यदि यह आरोप सत्य है तो वो भ्रष्टाचार की जांच के लिए ई.डी. व आयकर विभाग को जांच के लिए क्यों नहीं आदेश देते। पूर्व केन्द्रीय मंत्री शकील अहमद ने भी इस मुद्दे पर कहा कि तीन चरणों का मतदान समाप्त होने के बाद मोदी को अपनी पराजय का डर सता रहा है इसलिए अब उन्होंने अपने ही मित्रों के खिलाफ बोलना प्रारंभ कर दिया है।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लांबा ने भी कहा कि अब देखना यह है कि क्या ई.डी. और आयकर विभाग प्रधानमंत्री से उनके द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बारे में पूछताछ करेगी जो उन्होंने उनके दो ज़िगरी मित्रों पर लगाए हैं। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल ने चुनौती देते हुए कहा कि ई.डी. एवं आयकर विभाग प्रधानमंत्री के अधीन है अतः उनकों अपने मित्रों पर छापे मारने का आदेश देना चाहिए। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इतने ज्यादा परेशान क्यों हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को अडाणी व अंबानी के खिलाफ जांच करने के लिए ई.डी. एवं सी.बी.आई. को भेज देना चाहिए।

प्र.मंत्री मोदी और राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनौती पेश करते हुए कहा गया है कि "18वीं लोकसभा के लिए चल रही वोटिंग प्रक्रिया अपना आधा रास्ता तय कर चुकी है। सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेता रैलियों और सार्वजनिक संबोधनों में हमारे संवैधानिक लोकतंत्र से संबंधित महत्वपूर्ण सवाल उठा चुके हैं।"

उक्त तीनों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में रेखांकित किया गया है कि प्रधानमंत्री ने आरक्षण, धारा 370 और धन-सम्पत्ति के पुर्नवितरण पर कांग्रेस को खुले आम चुनौती दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संविधान की संभावित काट-छांट, इलैक्टोरल बॉण्ड स्कीम और चीन के प्रति सरकार की प्रतिक्रिया को लेकर प्रधानमंत्री से सवाल किए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को एक सार्वजनिक बहस करने की भी चुनौती दी है।

पत्र में एक प्रस्ताव के साथ ही रिप्लाई एड्रैस भी दिया गया है। प्रस्ताव के अनुसार, बहस का स्थल, अवधि और फॉर्मेट की शर्ते वे ही होंगी जिन पर प्रधानमंत्री और राहुल गांधी दोनों सहमत हो जाए और ये नेता यदि स्वयं बहस नहीं करना चाहते तो वह इसके लिए अपने-अपने प्रतिनिधि मनोनीत कर सकते हैं।

मदन बी. लोकुर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश हैं, जबकि ए.पी. शाह दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस हैं। एन. राम एक सीनियर पत्रकार और "द हिंदू" अखबार के पूर्व संपादकीय प्रभारी हैं।

भारी मतदान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिससे साबित होता था कि शिकायत दुर्भावनापूर्ण थी।

राज्यपाल बोस ने राजभवन में पुलिस को प्रवेश करने की इजाजत नहीं दी थी और स्थानीय पुलिस का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप बंद कर दिया था।

राज्यपाल बोस ने कुछ विशेष नागरिकों को सी.सी.टी.वी. पर फुटेज कवरेज देखने के लिए आमंत्रित किया है और उन्होंने कहा था कि वे प्रैस के लोगों से स्वयं बात करेंगे। हालांकि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों और मंत्रियों का राजभवन में प्रवेश निषेध कर दिया था। बंगाल के चुनावी माहौल में आरोप घने व तेजगति से मंडरा रहे हैं। जनता बुद्धिमान नज़र आ रही है पर वे थोड़े संकेत देने लगे है कि वो किसे वोट देने वाले हैं।

'देश की जनसंख्या में 1950...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सभी नीतिगत कार्यवाहियों, राजनीतिक निर्णयों और सामाजिक प्रक्रियाओं का शुद्ध परिणाम समाज में बढ़ती विविधता के लिए एक सकारात्मक वातावरण उपलब्ध करवाना है।

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि बहुसंख्यक समुदाय की घटती आबादी के वैश्विक रूझान के क्रम में भारत में भी बहुसंख्यक धार्मिक समुदाय की आबादी के शेयर में 7.82 प्रतिशत कमी देखने को मिली।

पेपर में कहा गया कि दक्षिण एशियाई पड़ौसी देशों के वृहद संदर्भ को देखते हुए यह अपने आप में खास है क्योंकि उन पड़ौसी देशों जैसे कि बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान और अफगानिस्तान में बहुसंख्यक लोगों की आबादी बढ़ी है, जबकि अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की आबादी में भारी गिरावट आई है।

पेपर में कहा गया कि यह तथ्य आश्चर्यजनक नहीं है, तभी तो उत्पीड़न के समय के दौरान पड़ोस के देशों की अल्पसंख्यक आबादी भारत आकर बसी। रिपोर्ट ने संकेत दिया कि, सभी मुस्लिम बहुल देशों में, बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय के शेयर में वृद्धि देखी गयी सिवाय मालदीव के, जहां बहुसंख्यक गुट (शफी सुन्नी) में 1.47 प्रतिशत की कमी आयी।

बांग्लादेश में, बहुसंख्यक धार्मिक समूह के शेयर में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई जो कि, भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे ज्यादा है। पाकिस्तान में, बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय (हनाफी मुस्लिम) के शेयर में 3.75 प्रतिशत वृद्धि और कुल मुसलमानों की जनसंख्या में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि सन् 1971 में बांग्लादेश बन चुका था।

रिपोर्ट के अनुसार, गैर-मुस्लिम बहुल देशों, भारत, म्यांमार और नेपाल में बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदायों में कमी देखी गई।

रिपोर्ट में वर्ष 1950 को बेसलाइन वर्ष लेने के दो प्रमुख कारण हैं।

रिपोर्ट ने कहा, यही समय था जब संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकारों की रूपरेखा बनी थी, अल्पसंख्यक के अधिकारों और अल्पसंख्यकों के संरक्षण के प्रति राज्य की जिम्मेवारी को अंतरराष्ट्रीय कानून की मुख्य धारा में लाया गया था।

यह रिपोर्ट दुनिया भर में सन् 1950 से सन् 2015 के बीच के 65 वर्षों में अल्पसंख्यकों की उस देश की जनसंख्या में बदलते शेयर की स्थिति पर एक विस्तृत वर्णनात्मक विश्लेषण है। जिन 167 देशों में यह विश्लेषण किया गया वहां, बेसलाइन वर्ष 1950 में, बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय के शेयर की औसत वैल्यु 75 प्रतिशत थी, जबकि, वर्ष 1950 से वर्ष 2015 के बीच बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय के बदलाव का औसत 21.9 है। सरसरी तौर पर देखने से पता चलता है कि वर्ष 1950 से वर्ष 2015 के बीच की जानकारी उठाने और जारी करने का फैसला बड़ी ही अक्लमंदी से किया गया है ताकि ऐसा नेरेटिव बनाया जा सके तो सत्तारूढ़ पार्टी के अनुकूल हो।

प्र.मंत्री मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, जदयू 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही है जो कि वर्ष 2019 के चुनावों से केवल एक कम है। इस बार, नीतीश कुमार का प्रभाव और राजनीतिक प्रतिष्ठा, कथित तौर से, उनके बार-बार पाला बदलने और उनकी आयु के कारण कम हो गयी है। दूसरी तरफ शिव सेना का एकनाथ शिंदे गुट और अजीत पवार की एन.सी.पी. एक अलग पार्टी के रुप में, पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं।

''इशु लैस'' चुनाव ने सभी को डरा रखा है, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीमित व कम होती है, इसीलिए चार महीने पहले जनमानस में गहलोत सरकार के सर्वव्यापी भ्रष्टाचार के कारण जो रोष था, उद्वेग था, वह कुछ धुंधला पड़ गया, नहीं तो वह जनआक्रोश अपने आप पर्याप्त था, आम आदमी के मन में चुनाव के प्रति उदासीनता के बादलों को भेदने के लिये। पर, यह भी सच है कि, दूसरी ओर भाजपा भी इतनी प्रचंड लहर नहीं पैदा कर सकी, प्र.मंत्री मोदी के पक्ष में कि, जनता उमड़-उमड़ कर झुण्डों में आती वोट देने।

इस "इशू लैस" चुनाव में क्या "रिज़ल्ट" रहेगा, इसका भय भाजपा, कांग्रेस, अफसर, पुलिस तथा सत्ता के गलियारों में चक्कर लगाने वाले आधे-अधूरे से दलालों, सबको सता रहा है। इन लोगों को भय है कि, अगर अपनी दुकानों में गलत सामान रख लिया तो बिक्री तो छोड़ो, लेने के देने पड़ जायेंगे। इन समुदायों के नेताओं, कई जातियों को भय है कि, अब तक प्रचलित कई राजनीतिक किंवदंतियां व धारणाएं, नेस्तनाबूद हो सकती हैं, चुनाव के नतीजों से। विधानसभा चुनावों में धारणा फैली थी कि, शेखावाटी में (सीकर, झुंझुनूं, चूरू) जाटों ने हर बार की तरह अपना वोट बंटने नहीं दिया और कांग्रेस के पक्ष में जमकर मतदान किया, जिससे शेखावाटी में कांग्रेस को भारी सफलता मिली। पर, इसी क्षेत्र के एक वरिष्ठतम जाट नेता का इससे भिन्न सोच है। उनका कहना है, जाट वोट विभाजित हुआ, 60:40 या 55:45 के अनुपात में। पर, कांग्रेस विजयी हुई मुसलमान व एस.सी. मतदाताओं के एकतरफा कांग्रेस के समर्थन के कारण। अगर यह प्रदर्शन लोकसभा चुनाव के रिज़ल्ट में दोहराया जाता है तो, प्रदेश की राजनीति में भारी बदलाव लायेगा। स्वाभाविक ही है, जाट समुदाय इस संभावना से व्यथित है, डरा हुआ सा है।

एक और धारणा प्रचलित है कि, मूल ओ.बी.सी. (माली, धोबी, प्रजापत, कुम्हार, सुनार आदि) सदा से भाजपा का अभेद्य किला रहे हैं। तथा अब तक इस मूल ओ.बी.सी. वर्ग ने भाजपा को, जाटों, एस.सी. व अल्पसंख्यक वर्ग के "ऑन स्लॉट" (भारी मतदान) के परिणामों से बचाया है। इस धारणा का भी टैस्ट होगा कि, यह धारणा प्रमाणित होगी या अप्रमाणित साबित होगी लोकसभा चुनाव के नतीजों से।

यह भी माना जाता है कि, महिलाएं जम कर वोट करेंगी भाजपा के लिये, मोदी जी के लिये, क्योंकि राम मंदिर बनना उनके लिये भावना व श्रद्धा का विषय है, अतः भारी संख्या में वोट देकर, वे अपने आपको उऋण महसूस करना चाहेंगी। इस बार चुनाव के पूर्व यह बात भी खूब फैली थी कि, भाजपा के प्रति राजपूत कुछ अनमने से हैं, रूपाला प्रकरण से, राजेन्द्र राठौड़ की तथाकथित अवहेलना से, आदि, आदि। अगर यह अनमनापन राजनीतिक दृष्टि से, चुनाव की दृष्टि से बेअसर रहा तो वाकई में चिन्ता का विषय रहेगा और भय व आशंका का कारण बनेगा, आत्मसम्मान से ओत-प्रोत समाज के लिये।

पिछले विधानसभा चुनावों में गुर्जर कांग्रेस से विमुख हो गये थे तथा भाजपा की ओर बढ़ गये थे, पार्टी में अपने लाड़ले नेता सचिन पायलट को लगातार तिरस्कृत व अपमानित होता देखकर। इस तिरस्कार का मूल वे गहलोत को मानते थे तथा हाईकमान किन्ही कारणों से मूकदर्शक बनकर रह गया था इस पूरे प्रकरण में। इस बार इस समुदाय ने यह महसूस किया कि, पायलट की चली है लोकसभा चुनाव में। उदाहरण के लिये, उनके कहने से, उनके नौ-दस समर्थकों को टिकट मिले। अतः लोकसभा चुनाव में किसी हद तक गुर्जरों की कांग्रेस में वापसी हुई है। पायलट ने भी अवसर का पूरा लाभ उठाया तथा अपने समर्थकों के क्षेत्र में आम सभाएं, रोड शो किये। जबकि गहलोत, धृतराष्ट्र की भांति पुत्र मोह से ग्रसित, अधिकतर वैभव के चुनाव तक ही सीमित रहे। रिज़ल्ट से पायलट व उनके समर्थक भयभीत नहीं हैं, क्योंकि जिन सीटों पर कांग्रेस की जीत की संभावना देखी जा रही है और जहां जीत पक्की सी मानी जा रही है (दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर, जयपुर ग्रामीण) सभी पायलट के क्षेत्र माने जाते हैं। अगर जीत न भी हो तो भी यह तो अवश्य ही कहा जा सकता है कि, भाजपा की जीत का मार्जिन बहुत कम होगा, अन्य सीटों की तुलना में।

गहलोत की चिंता व भय का एक बड़ा कारण यह भी है कि, अगर भाजपा का स्कोर 25.0 रहा तो गहलोत समर्थक राजनीतिक नेता व अफसर भाजपा के समक्ष अपने मार्क्स बढ़ाने के लिए, अपना-अपना मुंह खोलने लगेंगे, गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार व कुप्रबंधन के सबूत पेश करने के लिये। गहलोत के प्रबल समर्थक, जिनको अपनी सरकार बचाने के लिये टिकट दिलाने में गहलोत पूरी तरह अंतिम क्षणों तक प्रयासरत थे, व दर्जनों अन्य नेता अब पार्टी बदलकर, भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं। फोन टैपिंग, पेपर लीक और किडनी ट्रांसप्लांट, ऐसे सदाबहार प्रकरण हैं, जिन पर गहलोत सरकार को कभी भी लपेटा जा सकता है।

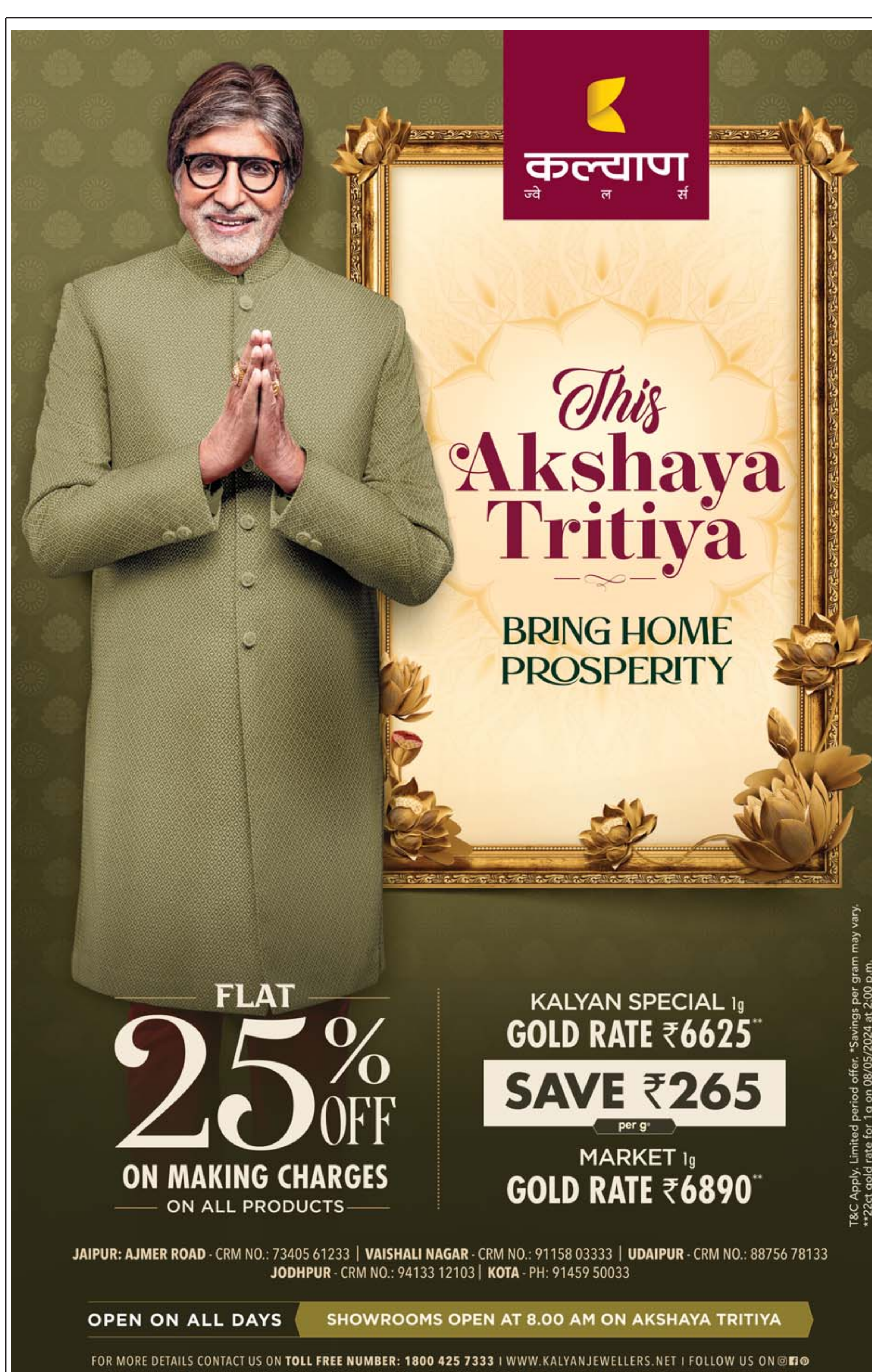

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600